कोचिंग सेंटर के प्रसार, इससे पैदा सामाजिक मुद्दों की समीक्षा करेगी संसदीय समिति -14

केंद्रीय उद्योग मंत्री गोयल ने कहा- भारत-कनाडा एफटीए वार्ता फिर करेंगे शुरू -14

ध्वजारोहण के साथ पलट जाएंगे इतिहास के कई पन्ने -3

दूसरे टेस्ट में भी हालत पतली, बल्लेबाजों की गैर जिम्मेदारी से 201 रन पर सिमटा भारत -16

6th वार्षिकोत्सव विशेषांक
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| अयोध्या |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ • बरेली • कानपुर • मुरादाबाद • अयोध्या • हल्द्वानी

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष पंचमी 10:57 उपरांत षष्ठी विक्रम संवत 2082

मंगलवार, 25 नवंबर 2025, वर्ष 4, अंक 102, पृष्ठ 18 ■ मूल्य 6 रुपये

ध्वजारोहण से पूर्व रामलला का दर्शन करने पहुंचीं श्रद्धालुओं में दिखा आस्था का उल्लास।

फूलों से सजाया गया राम मंदिर का एक और प्रवेश द्वार।

जानकी महल मंदिर में विवाह की रस्म को पूरा करते भक्त।

जुड़वा शहर सजधज कर तैयार, 15 लाख घरों में होगा ध्वजारोहण दीपोत्सव

सहादतगंज से लेकर नयाघाट तक 13 किमी. के रामपथ पर लहराएंगे केसरिया ध्वज

पीएम व सीएम की चित्र वाली होर्डिंग्स से आच्छादित हुआ रामपथ धर्मपथ मार्ग

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : रामनगरी एक बार फिर भक्ति और उत्साह के रंग में रंगने को तैयार है। 22 जनवरी 2024 को राम जन्मभूमि मंदिर में भगवान रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के बाद अब मंगलवार, 25 नवंबर को राम मंदिर परिसर में भव्य ध्वजारोहण का आयोजन होने जा रहा है। इस ऐतिहासिक अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंदिर के शिखर पर केसरिया ध्वज चढ़ाएंगे।

शहर पूरी तरह सज-धज कर तैयार है। सहादतगंज से नयाघाट, रामकी पैड़ी से लेकर राम जन्मभूमि पथ तक हर तरफ केसरिया रंग छाया हुआ है। सड़कों के दोनों ओर भव्य होर्डिंग्स लगाए गए हैं। जिन पर जय श्री राम, ध्वजारोहण महोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं जैसे संदेश लिखे हैं। जगह-जगह ऊँचे-ऊँचे बांस के खंभों पर केसरिया झंडे लहरा रहे हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा के संयुक्त तत्वावधान में यह ध्वजारोहण महोत्सव मनाया जा रहा है। दोनों संगठनों ने मिलकर अयोध्या-फैजाबाद नगर निगम क्षेत्र के लगभग 15 लाख से अधिक घरों में विशेष पूजन और दीपोत्सव ध्वजारोहण करने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए हजारों स्वयंसेवक कई दिनों से घर-घर जाकर लोगों को आमंत्रित कर पूजन सामग्री वितरित कर रहे हैं। संघ के सदस्य अवनिकांत ने बताया कि दिन रात कार्यकर्ता जनसामान्य को उत्सव में सहभागिता का संदेश पर पहुंचा रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को राम मंदिर परिसर में ध्वज चढ़ाएंगे, शाम के समय पूरे नगर क्षेत्र में एक साथ लाखों घरों में श्री रामलला की विशेष आरती और पूजन होगा। घरों में दीप जलाए जाएँगे, राम धुन गूँजेंगी और पूरा शहर दीपावली जैसा नजारा पेश करेगा। ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय पहले ही बता चुके हैं कि कि ध्वजारोहण के लिए 51 फुट ऊँचा ध्वज दंड तैयार किया गया है। इसके ऊपर 21×14 फुट का विशाल केसरिया ध्वज लहराया जाएगा।

स्थानीय निवासी विमलेश तिवारी कहते हैं प्राण-प्रतिष्ठा के बाद यह दूसरा सबसे बड़ा अवसर है। रामलला अपने घर में विराजमान हैं और अब उनके मंदिर पर भगवा ध्वज लहराएगा। यह हमारे लिए गर्व की बात है। अशोक कुमार कहते हैं यह सनातन समाज के लिए गौरव का दिवस है। रामकी पैड़ी को विशेष रूप से सजाया गया है। यहां शाम को दीपोत्सव का भव्य आयोजन होगा। पूरे शहर में जगह-जगह एलईडी स्क्रीन लगाई गई हैं, जिन पर ध्वजारोहण का सीधा प्रसारण दिखाया जाएगा। इसके साथ ही दूरदर्शन पर लाइव प्रसारण होगा। जिससे कि मंदिर परिसर तक नहीं पहुँच पाएँ, वे भी इस ऐतिहासिक पल के साक्षी बन सकें।

रामनगरी में रामपथ पर रेलिंग को गेंदे के फूलों से सजाया।

नगर निगम के सफाई कर्मचारी।

रामनगरी के कर्मयोगी सफाई कर्मचारी

अयोध्या कार्यालय। अमृत विचार : रामनगरी अयोध्या मंगलवार को विवाह पंचमी के पावन अवसर पर इतिहास रचेगी, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के मुख्य शिखर पर भगवा ध्वज चढ़ाएंगे। यह केवल धार्मिक समारोह नहीं, बल्कि सदियों की आस्था की साकार यात्रा है, लेकिन इस भव्यता के पीछे अनगिनत अनसुने चेहरे हैं। सफाई कर्मचारी और समर्पित सेवादार, जो दिन-रात एक कर राम मंदिर को इस ऐतिहासिक क्षण के लिए तैयार कर रहे हैं। इन कर्मयोगियों की कहानियां राम के आदर्शों की तरह ही त्याग, समर्पण और निस्वार्थ सेवा की मिसाल हैं। नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार ने बताया कि सरयू घाट से राम मंदिर तक हर कोना चमक रहा है। फूलों की सजावट, मरम्मत इत्यादि सब कुछ पूर्ण है। सफाई कर्मचारियों की मेहनत अयोध्या को दुल्हन की तरह सजा रही है। नगर निगम के स्वच्छता अभियान में सैकड़ों मजदूर लगे हैं, जो 23 नवंबर से प्लास्टिक मुक्त अभियान चला रहे हैं।

ध्वजारोहण के बाद अनुष्ठान की होगी पूर्णाहुति

अयोध्या,अमृत विचार : राम मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण महोत्सव का आयोजन चरम पर पहुंच गया है। परिसर में विधि विधान पूर्वक धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हो रहे है। अनुष्ठान के चौथे दिन सोमवार को वैदिक पद्धति के मर्मज्ञ विद्वानों ने यज्ञशाला में पूर्ण वैदिक रीति से विभिन्न पूज्य देवताओं का आह्वान कर गणपति पूजन, पंचांग पूजन, षोडष मातृका पूजन संपन्न हुआ। इसके बाद वास्तु पूजन, नवग्रह पूजन कर मंत्रोचारण से हवन कुंड में आहुति दी गई। मुख्य आचार्य चंद्रभान शर्मा, उपाचार्य रविंद्र पैठणे, आचार्य इंद्रदेव मिश्र व आचार्य पंकज कौशिक के द्वारा अनुष्ठान संपन्न कराया गया। जिसके साथ परिसर स्थित अन्य देवी देवताओं के मंदिरो में होने वाले धार्मिक अनुष्ठान की पूर्ण आहुति दी गई, मंगलवार को ध्वजारोहण के बाद अनुष्ठान की पूर्ण आहुति दी जाएगी। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष और धार्मिक समिति के अध्यक्ष गोविंद देवगिरी ने बताया कि 21 नवंबर से प्रारंभ हुए अनुष्ठान में पंचमी तिथि को सुबह विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया जाएगा। मंदिर के शिखर पर ध्वज की स्थापना होने के बाद यज्ञ आचार्य के द्वारा पूर्णाहुति के साथ संपन्न होगा। ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय के मुताबिक कार्यक्रम में शामिल होने वाले आगंतुकों के लिए 1600 से अधिक कमरे बुक कराए गए थे सभी स्थानों पर लगभग अतिथियों के पहुंच चुके है। सुबह सभी अपने निर्धारित समय पर स्नान, दान, पूजन संपन्न करने के बाद अपने मोबाइल को निर्धारित स्थान पर जमा कर ही राम जन्मभूमि परिसर में प्रवेश करेंगे, इसके प्रवेश के लिए 8 बजे से 10 बजे के बीच प्रवेश दिए जाएंगे।

दूल्हा बने श्री राम, दुल्हन माता जानकी को लगाई गई हल्दी

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार: श्री राम विवाह महोत्सव अयोध्या में बड़े ही धूमधाम से मनाया जा रहा है। नगर के 12 से अधिक मंदिरों से देर शाम भगवान श्री राम की भव्य बरात निकाली जाएगी। इसके पूर्व सोमवार को मंदिरों में दूल्हा बने श्री राम का हल्दी और मेहंदी रस्म को विधि विधान से निभाई गई। इसके अलावा जानकी उपासक मंदिर रंग महल मंदिर में माता सीता को भी मेहंदी लगा कर उत्सव संपन्न हो रहे हैं।

वैष्णो समुदाय के मंदिर जानकी महल में जहां भगवान श्री राम को दूल्हा सरकार बनाकर हल्दी और मेहंदी रस्म को संपन्न किया गया। वहीं दूसरी ओर माता सीता के उपासक मंदिर रंग महल में जनक नंदनी माता सीता के पक्ष को लेकर तैयारी की जा रही है। मंदिर से मंगलवार को देर शाम निकलकर बारात रंग महल पहुंचेगी। जहां वैदिक पंडितों के माध्यम से द्वार पूजा का आयोजन होगा। जिसके बाद मंडप विवाह का आयोजन होगा। जिसमें वधू पक्ष से रंग महल मंदिर के महंत रामशरण दास जनक की भूमिका में भगवान की पाओ पूजने का कार्य करेंगे। वहीं दूसरे दिन कलेवा के साथ भगवान श्री राम और माता सीता की विदाई का भी आयोजन किया जाएगा।

जनक की भूमिका निभाने वाली महंत राम शरण दास ने जानकारी दी कि रंग महल के इस प्रांगण में भगवान के बरात आने के बाद द्वार पूजा होगी। उसके बाद भगवान का मंडप में आगमन होगा। दोनों तरफ के ब्राह्मण के द्वारा पूजन किया जाएगा। और जनक की भूमिका में किशोरी जी की पाव पूजन करेंगे इसके साथ ही लावा परछा जाता है। सात फेरे होंगे सिंदूरदान किया जाएगा। विदाई के समय कलेवा होगा। काकी मानस के उल्लेख में जितने भी रिवाजों को लिखा गया है यहां परंपरागत रूप से दर्शाया जाएगा।

रुदौली विधायक की अगुवाई में अयोध्या पहुंचेगे 2000 रामभक्त

मवई, अयोध्या।

अमृत विचार : राममंदिर के शिखर पर होने वाले धर्म ध्वजारोहण और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वागत को भव्य बनाने के लिए रुदौली क्षेत्र में तैयारियां युद्धस्तर पर चल रही हैं।

रुदौली विधायक रामचंद्र यादव दो दिनों से लगातार मवई और रुदौली ब्लॉक का दौरा कर रहे हैं। दोनों ब्लॉक मुख्यालयों पर हुई बैठकों में उन्होंने संगठन पदाधिकारियों, ग्राम प्रधानों और क्षेत्र पंचायत सदस्यों के साथ विस्तृत रणनीति बनाई। मवई ब्लॉक में ब्लॉक प्रमुख राजीव तिवारी के साथ बैठक में प्रत्येक जिम्मेदार व्यक्ति को स्पष्ट दायित्व सौंपा गया, ताकि श्रद्धालुओं को अयोध्या पहुंचाने में कोई भी अव्यवस्था न हो। विधायक ने बताया कि करीब 2000 श्रद्धालुओं का जत्था रुदौली से अयोध्या ले जाने की तैयारी लगभग पूरी है। जिला मंत्री धर्मेंद्र सिंह, मंडल अध्यक्ष निर्मल शर्मा, धर्मेंद्र, राकेश तिवारी आदि मौजूद रहे।

रुदौली में मठ-मंदिरों पर जगमगाएंगे दीप : धर्म ध्वजारोहण के ऐतिहासिक अवसर पर रुदौली क्षेत्र में भी आध्यात्मिक उत्साह चरम पर है। रुदौली के प्रमुख मठ-मंदिरों में विशेष व्यवस्था की जा रही है, जहां शाम होते ही दीप प्रज्ज्वलित कर दिव्यता का संदेश दिया जाएगा। कामाख्या धाम में इसकी तैयारियां अंतिम चरण में हैं।

प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर रुदौली में बैठक करते विधायक रामचंद्र यादव। अमृत विचार

पूर्व सांसद ने तैयार करवाए 10 हजार झंडे

रामनगरी को किया गया भगवामय

अयोध्या, अमृत विचार : राममंदिर पर ध्वजारोहण के अवसर पर पूर्व सांसद लल्लू सिंह ने भी 10 हजार भगवा झंडे तैयार करवाये हैं। यह भगवा ध्वज अयोध्या/फैजाबाद के सभी वार्डों सहित रामपथ, धर्मपथ आदि पर सजाए-फहराए जा रहे हैं। पूर्व सांसद की योजना सोमवार रात में ही रामनगरी को भगवामय कर देने के लिए बड़ी संख्या में लोग लगा दिए गए थे।

भगवा ध्वज फहराने के लिए तैयारी में जुटे कार्यकर्ता।

सड़क दुर्घटना में युवक की मौत

सोहावल, अमृत विचार : खुशियों से भरी एक शाम कुछ ही पलों में मातम में बदल गई। बारात में शामिल होने निकला सोनू सिंह (28) सड़क दुर्घटना में काल के गाल में समा गया। पूरे परिवार का सहारा ही छिन गया। नगर पंचयात खिरोनी के नवी का पुरवा का रहने वाला सोनू रविवार शाम पूराकलंदर थाना क्षेत्र के नगरिया गांव में बारात में शामिल होने अपनी बाइक से जा रहा था। मोइया कपूरपुर गांव के पास सामने से आ रहे वाहन ने टक्कर मार दी।गंभीर घायल सोनू ने जिला अस्पताल से लखनऊ ट्रॉमा सेंटर ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। यह खबर गांव पहुँची तो सन्नाटा छा गया।घर में चीखें, मातम और कराह, हर तरफ दर्द ही दर्द दिखाई दे रहा है। सोनू की इसी साल शादी होने वाली थी। घर में खुशियों की चर्चा हमेशा के लिए थम गई।

प्रदर्शनी कल

अयोध्या, अशफाक उल्ला खां मेमोरियल शहीद शोध संस्थान से 26 नवंबर बुधवार को शहीद कक्ष जिला कारागार में काकोरी एक्शन के दस्तावेजों की प्रर्दशनी आयोजित करेगा। प्रदर्शनी महुआ डाबर संग्रहालय की ओर से प्रस्तुत की जाएगी। संस्थान के प्रबंध निदेशक सूर्य कांत पांडेय ने बताया कि सुबह 10 बजे से आयोजित इस आयोजन का उद्घाटन वरिष्ठ जेल अधीक्षक करेंगे।

जिला अस्पताल में एक्स-रे कराने गए मरीज की हार्ट अटैक से मौत

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार: जिला अस्पताल के मेडिकल वार्ड में भर्ती एक मरीज की सोमवार को एक्स-रे कराने के दौरान अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। मृतक की पहचान कोरखाना देवकाली निवासी पारसनाथ (50) के रूप में हुई है। बताया जाता है कि वह अस्थमा के गंभीर मरीज था और रविवार को ही जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

अस्पताल प्रशासन के अनुसार पारसनाथ का मेडिकल वार्ड में इलाज चल रहा था। चिकित्सकों ने सोमवार को जांच के लिए छाती का एक्स-रे कराने की सलाह दी। प्रत्यक्षदर्शियों की मानें तो उसे व्हीलचेयर पर बैठाकर एक्स-रे कक्ष की ओर ले जा रहे थे। एक्स-रे कक्ष के पास अचानक पारसनाथ बेहोश होकर व्हीलचेयर पर झूल गया। आनन-फानन मरीज को इमरजेंसी ओपीडी ले जाया गया। फिजिशियन डॉ. प्रशांत द्विवेदी मौके पर पहुंचे और लगभग 15-20 मिनट तक सीपीआर देते रहे। इसके बावजूद मरीज की सांस नहीं लौटी। ईसीजी कराई गई तो उसमें फ्लैट लाइन दिखाई दी। इमरजेंसी मेडिकल ऑफिसर डॉ. प्रमोद तिवारी ने बताया कि मरीज को अचानक कार्डियक अरेस्ट आया था, जिसके कारण मौत हो गई।

जिला अस्पताल की इमरजेंसी ओपीडी में मरीज को सीपीआर देते डॉ. प्रशांत द्विवेदी।

- कोचिंग सेंटर के प्रसार, इससे पैदा सामाजिक मुद्दों की समीक्षा करेगी संसदीय समिति -14

- केंद्रीय उद्योग मंत्री गोयल ने कहा- भारत-कनाडा एफटीए वार्ता फिर करेंगे शुरू -14

- ध्वजारोहण के साथ पलट जाएंगे इतिहास के कई पन्ने -3

- दूसरे टेस्ट में भी हालत पतली, बल्लेबाजों की गैर जिम्मेदारी से 201 रन पर सिमटा भारत -16

6th वार्षिकोत्सव विशेषांक
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

अमृत विचार

अयोध्या

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ | बरेली | कानपुर | मुरादाबाद | अयोध्या | हल्द्वानी

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष पंचमी 10:57 उपरांत षष्ठी विक्रम संवत 2082

मंगलवार, 25 नवंबर 2025, वर्ष 4, अंक 102, पृष्ठ 18 | मूल्य 6 रुपये

अलविदा ही मैन..

धर्मेंद्र ने वर्ष 1958 में निर्माता-निर्देशक अर्जुन हिंगोरानी की फिल्म ''दिल भी तेरा हम भी तेरे'' से बतौर अभिनेता बॉलीवुड में एंट्री ली, इसके बाद करीब 65 साल तक फिल्मी दुनिया की अहम शख्सियत बने रहे। इस बीच उन्होंने 300 से भी ज्यादा फिल्मों में काम किया। 1966 में फिल्म फूल और पत्थर की सफलता ने उन्हें ही मैन की पहचान दी। इस फिल्म में दमदार अभिनय के कारण वह फिल्मफेयर के सर्वश्रेष्ठ अभिनेता पुरस्कार के लिए भी नामांकित किए गए। वर्ष 1997 में फिल्मफेयर के लाइफटाइम एचीवमेंट अवार्ड से उन्हें सम्मानित किया गया। अपने शानदार व्यक्तित्व के कारण उन्हें बॉलीवुड का 'ग्रीक गॉड' उपनाम भी मिला। अमेरिका की प्रसिद्ध टाइम मैगजीन का विश्व के दस सुंदर व्यक्तियों में उन्हें प्रथम स्थान देकर उनके चित्र को मुखपृष्ठ पर प्रकाशित किया गया था।

08 दिसंबर 1935 ...24 नवंबर 2025

बॉलीवुड के एक और सबसे चमकते सितारे का अवसान

धर्मेंद्र ने दुनिया छोड़ी... अब दिलों में रहेंगे

मुंबई, एजेंसी

बॉलीवुड के एक और सबसे चमकदार सितारे का अवसान हो गया। ही मैन के नाम से मशहूर और सिने प्रेमियों के चहेते धर्मेंद्र का सोमवार सुबह निधन हो गया। उन्होंने अपने आवास पर 89 की उम्र में अंतिम सांस ली। दोपहर के वक्त विले पार्ले स्थित पवन हंस श्मशान भूमि में उनका अंतिम संस्कार किया गया। बड़े बेटे और अभिनेता सनी देओल ने उन्हें मुखाग्नि दी। बॉलीवुड की कई हस्तियां उन्हें अंतिम विदाई देने पहुंचीं।

धर्मेंद्र पिछले कुछ वक्त से बीमार थे और मुंबई के एक अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। परिवार ने इस महीने की शुरुआत में घर पर ही उनका इलाज जारी रखने का निर्णय लिया था। वह आठ दिसंबर को 90 वर्ष के हो जाते, लेकिन सोमवार सुबह उनका निधन हो गया। उनका फिल्मी करियर 65 वर्षों का रहा। इस बीच उन्होंने करीब 300 फिल्मों में काम किया जिनमें सत्यकाम और शोले जैसी तमाम यादगार फिल्में भी शामिल हैं।

विले पार्ले में पवन हंस श्मशान भूमि में उनके अंतिम संस्कार के दौरान उनके प्रशंसकों की भीड़ उमड़ पड़ी। उनकी पत्नी और जानीमानी अभिनेत्री हेमा मालिनी, बेटी इशा देओल और परिवार के अन्य सदस्य भी श्मशान स्थल पर पहुंचे थे। उनके दोस्त महानायक अमिताभ बच्चन के साथ फिल्म जगत की कई हस्तियां पहुंची। इनमें शबाना आजमी, गोविंदा, आमिर खान, अभिषेक बच्चन, सलमान खान, अक्षय कुमार, संजय दत्त,रणवीर सिंह ,दीपिका पादुकोण तथा जायद खान शामिल थे।

... मगर नहीं चमक पाए थे राजनीति में

धर्मेंद्र ने दशकों तक बड़े पर्दे पर राज किया लेकिन राजनीति में नहीं चमक पाए। 2004 में उन्होंने राजस्थान के बीकानेर से भाजपा के उम्मीदवार के रूप में लोकसभा चुनाव लड़कर जीता। लेकिन संसद में पहुंचने के बाद उनका राजनीति से जल्द ही मोहभंग हो गया। संसद में उनकी उपस्थिति बेहद कम रही। बाद में उन्होंने कहा था, मैं यह नहीं कहूंगा कि राजनीति में आना कोई गलती थी, लेकिन एक अभिनेता को राजनीति में नहीं आना चाहिए क्योंकि इससे दर्शकों और प्रशंसकों के बीच सामान्य स्वीकृति में विभाजन पैदा होता है। अभिनेता को हमेशा अभिनेता ही रहना चाहिए।

अभिनेता एवं पूर्व सांसद धर्मेंद्र जी का निधन भारतीय सिनेमा के लिए बड़ी क्षति है। सबसे लोकप्रिय अभिनेताओं में से एक, भारतीय सिनेमा की एक महान हस्ती के रूप में वह ऐसी विरासत छोड़ गए हैं जो कलाकारों की युवा पीढ़ी को हमेशा प्रेरित करती रहेगी। उनके परिवार, दोस्तों और प्रशंसकों के प्रति हार्दिक संवेदना। - **द्रौपदी मुर्मु, राष्ट्रपति**

धर्मेंद्र जी का निधन भारतीय सिनेमा के एक युग का अंत है। जिस तरह उन्होंने विविध भूमिकाएं निभाईं, उसने अनगिनत लोगों को प्रभावित किया। धर्मेंद्र जी अपनी सादगी, विनम्रता और गर्मजोशी के लिए प्रशंसित थे। इस दुख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार, दोस्तों और असंख्य प्रशंसकों के साथ हैं। ओम शांति। - **नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री**

न्यूज ब्रीफ

शहीदी दिवस: प्रदेश में आज सार्वजनिक अवकाश घोषित

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 25 नवंबर मंगलवार को सभी स्कूल-कॉलेज और दफ्तर बंद रहेंगे। इस दिन गुरु तेग बहादुर के शहादत दिवस को सार्वजनिक अवकाश की घोषणा कर दी गई है। योगी सरकार ने वर्ष 2025 के अवकाश कैलेंडर में संशोधन करते हुए गुरु तेग बहादुरजी के बलिदान दिवस पर घोषित अवकाश की तिथि बदल दी है। सामान्य प्रशासन विभाग के अनुसार पहले यह अवकाश 24 नवंबर को निर्धारित था, अब इसे 25 नवंबर कर दिया गया है। प्रमुख सचिव सामान्य प्रशासन मनीष चौहान ने इस संबंध में आदेश जारी किया है।

आज बंद हो जाएंगे बद्रीनाथ धाम के कपाट

देहरादून। देवभूमि उत्तराखंड के उच्च गढ़वाल हिमालयी क्षेत्र में स्थित विश्वविख्यात बदरीनाथ धाम के कपाट आज शीतकाल के लिए बंद कर दिए जाएंगे और इसी के साथ इस वर्ष की चारधाम यात्रा का औपचारिक समापन हो जाएगा। बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के अनुसार, मंगलवार अपराह्न दो बजकर 56 मिनट पर बदरीनाथ धाम के कपाट शीतकाल के लिए बंद कर दिए जाएंगे। गढ़वाल हिमालय के चार में से तीन धामों के कपाट पहले ही बंद किए जा चुके हैं।

सियासी दलों को गुमनाम नकद चंदा संबंधी याचिका पर नोटिस

सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार, निर्वाचन आयोग और दूसरे पक्षों से मांगा जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और निर्वाचन आयोग समेत अन्य पक्षों से उस याचिका पर जवाब मांगा है जिसमें राजनीतिक दलों को 2,000 रुपये से कम का ''गुमनाम'' नकद चंदा लेने की अनुमति देने वाले आयकर अधिनियम के प्रावधान की वैधता को चुनौती दी गई है। याचिका में कहा गया है कि पारदर्शिता की यह कमी मतदाताओं को दानकर्ता और उनके उद्देश्य समेत राजनीतिक वित्तपोषण के स्रोत के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी से वंचित करती है। इससे चुनाव प्रक्रिया की शुचिता कमजोर होती है और मतदाता वोट डालते समय तर्कसंगत, बुद्धिमत्तापूर्ण और पूरी तरह सूचित निर्णय लेने से वंचित रह जाते हैं।

याचिका में निर्वाचन आयोग को निर्देश देने की भी मांग की गई है कि वह किसी राजनीतिक दल के पंजीकरण और चुनाव चिन्ह के आवंटन के लिए एक शर्त निर्धारित करे कि कोई भी दल नकद में कोई राशि प्राप्त नहीं कर सकता। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि मामले को चार सप्ताह बाद सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाएगा। इससे पहले, पीठ ने याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता विजय हंसारिया से पूछा कि उन्होंने हाईकोर्ट का रुख क्यों नहीं किया। हंसारिया ने कहा कि यह याचिका देश भर में सभी राजनीतिक दलों और उन्हें मिलने वाले वित्तपोषण से संबंधित है। पीठ ने इस पर याचिका पर सुनवाई के लिए सहमति जताते हुए निर्वाचन आयोग, केंद्र और भाजपा तथा कांग्रेस जैसे कई राजनीतिक दलों सहित अन्य को नोटिस जारी किए।

आईटी एक्ट की धारा 13ए का खंड डी असंवैधानिक

याचिका में आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 13ए के खंड (डी) को असंवैधानिक करार देते हुए रद्द करने की मांग की गई है और साथ ही सुप्रीम कोर्ट के 2024 के फैसले का भी हवाला दिया गया है, जिसमें चुनावी बांड योजना को रद्द कर दिया गया था। वकील जयेश के उन्नीकृष्णन के माध्यम से दायर याचिका में कहा गया है, याचिकाकर्ता यह निर्देश चाहता है कि राजनीतिक दल उन्हें कोई भी धनराशि देने वाले व्यक्ति का नाम और अन्य सभी विवरण उजागर करें तथा कोई भी धनराशि नकद में प्राप्त न की जाए, ताकि राजनीतिक चंदे में पारदर्शिता बनी रहे। अधिनियम की धारा 13ए राजनीतिक दलों की आय से संबंधित विशेष प्रावधान से जुड़ा है।

जिस चंदे की पहचान नहीं, उसे वापस कराए निर्वाचन आयोग

याचिका में कहा गया कि अधिनियम में धारा 13ए जोड़ी गई है और राजनीतिक दलों को मिलने वाली जमानत राशि पर ब्याज, मकान/संपत्ति से आय, अन्य स्रोतों से आय, तथा स्वैच्छिक चंदे के रूप में मिलने वाली किसी भी रकम को कुल आय की गणना से मुक्त रखा गया है। याचिका में यह निर्देश देने की भी मांग की गई है कि निर्वाचन आयोग सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के फॉर्म 24ए (चंदा विवरण) की जांच करे और जिन चंदों में दाता का पता या पैन नहीं दिया गया है, उस राशि को संबंधित दलों से वापस जमा करवाए। याचिका में केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) को पिछले पांच वर्षों के दौरान आयकर अधिनियम की धारा 142 और 143 के तहत राजनीतिक दलों द्वारा दाखिल आयकर रिटर्न और ऑडिट रिपोर्ट की जांच करने का निर्देश देने की भी मांग की गई है।

नेपाल के रास्ते भारत में प्रवेश कर रहा चीनी नागरिक गिरफ्तार

बाबागंज, बहराइच

- फोन से संवेदनशील स्थानों की बना रहा था वीडियो

नेपाल सीमा से लगे रूपईडीहा चेकपोस्ट पर एस एस बी व स्थानीय पुलिस ने नेपाल के रास्ते भारत में प्रवेश कर संवेदन शील स्थानों की वीडियो बनाते समय चीनी नागरिक को गिरफ्तार किया है।

एस एस बी 42 वाहिनी के उप निरीक्षक रत्नेश यादव व रूपईडीहा थाना प्रभारी रमेश रावत अपनी टीम के साथ नेपाल से भारत व भारत से नेपाल जाने वाले लोगों पर निगरानी कर रहे थे । तभी नेपाल के रास्ते भारतीय क्षेत्र में भ्रमण कर रहे एक चीनी नागरिक को देख उसे रोका गया। पूछताछ उसने अपना नाम लियू कुंजिग निवासी प्रांत हुनान प्रोविंस राष्ट्र चाइना बताया । तलाशी के दौरान उसमें पास से तीन फोन के साथ चीनी, नेपाली व पाकिस्तानी मुद्रा बरामद हुई उसमें पास भारत में आने का वीजा भी नहीं था । जब उसके फोन को देखा गया तो एक फोन में भारतीय क्षेत्र के संवेदन शील स्थानों की वीडियो मिली। गिरफ्तार चीनी नागरिक को रूपईडीहा पुलिस के हवाले किया गया है । सुरक्षा एजेंसियां उससे पूछताछ में लगी हुई हैं।

बलरामपुर के डीएम पर 11 हजार का हर्जाना

लखनऊ। छह साल से बार-बार आदेश देने के बावजूद जवाबी हलफ़नामा न दाखिल करने पर हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने सख्त रुख अपनाते हुए, जिलाधिकारी बलरामपुर पर 11 हजार रुपये का हर्जाना लगाया है। कोर्ट ने कहा है कि हर्जाने की उक्त रकम याचियों को भुगतान की जाएगी। मामले की अगली सुनवाई 15 दिसम्बर को होगी। यह आदेश न्यायमूर्ति राजन रॉय व न्यायमूर्ति जफीर अहमद की खंडपीठ ने नबी अली व अन्य की ओर से वर्ष 2019 में दाखिल जनहित याचिका पर दिया है। याचिका में एक अंत्येष्टि स्थल पर शेड लगाने की मांग की गई है। मामला बलरामपुर जनपद का है। कोर्ट ने आठ नवंबर 2019 को पहली बार आदेश पारित करते हुए, जिलाधिकारी बलरामपुर को लघु प्रतिउत्तर शपथ पत्र दाखिल करने का निर्देश दिया था।

भारत के 53वें सीजेआई बने न्यायमूर्ति सूर्यकांत

नई दिल्ली, एजेंसी

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने सोमवार को भारत के 53वें प्रधान न्यायाधीश के तौर पर शपथ ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में एक समारोह में न्यायमूर्ति सूर्यकांत को शपथ दिलाई और उन्होंने हिंदी में शपथ ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी समेत कई वरिष्ठ नेता इस समारोह में शामिल हुए। न्यायमूर्ति सूर्यकांत को न्यायमूर्ति बीआर गवई के स्थान पर न्यायपालिका के सर्वोच्च पद पर नियुक्त किया गया है जो रविवार को सेवानिवृत्त हो गए। न्यायमूर्ति सूर्यकांत को 30 अक्टूबर को अगला प्रधान न्यायाधीश नियुक्त किया गया था, वह नौ फरवरी 2027 को 65 वर्ष का होने तक लगभग 15 महीने तक इस पद पर रहेंगे। शपथ लेने के तुरंत बाद न्यायमूर्ति सूर्यकांत प्रधानमंत्री का अभिवादन करने उनके पास गए।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत को शपथग्रहण करातीं राष्ट्रपति।

रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगाई अयोध्या, गूंजने लगी रामधुन

सरयू जल से स्नान करेंगे पीएम, संघ प्रमुख समेत कई हस्तियां पहुंचीं अयोध्या

मोदी आज भगवा ध्वज फहराकर करेंगे राममंदिर का निर्माण पूर्ण होने की घोषणा

अयोध्या कार्यालय।

अमृत विचार: श्रीराम मंदिर ध्वजारोहण को लेकर राम की नगरी अयोध्या रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगा गई। राम धुन गूंजने लगी है। प्रधानमंत्री मंगलवार को श्री राम मंदिर के शिखर पर भगवा ध्वज चढ़ाकर राममंदिर का निर्माण पूर्ण होने की घोषणा करेंगे। कार्यक्रम में शामिल होने के लिए संघ प्रमुख समेत कई हस्तियां अयोध्या पहुंच गई हैं।

आम लोगों में मंगलवार के आयोजन को लेकर उत्साह है। पूरे नगर को साफ सुथरा करके सजाया गया है। लाइटें जगमगा रही हैं। अयोध्या सोमवार शाम अद्भुत दिखी, वैभव चरम पर आ गया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और संघ प्रमुख मोहन भागवत मंगलवार को मार्गशीर्ष मास के शुक्ल पक्ष में श्रीराम और माँ सीता की विवाह पंचमी के अभिजीत मुहूर्त मध्याह्न में श्री राम मंदिर के शिखर पर 10 फिट ऊंचे और 20 फिट लंबे समकोण वाले तिकोने झंडे का आरोहण करेंगे। ध्वज पर भगवान श्री राम की प्रतिभा और वीरता का प्रतीक चमकता सूरज, कोविदार वृक्ष की तस्वीर के साथ 'ॐ' लिखा होगा। पवित्र भगवा झंडा रामराज्य के आदर्शों को दिखाते हुए गरिमा, एकता और सांस्कृतिक निरंतरता का संदेश देगा।

पीएम मोदी हवाई अड्डे पर पहुंचने के बाद हैलीकॉप्टर से साकेत महाविद्यालय पहुंचेंगे। वहां से रोड-शो के रूप में अयोध्या वासियों का अभिनंदन करते हुए श्री रामजन्मभूमि मंदिर पहुंचेंगे। यहां वह सरयू जल से स्नान करेंगे। इसके बाद मंदिर के परकोटे में पहुंचेंगे। यहीं से दर्शन पूजन की शुरूआत हो जाएगी। उम्मीद है कि सुबह करीब 10 बजे प्रधानमंत्री सप्तमंदिर पहुंच जाएंगे। महर्षि वशिष्ठ, महर्षि विश्वामित्र, महर्षि अगस्त्य, महर्षि वाल्मीकि, देवी अहिल्या, निषादराज गुहा और माता शबरी के मंदिरों में भी शीश झुकाएंगे। इसके बाद वे शेषावतार मंदिर भी जाएंगे। यहां लक्ष्मण जी की पूजा-अर्चना करेंगे। सुबह करीब 11 बजे माता अन्नपूर्णा मंदिर पहुंचेंगे। इसके बाद राम दरबार गर्भगृह में दर्शन-पूजन करेंगे। दर्शन पूजन के बाद वह ध्वजारोहण कार्यक्रम में शामिल होने के लिए पहुंचेंगे। प्रधानमंत्री दोपहर करीब 12 बजे श्री राम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर भगवा झंडा चढ़ाएंगे। समारोह में शामिल होने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, संघ प्रमुख मोहन भागवत सहित संघ, सरकार और भाजपा से जुड़ी कई हस्तियां अयोध्या पहुंच गई हैं।

श्रीराम जन्मभूमि, अयोध्या में दर्शन पूजन करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

पारंपरिक उत्तर भारतीय नागर आर्किटेक्चरल स्टाइल में बना है झंडा

मंदिर के शिखर पर चढ़ाए जाने वाला झंडा पारंपरिक उत्तर भारतीय नागर आर्किटेक्चरल स्टाइल में बना है। मंदिर के चारों ओर बना आठ सौ मीटर का परकोटा (दक्षिण भारतीय आर्किटेक्चरल परंपरा में डिज़ाइन किया गया घेरा) मंदिर की आर्किटेक्चरल विविधता को दिखाता है। मुख्य मंदिर की बाहरी दीवारों पर वाल्मीकि रामायण पर आधारित भगवान श्री राम के जीवन से जुड़े 87 प्रसंग बारीकी से पत्थर पर उकेरे गए प्रसंग हैं। घेरे की दीवारों पर भारतीय संस्कृति से जुड़े 79 कांस्य-ढाल वाले प्रसंग रखे गए हैं।

मुख्यमंत्री ने लिया तैयारियों का जायजा

मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ सोमवार दोपहर करीब तीन बजे अयोध्या पहुंचे। उन्होंने राम लला और हनुमान जी का दर्शन पूजन किया। पीएम मोदी के लिए बनाए गए हैलीपैड का निरीक्षण किया। साथ ही उनके मार्ग के साथ राम मंदिर में तैयारियों का जायजा लिया। अफसरों को तैयारियों के बावत जरूरी निर्देश दिये। मुख्यमंत्री मंगलवार को हैलीपैड पर प्रधानमंत्री का स्वागत करेंगे।

रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र में ध्वज स्थापना से पहले शुरू हो गया है अनुष्ठानों का दौर।

अमृत विचार
अयोध्या, मंगलवार, 25 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

जू. बालिका हैंडबाल टीम के खिलाड़ी चयनित

सुलतानपुर, अमृत विचार : खेल निदेशालय के निर्देशन में पंत स्टेडियम में आयोजित राज्य स्तरीय जूनियर बालिका हैंडबाल चयन में जिले की कई प्रतिभावान खिलाड़ी चयनित हुईं। चयनित खिलाड़ियों में दिव्यांशी, श्वेता दुबे, श्वेता यादव, खुशी, साक्षी, रोली, अग्रिमा सिंह, यशु, नव्या तिवारी और प्रियांशी पटेल शामिल हैं। चयनित प्रतिभागियों को बुधवार को अपराह्न 1 बजे क्षेत्रीय खेल कार्यालय, डाभासेमर (अयोध्या) में मंडल स्तर के ट्रायल में सम्मिलित होना होगा।

दुष्कर्म में इंस्पेक्टर तोमर पर आरोप तय

सुलतानपुर, अमृत विचार : महिला आरक्षी से दुष्कर्म के चर्चित मामले में आरोपी इंस्पेक्टर नीशू तोमर सोमवार को फास्ट ट्रैक कोर्ट में पेश हुए। पीड़िता की ओर से अधिवक्ता संतोष पांडेय ने बताया कि न्यायाधीश राकेश की अदालत ने इंस्पेक्टर तोमर के विरुद्ध दुष्कर्म समेत अन्य आरोप में आरोप तय कर दिए हैं तथा अभियोजन साक्ष्य के लिए 22 दिसंबर की तारीख निर्धारित की है। गौरतलब है कि 14 जुलाई 2022 को हलियापुर थाने में तैनाती के दौरान एक महिला आरक्षी ने इंस्पेक्टर नीशू तोमर पर शारीरिक एवं मानसिक उत्पीड़न तथा दुष्कर्म का गंभीर आरोप लगाते हुए केस दर्ज कराया था।

सड़क हादसे में बाइक सवार की मौत

सुलतानपुर, अमृत विचार : सेमरी चौकी क्षेत्र के नगईपुर गांव निवासी राजेंद्र सिंह सोमवार दोपहर टांडा-बांदा राष्ट्रीय राजमार्ग पर सेमरी बाजार, वरदहिया से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रही तेज रफ्तार बोलेरो ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। जिससे उनके सिर में गंभीर चोटें आईं ग्रामीणों ने उन्हें एक निजी वाहन से बिरसिंहपुर सौ शैय्या संयुक्त अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सेमरी चौकी प्रभारी ने बताया कि पोस्टमार्टम के लिए शव भेज दिया गया है। आरोपित वाहन पुलिस के कब्जे में है।

पेंशनर्स संगठन ने सौंपा कोषाधिकारी को ज्ञापन

सुलतानपुर, अमृत विचार : पेंशन राशि में हो रही कटौती को लेकर उत्तर प्रदेश पेंशनर्स कल्याण संस्था, शाखा सुलतानपुर का एक प्रतिनिधिमंडल सोमवार को कोषाधिकारी से मिला और अपनी समस्याओं के समाधान हेतु ज्ञापन प्रस्तुत किया। प्रतिनिधिमंडल ने पेंशनरों की पेंशन राशि में बिना स्पष्ट कारण की जा रही कटौती पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए तत्काल जांच कर समस्या दूर करने की मांग उठाई। संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि पेंशन बुजुर्गों की जीवनरेखा है, ऐसे में कटौती से वरिष्ठ नागरिकों को आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कोषाधिकारी ने ज्ञापन प्राप्त कर आश्वासन दिया कि मामले की जांच कर आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।

पराली जलाने वाले 52 किसानों पर लगा जुर्माना

अंबेडकरनगर, अमृत विचार: जनपद में पराली जलाने के मामलों में वृद्धि के बाद प्रशासन ने सख्त कार्रवाई किया है। जनपद में 52 किसानों पर कुल 2 लाख 85 हजार रुपए का अर्थदंड लगाया गया है। इसके अतिरिक्त एक किसान पर मुकदमा भी दर्ज किया गया है और उससे 55 हजार रुपये की वसूली की गई है। जनपद में 23 नवंबर तक पराली जलाने के मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। पिछले साल कुल 128 घटनाएं सामने आई थीं, जिनमें 89 पराली जलाने और 39 कूड़ा-करकट जलाने के मामले शामिल थे। तब भी किसानों से जुर्माना वसूला गया था। प्रशासन पराली नहीं जलाएं, पर्यावरण बचाएं जैसे नारों के माध्यम से लगातार जागरूकता अभियान चला रहा है। उपकृषि निदेशक डॉ. अश्विनी कुमार सिंह ने बताया कि दो एकड़ से कम क्षेत्रफल के लिए पांच हजार रुपए, दो से पांच एकड़ के लिए 10 हजार रुपए और पांच एकड़ से अधिक क्षेत्रफल के लिए 30 हजार रुपए तक का पर्यावरण जुर्माना वसूलने के निर्देश है। इस वर्ष अकबरपुर में आठ, आलापुर में 13, जलालपुर में 15, टांडा में 12 और भीटी में चार किसानों पर कुल 2 लाख 85 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया है।

तीन शिक्षकों, एक शिक्षामित्र व अनुदेशक पर की गई कार्रवाई

एसआईआर में लापरवाही: शिक्षकों का वेतन रोका, शिक्षामित्र की संविदा समाप्त कर एफआईआर का आदेश, बीएसए की सख्ती से महकमे में मचा हड़कंप

जिला संवाददाता, सुलतानपुर

अमृत विचार: विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) के वृहद अभियान में रूचि न लेने वालों पर कार्यवाही शुरू हो गई है। सख्ती दिखाते हुए इस महत्वपूर्ण कार्य में लापरवाही बरतने वाले तीन शिक्षक, एक शिक्षामित्र व एक महिला अनुदेशक पर बीएसए उपेंद्र गुप्ता ने सोमवार को कार्रवाई की है।

बीएसए ने विकास खंड कुड़वार के अध्यक्ष एवं सचिव ग्राम शिक्षा समिति/प्रबंध समिति प्राथमिक विद्यालय बहलोलपुर को पत्र जारी किया है। जिसमें कहा है कि इस महत्वपूर्ण कार्य में प्राविके शिक्षामित्र धीरेंद्र त्रिपाठी की ड्यूटी बीएलओ कार्य हेतु लगाई गई है। फिर धीरेंद्र द्वारा एसआईआर प्रपत्र भरने का कार्य नहीं किया गया। ऐसी दशा में धीरेंद्र त्रिपाठी शिक्षामित्र की नियमानुसार संविदा समाप्त करते हुए संबंधित ईआरओ से समन्वय स्थापित कर इनके विरूद्ध संबंधित थाने में एफआईआर दर्ज कराई जाए। वहीं, विकासखंड दूबेपुर के उच्च प्राथमिक विद्यालय बिकना की अनुदेशक ज्योति राव की भी ड्यूटी बीएलओ के रूप में लगाई गई है। लापरवाही पर इनका एक दिन का मानदेय अवरूद्ध करते हुए चेतावनी दी गई है कि तत्काल एसआईआर का कार्य पूर्ण कराएं, अन्यथा एफआईआर दर्ज कराई जाएगी। वहीं, इस महत्वपूर्ण कार्य में लापरवाही बरतने पर पर कुड़वार ब्लाक के प्राथमिक विद्यालय बड़ई का पुरवा के सहायक अध्यापक अर्चना गुप्ता, प्राविमझारी पश्चिम के सहायक अध्यापक ओमकार व कंपोजिट विद्यालय कुड़वार के सअ मानसिंह यादव का वेतन अग्रिम आदेश तक रोका गया है। बीएसए की कार्यवाही से विभाग में हड़कंप मच गया है।

आज स्टाफ के लिए खुलेंगे स्कूल

सुलतानपुर : एसआईआर अभियान में धीमी प्रगति को देखते हुए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी उपेन्द्र गुप्ता ने कड़ा निर्देश जारी किया है। आदेश के अनुसार मंगलवार को जिले के सभी विद्यालय केवल कर्मचारियों के लिए ही खुले रहेंगे। विद्यालयों में कार्यरत समस्त स्टाफ को अनिवार्य रूप से उपस्थित होकर पुनरीक्षण कार्य में सहयोग देना होगा।

110 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का मानदेय रोका

सुलतानपुर : राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी निर्देशों के तहत जिले में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को युद्धस्तर पर चलाया जा रहा है। इसी क्रम में बीएलओ ड्यूटी में लापरवाही बरतने पर 110 आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों का मानदेय रोक दिया गया, जबकि एक कार्यकत्री पर एफआईआर दर्ज कराने की नोटिस जारी की गई है। उप जिलाधिकारी/निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी ने जिला कार्यक्रम अधिकारी को सूचित किया था कि कई आंगनवाड़ी कार्यकत्रियां बीएलओ कार्य में ढिलाई बरत रही हैं। इसके आधार पर जिला कार्यक्रम अधिकारी शरद कुमार त्रिपाठी ने कादीपुर के 46, बल्दीराय के 33 और सुलतानपुर विधानसभा के 30 बीएलओ पर कार्रवाई करते हुए उनका मानदेय रोकने का आदेश दिया। 23 नवंबर को निरीक्षण के दौरान पूजा सिंह, आंगनवाड़ी कार्यकत्री एवं बीएलओ (बूथ संख्या 113, विधानसभा 187 इसौली, प्राथमिक विद्यालय पीपरगांव) अनुपस्थित पाई गईं। जिस पर उनका मानदेय अग्रिम आदेश तक रोकते हुए संबंधित धाराओं में प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराने की चेतावनी जारी की गई है।

एसआईआर को लेकर कांग्रेसियों ने सौंपा ज्ञापन

एडीएम प्रशासन को ज्ञापन सौंपते कांग्रेसी।

सुलतानपुर : सोमवार को कांग्रेसियों ने राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन एडीएम प्रशाशन गौरव शुक्ला को सौंपा। आरोप है कि एसआईआर प्रक्रिया से लोगों में निराशा व गुस्सा है। लोकतंत्र में विशेष रूप से दलित, आदिवासी, पिछड़ा व अल्पसंख्यक वर्ग को वोट के अधिकार से वंचित होने का खतरा महसूस हो रहा है। वहीं एसआईआर कार्य में लगे बीएलओ की आत्महत्या की खबरें पूरी प्रक्रिया पर सवाल खड़ा कर रही है। कांग्रेसियों की मांग है कि प्रक्रिया सरल बनाने के साथ ही बी एल ओ की सुरक्षा के लिए जरुरी कदम उठाए जायें। ज्ञापन देने वालों में प्रदेश महासचिव मोहसिन सलीम,पूर्व प्रदेश सचिव रणजीत सिंह सलूजा, सलाहुद्दीन हाशमी, हामिद राईनी, हरपाल वर्मा व अन्य लोग मौजूद रहे।

राजू एसोसिएट के संस्थापक की मनी पुण्यतिथि

सुलतानपुर, अमृत विचार : राजू एसोसिएट के संस्थापक एवं प्रबंधक स्व आद्याशंकर मिश्र की 18वीं पुण्यतिथि पर सोमवार को राजू पब्लिक इंटर कॉलेज, गदनपुर धूंधूं में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शिक्षक, छात्र और क्षेत्र के लोग शामिल हुए। दो मिनट के मौन के बाद पूजन-अर्चन व हवन किया गया। इसके बाद उपस्थित लोगों ने संस्थापक चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। प्रबंधक नवनीत मिश्र ने स्व. मिश्र द्वारा शिक्षाक्षेत्र में किए गए योगदान को याद करते हुए बताया कि उन्होंने क्षेत्र में आधा दर्जन से अधिक शैक्षिक संस्थाओं की स्थापना की थी। जिनका उद्देश्य युवाओं को शिक्षित, संस्कारवान और रोजगारोन्मुख बनाना था। उन्होंने कहा कि संस्थापक का सपना था कि शिक्षा और रोजगार का अभाव किसी भी परिवार की प्रगति में बाधा न बने। प्रधानाचार्य विभूति दूबे ने बताया कि बैंक सेवा में रहते हुए भी स्व. मिश्र समाज सेवा के विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय रहे। अन्य लोगों ने भी राजू एसोसिएट के संस्थापक द्वारा किए गए कार्यो की जानकारी देते हुए उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने स्व. मिश्र के आदर्शो एवं उनके अधूरे सपनों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

गोबिंद साहब मेले में व्यवस्थाएं कराएं दुरुस्त

- **पुलिस अधीक्षक ने ऐतिहासिक गोबिंद साहब मेले का किया निरीक्षण, जिम्मेदारों को दिए दिशा निर्देश**

जिला संवाददाता, अंबेडकरनगर

अमृत विचार: पुलिस अधीक्षक अभिजित आर शंकर ने सोमवार को ऐतिहासिक गोबिंद साहब मेले का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था, भीड़ प्रबंधन, यातायात व्यवस्था, पार्किंग, आपातकालीन सेवाओं और अग्निशमन प्रबंधन जैसी आवश्यक तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को गोबिंद साहब मेले की सभी तैयारियों को ससमय पूर्ण करने के सख्त निर्देश दिए।

पुलिस अधीक्षक ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मेले में पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने और संवेदनशील और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर अतिरिक्त चौकसी बरतने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने मुख्य प्रवेश द्वारों, मार्गों और मेले के महत्वपूर्ण स्थलों पर सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता की जांच की और कंट्रोल रूम से लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए। इस मौके पर उनके साथ क्षेत्राधिकारी आलापुर प्रदीप चंदेल, थानाध्यक्ष कटका, मेला प्रभारी अवधेश श्रीवास्तव सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

गोबिंद साहब मेले की तैयारियों का जायजा लेते एसपी व अन्य।

युवक को बेरहमी से पीटा, उपचार के दौरान मौत

जलालपुर, अंबेडकरनगर, अमृत विचार : जनपद के सम्मनपुर थाना क्षेत्र में दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। ननिहाल जाने के लिए घर से निकले युवक को आरोपितों ने हाथ-पैर बांधकर बेरहमी से पीटा, जिससे इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। वहीं पीड़ित परिवार में कोहराम मचा हुआ है। पुलिस ने मौके का निरीक्षण कर आरोपितों पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। बता दें कि सम्मनपुर थाना क्षेत्र के पलई कल्याणपुर निवासी अंकुर उर्फ विपुल 28 वर्ष रविवार दोपहर घरवालों से यह कहकर निकला था कि वह टांडा में ननिहाल जा रहा है। रास्ते में बरियावन के पास केशवपुर कटुईया गांव में आरोपित पिता-पुत्र ने उसे पकड़कर उसके हाथ-पैर बांध दिए और निर्ममता की हद पार करते हुए उसकी बेरहमी से पिटाई कर दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार युवक दया की भीख मांगता रहा और हाथ जोड़कर छोड़ देने की गुहार लगाता रहा, लेकिन आरोपित नहीं माने और उसे तब तक पीटते रहे जब तक वह बेसुध नहीं हो गया। उसे मृत समझकर आरोपी फरार हो गए। सूचना पर पहुंची पीआरवी पुलिस ने गंभीर रूप से घायल अंकुर को जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां सोमवार दोपहर उपचार के गंभीर रूप से घायल युवक की मौत हो गई। पुलिस द्वारा घर पर जानकारी दिए जाने पर परिजनों को मौत की खबर मिली। सूचना मिलते ही घर में मातम छा गया। मृतक की मां सोनी सिंह और पिता राम शकल सिंह का रो-रोकर बुरा हाल है। क्षेत्राधिकारी सदर नीतीश तिवारी ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आरोपितों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

नन्दिनी नगर पी०जी० कालेज
नवाबगंज-गोण्डा (उ०प्र०)
(सम्बद्धः माँ पाटेश्वरी विश्वविद्यालय, बलरामपुर)
9415458212, 9838989000, 9648469000, 9984223300

आवश्यकता

महाविद्यालय में स्ववित्तपोषित योजनान्तर्गत परास्नातक स्तर पर अंग्रेजी, रसायन विज्ञान, गणित एवं प्राणि विज्ञान विषयों में प्राध्यापन कार्य हेतु सहायक आचार्य पद पर नियुक्ति हेतु आवेदन-पत्र आमंत्रित हैः-

अर्हता- परास्नातक सहायक आचार्य पद हेतु स्नातक उपाधि द्वितीय श्रेणी, सम्बन्धित विषय में स्नातकोत्तर उपाधि न्यूनतम 55 प्रतिशत अंको सहित, यू०जी०सी० रेगुलेशन-2016/2018 प्रमाणपत्र सहित पी-एच०डी० उपाधि अथवा CSIR or UGC NET CERTIFICATE.

वेतन- यू०जी०सी०/उत्तर प्रदेश शासन/मॉ. पाटेश्वरी विश्वविद्यालय के मानकानुसार।

नोट- यू०जी०सी० द्वारा निर्गत नवीनतम शैक्षिक अर्हता एवं मानकों के अनुसार नियुक्ति हेतु चयन की कार्यवाही की जायेगी।

इच्छुक अभ्यर्थी विज्ञापन की तिथि से 14 दिवस के अन्दर आवेदन-पत्र पर नवीनतम फोटोग्राफ चस्पा कर अपने शैक्षिक अंकपत्रों/प्रमाणपत्रों/उपाधिपत्रों एवं अनुभव की स्वच्छ छायाप्रति संलग्न कर आवेदन करें।

प्रबन्धक

श्री रघुकुल महिला विद्यापीठ
सिविल लाइन्स-गोण्डा (उ०प्र०)
(सम्बद्धः माँ पाटेश्वरी विश्वविद्यालय, बलरामपुर)
9415458212, 9838989000, 9648469000, 9984223300

आवश्यकता

महाविद्यालय में स्ववित्तपोषित योजनान्तर्गत स्नातक स्तर पर माइक्रोबायलोजी, वनस्पति विज्ञान एवं प्राणि विज्ञान विषयों में प्राध्यापन कार्य हेतु सहायक आचार्य पद पर नियुक्ति हेतु आवेदन-पत्र आमंत्रित हैः-

अर्हता- सहायक आचार्य पद हेतु स्नातक उपाधि द्वितीय श्रेणी, सम्बन्धित विषय में स्नातकोत्तर उपाधि न्यूनतम 55 प्रतिशत अंको सहित यू०जी०सी० रेगुलेशन-2016 प्रमाणपत्र सहित पी-एच.डी.उपाधि अथवा यू०जी०सी० नेट प्रमाण पत्र।

वेतन- यू०जी०सी०/उत्तर प्रदेश शासन/मॉ. पाटेश्वरी विश्वविद्यालय के मानकानुसार।

नोट- यू०जी०सी० द्वारा निर्गत नवीनतम शैक्षिक अर्हता एवं मानकों के अनुसार नियुक्ति हेतु चयन की कार्यवाही की जायेगी।

इच्छुक अभ्यर्थी विज्ञापन की तिथि से 14 दिवस के अन्दर आवेदन-पत्र पर नवीनतम फोटोग्राफ चस्पा कर अपने शैक्षिक अंकपत्रों/प्रमाणपत्रों/उपाधिपत्रों एवं अनुभव की स्वच्छ छायाप्रति संलग्न कर आवेदन करें।

प्रबन्धक

कार्यालय ग्राम पंचायत पहाड़पुर सरायभीखम, वि०ख० मोतिगरपुर, जनपद सुलतानपुर

पत्रांक-मेमो/ग्रा०पं०/निविदा/कोटेशन सूचना/2025-2026 दिनांक-24.11.2025

अल्पकालीन निविदा सूचना/कोटेशन

सर्वसाधाण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत पहाड़पुर सरायभीखम, विकासखंड मोतिगरपुर, जनपद सुलतानपुर मे मनरेगा योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 के क्रम में कराये जाने वाले कार्य पर निम्न विवरण के अनुसार सामग्री की आवश्यकता है। इच्छुक स्थानीय फर्म/भट्ठा मालिक आपूर्ति के लिए दिनांक-25.11.2025 से 01.12.2025 सायं 03:00 बजे तक निविदा/कोटेशन सचिवालय ग्राम पंचायत पहाड़पुर सरायभीखम, विकास खण्ड मोतिगरपुर, जनपद सुलतानपुर में दे सकते हैं। प्राप्त निविदा उसी दिनांक-01.12.2025 को सायं 04:00 बजे ग्राम पंचायत द्वारा गठित समिति के समक्ष खोली जाएगी। समिति द्वारा दिया गया निर्णय अंतिम और सर्वमान्य होगा।

क्र० सं०	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (रुपये में)	सामग्री विवरण	शपथ पत्र हेतु स्टाम्प का मूल्य (रुपये में)
1	कन्हैया गुप्ता के घर के सामने सड़क से शंकर जी के मंदिर के बगल से काली माई के चौरा तक इंटरलाकिंग निर्माण कार्य।	2,59,177 रुपये।	बालू, मोरंग, सीमेन्ट, ईट गिट्टी, इंटरलाकिंग ईट, प्रथम श्रेणी ईट, गिट्टी आदि सामग्री।	100

नोट- निविदा से सम्बंधित नियम व शर्ते कार्यालय के किसी भी कार्य दिवस के निर्धारित समय में देखी जा सकती है।

ग्राम प्रधान ग्राम पंचायत सचिव
ग्रा०पं०- पहाड़पुर सरायभीखम वि०ख०-मोतिगरपुर जनपद-सुल्तानपुर

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना
मैं, अजय सिंह पुत्र प्रेम सिंह बिष्ट, निवासी सेक्टर 4बी/104 वृन्दावन योजना, निकट गोल्ड स्टार अपार्टमेन्ट, लखनऊ। मेरे ग्रेज्यूशन की मूल डिग्री/ मार्कशीट जो कि MTU (AKTU) द्वारा जारी MCA वर्ष 2010-2013, रोल नंबर 1003014006 की मेरी मूल डिग्री/मार्कशीट वास्तव में खो गयी है।

सूचना
मैं अपना नाम ALIA BEGAM से बदलकर ALIYA BEGAM सारे डॉक्यूमेण्ट पर रख लिया हूं। भविष्य में मुझे इसी नाम से जानी व पहचानी जाती हूं। ALIYA BEGAM W/O MOHD SAHJAD KHAN, VILL-PURE GOUHAR MAJRE GADRIYA DIH POST DOMADIH AMETHI-227809

सूचना
मैं घोषणा करता हूँ कि ज्ञान चन्द मंध्यान आत्मज स्व शंकर लाल मंध्यान, निवासी सी- 2239, सी- ब्लॉक, इंदिरा नगर, लखनऊ मेरे सगे भाई जयराम दास मंध्यान, सुनील कुमार मंध्यान, सुशील कुमार मंध्यान, स्व0 हरीश कुमार मंध्यान पुत्रगढ़ स्व0 शंकर लाल मंध्यान के समाज विरोधी गतिविधियों, अनुचित व्यवहार अथवा परिवार की प्रतिष्ठा एवं छवि को क्षति पहुँचाने वाले आचरण के कारण मैंने इन सभी से संबंध विच्छेद कर लिया है एवं अपनी समस्त चल, अचल सम्पत्ति से पूर्णतः बेदखल कर रहा हूँ जिसमें खसरा संकया 684/8, रसूलपुर सादात, बी.के.टी, लखनऊ एवं मकान सं०- सी-2239, इंदिरा नगर लखनऊ भी सम्मिलित है। भविष्य में उनके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य/ व्यवहार के प्रति मेरा कोई वास्ता सरोकार न होगा।

सूचना
मैंने अपना नाम ABHISHEK से बदलकर ABHISHEK KUMAR रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-MITHLESH ADD-HARAUNI SHAMSUDDINPUR PS-HASANGANJ DIST-UNNAO-229881 (U.P)

NOTICE
Ajay Singh, have lost my original Degree/Mark sheets issue by MTU(AKTU) for MCA, Year 2010 - 2013, Roll No - 1003014006.It is misplaced in the market area of SGPGI on 23/11/2025.If anyone finds it, please contact me at 9235118858.I declare these documents stand invalid if misused.

सूचना
मैं सवारी देवी हमने अपनी पोती जिनका नाम रिद्धि तिवारी व सिद्धि तिवारी पुत्री स्वर्गीय प्रमोद कुमार तिवारी गलत आचरण व परिवार में अभद्र व्यवहार करने से परिवार की छवि धूमिल करने के कारण उनसे अपने सभी प्रकार के संबंध विच्छेद करते हुए अपनी समस्त चल व अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है भविष्य में उनके द्वारा किए गए किसी भी कार्य लेनदेन व्यवहार के प्रति हम लोगों का परिवार के अन्य सदस्यों से कोई सरोकार व वास्ता न होगा वह लोग हमारी चल व अचल सम्पत्ति हिस्सा पाने के हकदार नहीं होंगे पता E4M/184 अलीगंज लखनऊ

सप्तपुरियों में प्रथम श्रीअयोध्या धाम में मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम की पावन जन्मभूमि पर
दिव्य-भव्य श्री राम जन्मभूमि मंदिर निर्माण पूर्ण होने के उपलक्ष्य में
मंदिर के शिखर पर 22X11 फीट की

धर्म ध्वजा का पुनर्स्थापन

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री
के द्वारा

गरिमामयी उपस्थिति

आनंदीबेन पटेल, राज्यपाल, उत्तर प्रदेश
डॉ. मोहनराव भागवत, सरसंघचालक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ
योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश
महंत नृत्यगोपाल दास, अध्यक्ष, श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास
केशव प्रसाद मौर्य, उप मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश
ब्रजेश पाठक, उप मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश
सूर्य प्रताप शाही, मंत्री, कृषि, कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान, उत्तर प्रदेश
जयवीर सिंह, मंत्री, पर्यटन एवं संस्कृति, उत्तर प्रदेश

एवं अन्य गणमान्य महानुभाव

दिनांक : 25 नवंबर, 2025 | समय : मध्याह्न 12:00 बजे | स्थान : श्री राम जन्मभूमि मंदिर परिसर, श्रीअयोध्या धाम

श्री राम जन्मभूमि मंदिर की विशेषताएं : 2.7 एकड़ में विस्तृत तीन मंजिला मुख्य मंदिर परिसर | श्रद्धालुओं, दर्शनार्थियों एवं पर्यटकों के लिए आवश्यक समस्त सुविधाओं की उपलब्धता | परकोटा के 6 मंदिरों (भगवान शिव, भगवान गणेश, भगवान हनुमान, सूर्यदेव, देवी भगवती एवं देवी अन्नपूर्णा) तथा शेषावतार मंदिर पर ध्वजदण्ड एवं कलश स्थापित | सप्त मण्डप में महर्षि वाल्मीकि, महर्षि वशिष्ठ, महर्षि विश्वामित्र, महर्षि अगस्त्य, रामभक्त निषादराज, माता शबरी एवं ऋषि पत्नी अहिल्या का मंदिर | संत तुलसीदास मंदिर तथा रामभक्त जटायु एवं गिलहरी की प्रतिमाएं स्थापित | 10 एकड़ में पंचवटी, 3.5 किमी लंबी चहारदीवारी, ट्रस्ट कार्यालय, अतिथि गृह, सभागार इत्यादि

काम दमदार-डबल इंजन सरकार

लाइव प्रसारण DD NEWS & Youtube.com/DDNEWS
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश
UPGovtOfficial | CMOUttarpradesh | CMOfficeUP

भव्य तैयारी ध्वजारोहण के लिए सज-संवर कर तैयार श्रीराम मंदिर।

साकेत महाविद्यालय में हैलीपैड का निरीक्षण करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

जल, थल, नभ से निगाह, सुरक्षा के अभेद्य किले में रामनगरी

सभी प्रवेश द्वार समेत अयोध्या के गली-कूंचों में भी बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात | 6970 सुरक्षा कर्मियों का सुरक्षा घेरा, एटीएस-एनएसजी से लेकर साइबर टीम तक मुस्तैद | एंटी-ड्रोन सिस्टम, स्नाइपर ड्यूटी 90 तकनीकी विशेषज्ञों की तैनाती

अयोध्या कार्यालय।

अमृत विचार : राम मंदिर पर ऐतिहासिक ध्वजारोहण समारोह को लेकर अयोध्या को सुरक्षा के अभेद किले में तब्दील कर दिया गया है। लन, नभ व थल तीनों जगह से निगरानी की जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अयोध्या प्रवास तक रामपथ पर पैदल चलने पर भी रोक लगा दी गई है। राम जन्मभूमि परिसर व आसपास की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। एनएसजी व एटीएस कमांडों के साथ आरएएफ के जवानों ने मंदिर परिसर को अपनी सुरक्षा में ले लिया है।

प्रधानमंत्री के आगमन से एक दिन पूर्व रामनगरी में कड़े सुरक्षा के इंतजाम रहे। राम मंदिर परिसर समेत जगदगुरु आद्य शंकराचार्य व जगदगुरु रामानंदाचार्य द्वार के आसपास एनएसजी, एटीएस व आरएएफ के कमांडों तैनात रहे। पूरे मार्ग को सील कर यहां किसी को भी रुकने की मनाही रही। दिन भर अधिकारी व एसपीजी की टीम मुख्य समारोह स्थल समेत प्रधानमंत्री के गुजरने वाले मार्गों की सुरक्षा व्यवस्था परखते रहे। सेना के हेलीकॉप्टर नभ से, जल पुलिस, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ व पीएसी बाढ़ राहत दल जल से व पुलिस, पीएसी समेत अर्धसैनिक बलों के जवान थल से सुरक्षा की निगरानी करते रहे। देर रात से ही एसएसपी डॉ गौरव ग्रोवर, एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी, एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी भ्रमण कर ड्यूटी प्वाइंट पर लगे पुलिस अधिकारी, कर्मचारीगणों को चेक कर उन्हें उचित दिशा निर्देश दिया जाता रहा।

निषादराज चौराहा के निकट बैरिकेडिंग पर तैनात पुलिस बल। अमृत विचार

प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को लेकर रिहर्सल करते अधिकारी। अमृत विचार

विशेष सुरक्षा इकाइयों के साथ बड़ी संख्या में सुरक्षा बल तैनात

विशेष सुरक्षा इकाइयों के रूप में बम डिटेक्शन टीम, डॉग स्क्वॉड, वीवीआईपी सुरक्षा निरीक्षण दल, ट्रैफिक प्रबंधन यूनिट, फायर यूनिट तथा रिस्पॉन्स टीम की जिम्मेदारी संवेदनशील बिंदुओं पर तैनाती की गई है। तकनीकी उपकरण जैसे माइंस टीम, बीडीएस यूनिट, एक्स-रे स्कैनिंग मशीन, सीसीटीवी मॉड्यूल, हाई रिस्पॉन्स वैन, पेट्रोलिंग यूनिट और एंबुलेंस यूनिट्स को भी तैनात किया गया है। विशेष जांच के लिए हैंड हेल्ड मेटल डिटेक्शन डिवाइस, वाहन माउंटेड स्कैनर तथा बैगेज एक्सरे स्कैनर के भी इंतजाम किए गए हैं।

प्रधानमंत्री की सुरक्षा को लेकर किया पूर्वाभ्यास

अयोध्या, अमृत विचार। सोमवार को प्रधानमंत्री के आगमन से पूर्व सुरक्षा को लेकर दो पूर्वाभ्यास किए गए। इसमें प्रधानमंत्री के काफिले के वाहनों के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का स्कॉर्ट वाहन भी शामिल था। इसका नेतृत्व एसपीजी के अधिकारियों ने किया। यह काफिला साकेत महाविद्यालय पर बने हैलीपैड से निकला ओर क्रॉसिंग नंबर-तीन जगदगुरु आद्य शंकराचार्य मार्ग से राम मंदिर परिसर तक गया। प्रधानमंत्री मंगलवार को महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पहुंचेंगे, जहां से हेलीकॉप्टर द्वारा साकेत महाविद्यालय आएंगे। वहां से रोड शो के जरिए राम मंदिर तक पहुंचेंगे। पूर्वाभ्यास में पूरे मार्ग की सुरक्षा, ट्रैफिक प्रबंधन और इमरजेंसी प्रोटोकॉल की जांच की गई। अयोध्या एयरपोर्ट से मंदिर तक का पूरा रूट फुलप्रूफ बनाया जा रहा है। पूर्वाभ्यास के दौरान रामपथ को पूरी तरह बंद कर दिया गया। साकेत महाविद्यालय से राम मंदिर गेट तक फुटपाथ पर पुलिस, पीएसी व आरएएफ के जवानों की तैनाती रही।

प्रवेश द्वार पर सुरक्षा सख्त, सिर्फ पैदल आने की अनुमति

प्रधानमंत्री के आगमन से पूर्व अयोध्या धाम के सभी प्रवेश द्वार पर भारी पुलिस बलों की तैनाती कर दी गई। दोपहर तक सिर्फ स्थानीय लोगों का पहचान पत्र देखकर उनके दो पहिया वाहनों को ही अंदर आने दिया गया। करीब तीन बजे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अयोध्या पहुंचने पर रामपथ को एक बार फिर सील कर सुरक्षा का पूर्वाभ्यास किया गया। इस दौरान रामपथ पर जुड़ने वाली गलियों को भी सील कर दिया, किसी को रामपथ पर आने जाने नहीं दिया गया। शाम छह बजे के बाद सभी प्रकार के वाहनों के प्रवेश पर रोक लगा दी गई।

पीएम के स्वागत की तैयारियों को दिया अंतिम रूप

अयोध्या, अमृत विचार : ध्वजारोहण में प्रधानमंत्री के आगमन पर स्वागत, अभिनंदन कार्यक्रम को लेकर महानगर के विभिन्न मंडलों की समीक्षा बैठक सर्किट हाउस में हुई। तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। इसके पूर्व सांसद लल्लू सिंह के नेतृत्व में बाइक रैली निकाली गई। विधायक वेद प्रकाश गुप्त ने वार्डों का दौरा किया। प्रभारी मंत्री सूर्यप्रताप शाही ने स्वागत अभिनंदन कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी जनप्रतिनिधियों व पार्टी के पदाधिकारियों से ली। प्रभारी मंत्री ने आयोजन को लेकर लगातार कार्यक्रम स्थलों की निगरानी के लिए कहा। पूर्व सांसद लल्लू सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री का अयोध्या आगमन रामनगरी के लिए गौरव का क्षण है। विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने कहा कि अयोध्या में होने वाला ध्वजारोहण समारोह हमारी सांस्कृतिक अस्मिता का गौरवमयी क्षण है। महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने कहा कि अयोध्या प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए सज गई है। क्षेत्रीय अध्यक्ष कमलेश मिश्रा ने कहा कि रामनगरी में होने वाले स्वागत कार्यक्रम को अभूतपूर्व बनाने की तैयारी की गई है। इस अवसर पर पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

5वीं बार अयोध्या आने वाले मोदी पहले प्रधानमंत्री

अयोध्या। अयोध्या विवाद शुरू होने के बाद अब तक अयोध्या ने कई इतिहास रचे है। कभी आंदोलन को लेकर तो कभी सृजन को लेकर। एक बार फिर अयोध्या इतिहास रचने के मुहाने पर है। इस बार अयोध्या के साथ प्रधानमंत्री मोदी भी नया इतिहास बनाने वाले हैं। वह देश के पहले प्रधानमंत्री हैं तो सवा पांच साल में पांच बार अयोध्या पहुंचे। पहले बार वह 20 अगस्त 2020 को श्री राम मंदिर के लिए भूमि पूजन करने पहुंचे थे। दूसरी बार 30 दिसंबर 2023 को अयोध्या एयरपोर्ट सहित अन्य परियोजनाओं का लोकार्पण करने पहुंचे थे। तीसरी बार वह 22 जनवरी 2024 को राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने पहुंचे, फिर लोक सभा चुनाव के दौरान पांच मई 2024 को रोड करने के साथ राम लला का दर्शन करने पहुंचे थे।अब 25 नवंबर को ध्वजारोहण कार्यक्रम में शामिल होने पहुंच रहे हैं।

हाईवे पर डायवर्जन लागू, देर शाम से सभी प्रकार के वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध

सुरक्षा की दृष्टि से हाईवे पर भारी वाहनों का प्रवेश सोमवार रात से ही प्रतिबंधित कर दिया गया। सोमवार शाम से अयोध्या धाम में सभी प्रकार के वाहनों के प्रवेश पर रोक लगा दी गई। इसके लिए अयोध्या जिले की सीमा के साथ अंदर भी बैरियर लगाए गए हैं। अयोध्या-रायबरेली हाईवे मार्ग से अयोध्या की ओर जाने वाले भारी वाहनों को हाईवे के कूरेभार तिराहे से सुल्तानपुर की ओर भेजा जा रहा है। रुदौली सर्किल क्षेत्र के भिटरिय-रामसनेही घाट से अयोध्या की ओर जाने वाले भारी वाहनों के लिए सराय चौबे अंडरपास और असंद्रा के नई सड़क तिराहे पर भी बैरियर लगाकर वाहनों को रोका जा रहा है। अयोध्या-प्रयागराज हाईवे के अयोध्या-सुल्तानपुर सीमा पर स्थित जमौली बॉर्डर और चौरे बाजार से भी बड़े वाहनों को अयोध्या की ओर नहीं आने दिया जा रहा है। इन बैरियरों पर बड़ी संख्या में पुलिस बल के जवान तैनात किए गए हैं।

दिव्य, भव्य व नव्य अयोध्या की होर्डिंग को निहारते बटुक।

निजी विमानों से रामनगरी पहुंचने लगे उद्योगपति

अयोध्या कार्यालय। अमृत विचार : ध्वजारोहण समारोह में शामिल होने के लिए सोमवार को प्रमुख उद्योगपतियों का रामनगरी पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया है। महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर मुंबई से विशद माफतलाल व नागपुर से सौर ऊर्जा एवं रक्षा क्षेत्र के प्रमुख उद्योगपति सत्यनारायण नुवाल भी अपने परिवार के साथ निजी चार्टर विमान से पहुंचे। डायरेक्टर धीरेंद्र सिंह के नेतृत्व में एयरपोर्ट स्टाफ ने अतिथियों का तिलक लगाकर स्वागत किया। सत्यनारायण नुवाल ने कहा कि अयोध्या केवल एक शहर नहीं, यह हमारी सांस्कृतिक चेतना का केंद्र है। राम मंदिर का निर्माण और अयोध्या का नवीन स्वरूप देखकर मन आनंदित हो रहा है। विशद माफतलाल ने भी रामलला के प्रति अपनी भावुकता व्यक्त करते हुए कहा कि अयोध्या आकर उन्हें आत्मिक शांति की अनुभूति हो रही है। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) अमित भट्ट व सिटी मजिस्ट्रेट राजेश मिश्रा भी उपस्थित रहे। दोनों ही उद्योगपति अपने चार्टर विमान से अयोध्या पहुंचे।

- सौर ऊर्जा के प्रमुख व मुंबई के विशद माफतलाल का एयरपोर्ट पर भव्य स्वागत

एयरपोर्ट से निजी विमान से पहुंचे अतिथियों का स्वागत करते डायरेक्टर धीरेंद्र सिंह।

अयोध्या की दिव्यता ने विदेशी मेहमानों को बनाया मुरीद

अयोध्या, अमृत विचार : देश ही नहीं विदेशों से आने वाले पर्यटक भी अयोध्या के बदलते स्वरूप को देखकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयासों की खुलकर तारीफ कर रहे हैं। रूस से आई पर्यटक ईवा ने कहा कि अयोध्या एक भव्य और सुंदर आध्यात्मिक नगर के रूप में विकसित हुआ है। उन्होंने बताया कि यहां ठहरने और सुविधाओं की विश्वस्तरीय व्यवस्था है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना की। धर्म ध्वज स्थापना कार्यक्रम को लेकर दर्शनार्थियों में भारी उत्साह है। पुणे से आए दर्शनार्थी शिव नारायण ने कहा कि अयोध्या का विकास मोदी और योगी आदित्यनाथ की दृढ़ इच्छाशक्ति का परिणाम है। अयोध्या के आर्थिक विकास में होटल और रेस्टोरेंट कारोबार महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

अयोध्या पहुंची विदेशी मेहमान।

ब्रह्मकुंड गुरुद्वारा में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत का स्वागत करते गुरुद्वारा कमेटी के सदस्य।

ब्रह्मकुंड गुरुद्वारा पहुंचे सरसंघ चालक मोहन भागवत

अयोध्या। गुरुद्वारा ब्रह्मकुंड में आयोजित गुरु तेग बहादुर के बलिदान दिवस समारोह में सोमवार को संघ प्रमुख मोहन भागवत पहुंचे। उन्होंने कहा कि गुरु तेग बहादुर जी ने हमें सिखाया कि सत्य और धर्म की रक्षा के लिए त्याग ही सर्वोच्च मार्ग है। उनका बलिदान हमें यह संदेश देता है कि समाज तभी मजबूत बनेगा, जब हम सब एक-दूसरे के दुख-सुख में सहभागी बनें। हमारी सांस्कृतिक विरासत सबको जोड़ने वाली है, बांटने वाली नहीं। गुरु तेग बहादुर जी का बलिदान मानवता की रक्षा का उदाहरण है। इससे पहले गुरुद्वारा के मुख्य ग्रंथी ज्ञानी गुरुजीत सिंह , महंत बलजीत सिंह व चरनजीत सिंह ने संघ प्रमुख का अभिनंदन किया। महंत वैदेही बल्लभ शरण, महंत राम लखन दास, डॉ. सुनीता शास्त्री, श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्र, वरिष्ठ प्रचारक इंद्रेश, स्वांत रंजन, प्रांत प्रचारक कौशल, महानगर प्रचारक सुदीप सहित अन्य मौजूद रहे।

रामनगरी में अनवरत गूंजने लगी रामधुन

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : श्रीराम जन्मभूमि के शिखर पर भगवा ध्वज फहराने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन के एक दिन पूर्व नगर निगम अयोध्या में रामधुन की गूंज शुरू हो गई। रामधुन के प्रसारण का सुबह 10:30 बजे अमानीगंज स्थित कंट्रोल रूम में महापौर गिरीशपति त्रिपाठी ने नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार के साथ बटन दबाकर किया। उन्होंने जैसे ही माउस से क्लिक किया, सार्वजनिक संबोधन प्रणाली से रामधुन गूंजने लगी। उन्होंने यहां से उदया चौराहा पहुंचकर रामधुन के प्रसारण का आनंद लिया।

पीएएस सिस्टम के उद्घाटन के दौरान महापौर गिरीशपति त्रिपाठी व नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार।

- सार्वजनिक संबोधन प्रणाली पर प्रसारण शुरू, महापौर व नगर आयुक्त ने किया उद्घाटन

महापौर ने कहा कि अयोध्या धार्मिक नगरी है और यहां के आराध्य प्रभु राम हैं। नगर आयुक्त ने कहा कि नगर निगम स्वच्छता, पेयजल के साथ अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओं को सुखद अनुभूति कराने के लिए तत्पर है। उसी कड़ी में यह पहल की गई है। श्रीराम जन्मभूमि के शिखर पर भगवा ध्वज का आरोहण करने के लिए आ रहे प्रधानमंत्री के आगमन से पूर्व धार्मिक वातावरण को और चटख करने के लिए अयोध्याधाम 38 पब्लिक एड्रेस सिस्टम से तीन राम धुन, सुंदरकांड एवं हनुमान चालीसा सहित भजन का प्रसारण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि ध्वजारोहण उत्सव के बाद भी रामधन के प्रसारण का सिलसिला सुबह एवं शाम 5 से 7 बजे तक दो-दो घंटे जारी रहेगा। अपर नगर आयुक्त डॉ. नागेंद्र नाथ एवं भारत भार्गव, जोनल अधिकारी अशोक गुप्त, महाप्रबंधक जलकर सौरभ समेत नगर निगम के अधिकारी व अन्य मौजूद थे।

पीएम के काफिले में शामिल रहेंगी तीन एंबुलेंस

अयोध्या, अमृत विचार : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अयोध्या दौरे को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने व्यापक चिकित्सीय तैयारियां पूरी कर ली हैं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुशील कुमार बानियान ने बताया कि प्रधानमंत्री के काफिले में तीन एडवांस्ड लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस लगातार साथ चलेंगी। इनमें विशेषज्ञ चिकित्सक, कार्डियक मॉनिटर, वेंटिलेटर और सभी जरूरी दवाएं उपलब्ध रहेंगी। इसके अलावा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत के लिए भी तीन वरिष्ठ चिकित्सकों की अलग टीम तैनात रहेगी। प्रधानमंत्री के दौरे को ध्यान में रखते हुए श्रीराम अस्पताल में पहले से आरक्षित 10 बेडों की संख्या बढ़ाकर 40 कर दी गई है। सभी बेड आईसीयू स्तर के होंगे, जिनमें ऑक्सीजन, वेंटिलेटर और कार्डियक सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। अस्पताल परिसर में अतिरिक्त जनरेटर और ऑक्सीजन प्लांट को 24 घंटे अलर्ट मोड पर रखा गया है।

लता मंगेशकर चौक पर सेल्फी लेती छात्रा।

ध्वजारोहण के साथ पलट जाएंगे इतिहास के कई पन्ने

अयोध्या कार्यालय।

अमृत विचार: श्रीराम मंदिर पर ध्वज आरोहण के साथ ही इतिहास के कई पन्ने एक साथ पलट जाएंगे, मंगलवार से अयोध्या का नया इतिहास और नई तारीखें होंगी। यह राम मंदिर और अयोध्या पर केंद्रित होगा। विवाद पर मिट्टी, अब एतबार और संस्कार के बात की उम्मीद की जा रही है।

मंगलवार 25 नवंबर भविष्य में याद रखने वाली तारीख होगी। तारीखें तो इसके पहले की और भी कई हैं, लेकिन यह ऐसी तारीख है जो नए इतिहास का आधार होंगी। आज इसके पीछे के इतिहास के कई पन्ने एक साथ पलट जाएंगे। भले ही श्रीराम मंदिर का निर्माण भौतिक रूप इससे पहले पूरा हो गया थी लेकिन सनातन संस्कृति में धार्मिक और आध्यात्मिक रूप से ध्वजारोहण के साथ ही किसी भी मंदिर की पूर्णता मानी जाती है। ध्वजारोहण का यह कार्यक्रम मंगलवार को है। कई कारणों से मंगलवार को रखा गया। विद्वानों का कहना है कि श्री राम विवाह पंचमी की तिथि है। त्रेता युग में इसी दिन भगवान राम और सीता का विवाह हुआ था। उस दिन भी मंगलवार था। भगवान श्री राम का जन्म त्रेता में नवमी तिथि और मंगलवार को हुआ था। अयोध्या के कोतवाल श्री हनुमानजी का जन्म भी मंगलवार को ही हुआ था। ध्वज का आरोहण अभिजीत मुहूर्त दोपहर पौने 12 से 12:29 बजे के बीच किए जाने के पीछे भी कारण हैं। विजय मुहूर्त के नाम से प्रसिद्ध इस मुहूर्त में किया गया कार्य सफलता के साथ भविष्य के लिए आधार बनता है।

विवाद पर मिट्टी, एतबार और संस्कार की होगी बात

ध्वज का आरोहण 25 नवंबर मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत करेंगे। मंदिर की इस पूर्णता के साथ ही अयोध्या का नया इतिहास शुरू होगा। अयोध्या के नए इतिहास का आधार बनना तो पांच साल पहले नौ नवंबर 2019 को सुप्रीम कोर्ट से श्री राम जन्म स्थान के फैसले के साथ शुरू हो गया था। फैसले के साथ भविष्य की अयोध्या का रेखांकन शुरू हुआ। किसी भी नगर के नवसृजन में भौतिक आधार पहले बनता है। कुछ ऐसा ही अयोध्या के साथ रहा। भौतिक परिवर्तन की शुरूआत के साथ राम मंदिर के लिए पांच अगस्त 2020 को भूमि पूजन, 22 जनवरी 2024 को राम लला का प्राण प्रतिष्ठा समारोह आयोजित हुआ। पांच जून 2025 को मंदिर के पहले तल पर राम दरबार की स्थापना की गई। अब 25 नवंबर को मंदिर पूर्णता को प्राप्त होगा। इन पांच छह वर्षों में अयोध्या में बहुत कुछ बदल गया। नई अयोध्या के बाद भविष्य की अयोध्या के लिए ये तारीखें याद की जाएंगी।

अयोध्या सहित यहां पहुंचने वाले आम लोग और श्रद्धालु मानते हैं कि अब पुराने विवादों पर मिट्टी पड़ गई। अयोध्या से अतीत में निःसृत होने वाली आध्यात्मिक और संस्कारों की धारा वेगवान होगा। लोगों के बीच एतबार बढ़ेगा। अयोध्या के वैभव गुप्ता कहते हैं कि अब पुराने दिन बीत गए। आंदोलन नहीं अब अयोध्या की संस्कृति प्रभावी होगी। राधेश्याम सिंह कहते हैं अयोध्या के नए इतिहास की आज से शुरूआत हो गई।

सबका साथ सबका विकास

देश, प्रदेश व जिले वासियों को

राममंदिर के ध्वजारोहण समारोह

की हार्दिक शुभकामनाएं

''प्रभु श्रीराम की नगरी में माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी समेत समस्त आमंत्रित अतिथियों का हार्दिक अभिनंदन और स्वागत''

श्री राम जन्मभूमि मंदिर परिसर 25 नवम्बर को मुख्य मंदिर के सर्वोच्च शिखर पर मा0 प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा होने वाला धर्म ध्वजारोहण सनातन समाज को आह्लादित कर देने वाला है। यह आयोजन पांच सदी का संकल्प पूरा होने का भव्य प्रतीक होने के साथ-साथ एक और स्वर्णिम अध्याय लिखने को तैयार है। साथ ही मा0 श्री मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी का अयोध्या को आध्यात्मिक राजधानी बनाने का संकल्प भी पूर्ण हो रहा है। आइए हम सब मिलकर संकल्प लें कि अयोध्या को दुनिया की सर्वश्रेष्ठ नगरी बनाएंगे।

रामचन्द्र यादव

विधायक रुदौली, अयोध्या

राजा बृजेन्द्र प्रताप शाही जी
दियरा स्टेट

अयोध्या की पवित्र पावन धरा पर
भव्य-दिव्य-अलौकिक श्री राम मंदिर में आयोजित
ध्वजारोहण समारोह की
हार्दिक शुभकामनाएं व बधाई

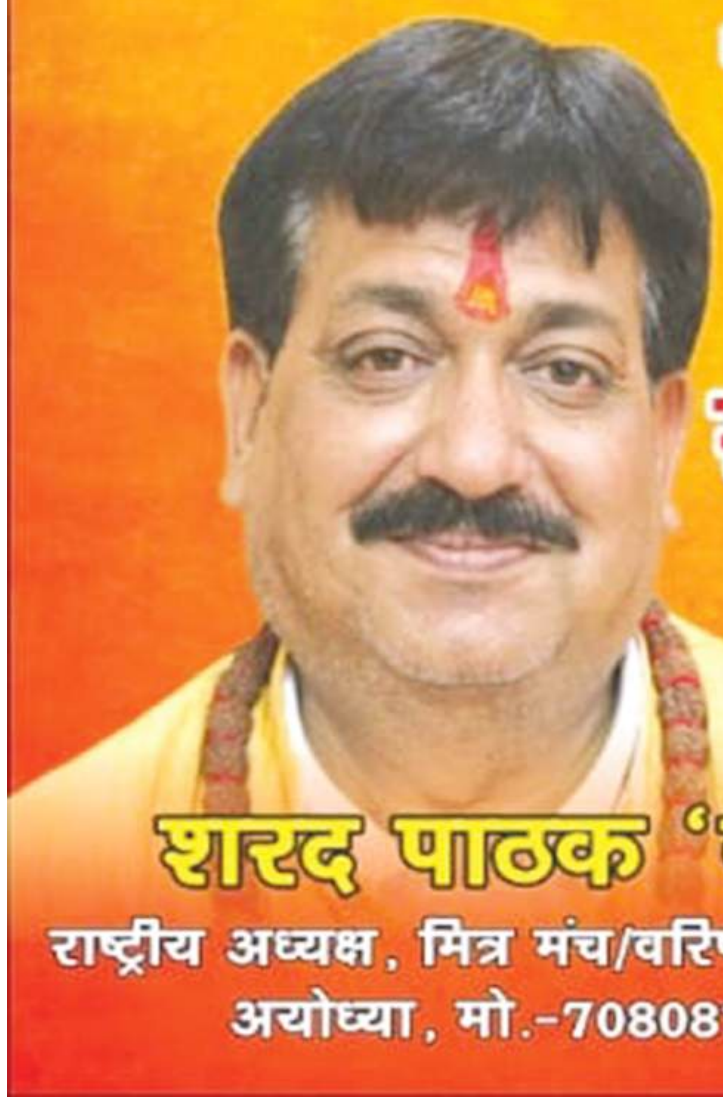

यश पाठक
प्रत्याशी
सदस्य जिला पंचायत
मिल्कीपुर, अयोध्या

शरद पाठक 'बाबा'
राष्ट्रीय अध्यक्ष, मित्र मंच/वरिष्ठ भाजपा नेता
अयोध्या, मो.-7080816033

यश पाठक
युवा भाजपा नेता, मो.-7080816077
प्रत्याशी-सदस्य जिला पंचायत

सबका साथ सबका विकास

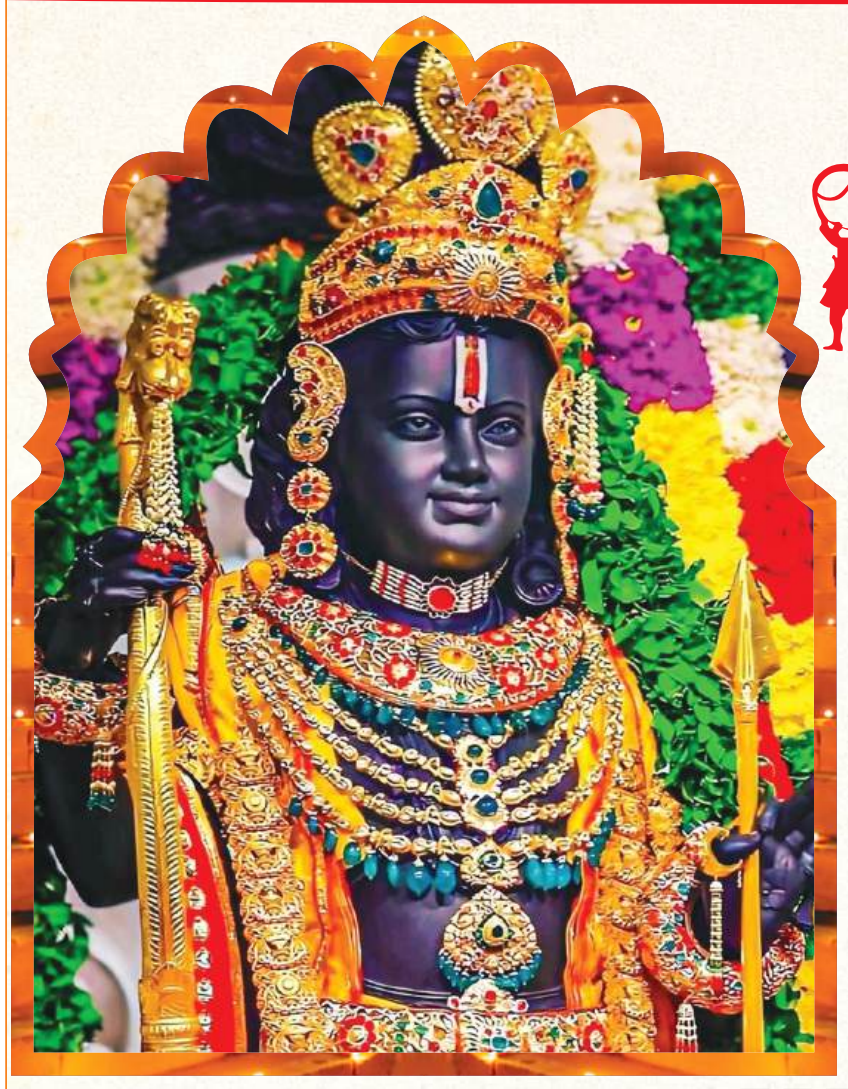

देश, प्रदेश व जिले वासियों को

राममंदिर के ध्वजारोहण समारोह

की हार्दिक शुभकामनाएं

"प्रभु श्रीराम की नगरी में मा० प्रधानमंत्री, मा० मुख्यमंत्री समेत समस्त आमंत्रित अतिथियों का नगर निगम अयोध्या हार्दिक अभिनंदन और स्वागत करता है"

श्री राम जन्मभूमि मंदिर परिसर 25 नवम्बर को मुख्य मंदिर के सर्वोच्च शिखर पर मा0 प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा होने वाला धर्म ध्वजारोहण सनातन समाज को आह्लादित कर देने वाला है। यह आयोजन पांच सदी का संकल्प पूरा होने का भव्य प्रतीक होने के साथ-साथ एक और स्वर्णिम अध्याय लिखने को तैयार है। साथ ही मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का अयोध्या को आध्यात्मिक राजधानी बनाने का संकल्प भी पूर्ण हो रहा है। आइए हम सब मिलकर संकल्प लें कि अयोध्या को दुनिया की सबसे साफ और सुंदर नगरी बनाएंगे।

म. गिरीश पति त्रिपाठी

महापौर नगर निगम अयोध्या

सबका साथ

।। भारत माता की जय ।।

सबका विकास

।। दिव्य अयोध्या, भव्य अयोध्या
अलौकिक अयोध्या, अद्वितीय अयोध्या।।

सनातन संस्कृति की दिव्य रश्मियों को विश्व पटल
पर आलोकित करने वाले धर्म ध्वज के
आरोहण हेतु रामजन्मभूमि में आयोजित भव्य

ध्वजारोहण समारोह

में पधार रहे

विश्व के सबसे बड़े नेता
भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री, राष्ट्रनायक

मा. नरेन्द्र मोदी जी

का

हार्दिक अभिनंदन

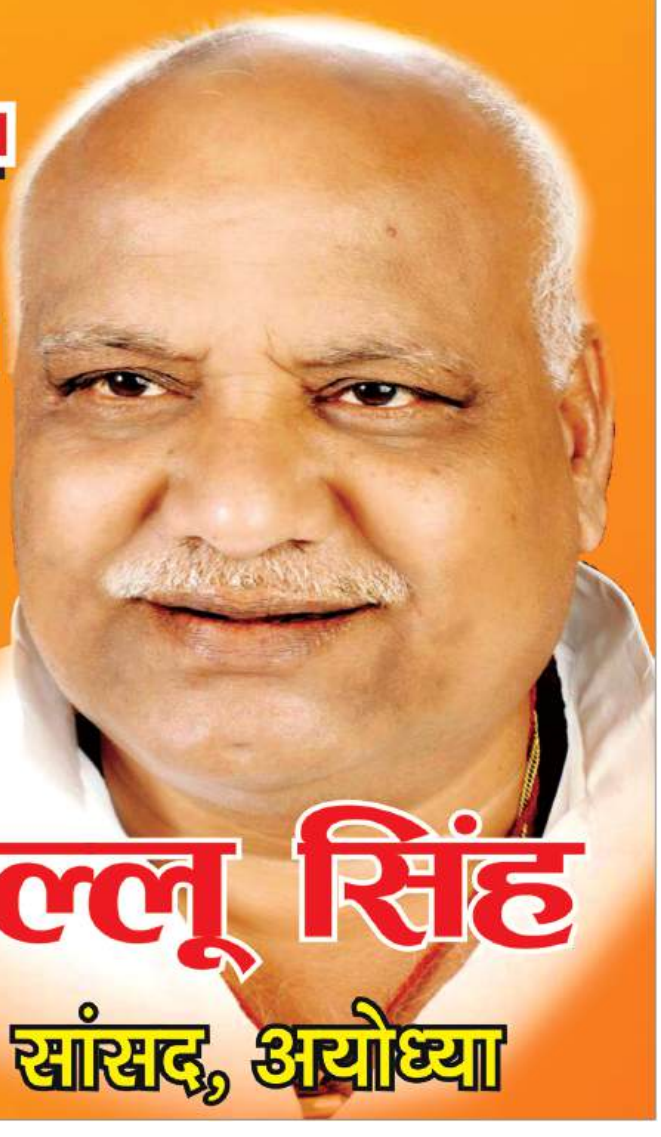

लल्लू सिंह
नि. सांसद, अयोध्या

अमृत विचार

मंगलवार, 25 नवंबर 2025

एक राजा को अपनी प्रजा के प्रति पिता के समान होना चाहिए।
-श्री रामचंद्र जी

अत्यावश्यक अपील

जी–20 शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा कृत्रिम बुद्धिमत्ता के दुरुपयोगों को रोकने के लिए एक वैश्विक समझौते की अपील वर्तमान भू–राजनीतिक और तकनीकी परिस्थितियों में अत्यंत महत्वपूर्ण और समयोचित है। एआई आधारित प्रणालियों को दुनिया जिस तेजी से अपना रही है, उसी गति से दुरुपयोग की आशंकाएं भी बढ़ी हैं। चाहे वह चुनावी हस्तक्षेप हो, साइबर हमले, डीपफेक प्रोपगेंडा या आर्थिक अपराध। ऐसे में इस मुद्दे को जी–20 के उच्चतम राजनीतिक मंच पर उठाना साबित करता है कि भारत तकनीकी नैतिकता और मानव सुरक्षा को लेकर वैश्विक नेतृत्व की भूमिका में आना चाहता है।

जी–20 के देश, अमेरिका से लेकर यूरोप, भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया तक सभी डीपफेक, डेटा चोरी, साइबर फ्रॉड और डिजिटल चुनावी हेरफेर जैसी तमाम चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। भारत खुद सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक क्षेत्र में डीपफेक के जोखिमों को झेल रहा है। मतलब यह समस्या सार्वभौमिक है और इसे राष्ट्रीय सीमाओं के भीतर रहकर हल नहीं किया जा सकता। साइबर युद्ध में एआई हथियार बन रहा है। आतंकवादी संगठन एआई मॉडल्स का उपयोग भर्ती, फेक आइडेंटिटी, हैकिंग और ड्रोन ऑपरेशन के लिए करने लगे हैं। यदि संयुक्त नियम नहीं बनाए गए, तो तकनीकी अराजकता वैश्विक स्थिरता के लिए खतरा बन सकती है, इसीलिए प्रधानमंत्री मोदी द्वारा डेटा सुरक्षा, एआई डेवलपमेंट, एथिक्स और डीपफेक नियंत्रण जैसे मानकों पर वैश्विक संधि का प्रस्ताव एक निर्णायक कदम हो सकता है, क्योंकि यह तकनीकी समाधान के साथ-साथ राजनीतिक इच्छाशक्ति का भी प्रश्न है। जी–20 देश मिलकर ग्लोबल एआई रिस्क रजिस्टर, क्रॉस–बॉर्डर साइबर अटैक प्रोटोकॉल और डीपफेक ट्रैकिंग नेटवर्क जैसे कई मॉडल विकसित कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी का यह कहना कि महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियां वित्त-केंद्रित की जगह मानव–केंद्रित होनी चाहिए, बहुत दूरगामी सोच है। यह मुनाफे को प्राथमिकता देने वाली पूंजी संचालित टेक–इकोसिस्टम कंपनियों की उन खामियों की ओर इशारा है, जिसका दुष्प्रभाव समाज, गोपनीयता तथा नैतिकता पर पड़ता है। मानव–केंद्रित तकनीक का मतलब है, समावेशी डिज़ाइन, डिजिटल सुरक्षा, पर्यावरणीय संतुलन और सामाजिक हित को सर्वोपरि रखना। बदल चुके भू-राजनीतिक परिदृश्य में प्रधानमंत्री का संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बदलाव की अनिवार्यता पर जोर उचित है। भारत जैसे देशों की आर्थिक, जनसांख्यिकीय और रणनीतिक भूमिका आज पहले से कहीं अधिक शक्तिशाली है, लेकिन वैश्विक छवि मजबूत होने के बावजूद भारत की सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता आसान नहीं, क्योंकि यह मौजूदा शक्तियों, विशेषकर चीन की राजनीति और वीटो संरचना से जुड़ा सवाल बन जाता है। प्रधानमंत्री ने इब्सा यानी भारत–ब्राज़ील–दक्षिण अफ्रीका की भूमिका भी रेखांकित की, ये मिलकर ग्लोबल साउथ की आवाज़ को मजबूत कर सकते हैं और संयुक्त राष्ट्र सुधार पर सामूहिक दबाव बढ़ा सकते हैं। तीनों देशों की लोकतांत्रिक साख और उभरती अर्थव्यवस्थाएं इस दिशा में नैतिक और राजनीतिक जोर प्रदान कर सकती हैं।

प्रसंगवश

तेग बहादुर सी क्रिया करी न किनहूं आन

संसार भर के इतिहास में ऐसी कोई मिसाल नहीं मिलती कि किसी महापुरुष ने दूसरे धर्म के लिए अपनी कुर्बानी दी हो। सिखों के नौवें गुरु साहिब श्री गुरु तेग बहादुर जी का प्रकाश (जन्म) माता नानकी जी की कोख से सिखों के छठे गुरु मीरी पीरी के मालिक गुरु हरि गोबिन्द साहिब जी के घर पहली अप्रैल 1621 को अमृतसर साहिब में हुआ। बचपन उनका राजकुमार जैसा ही व्यतीत हुआ। शस्त्र विद्या उन्होंने बचपन में ही सीख ली थी, बहुत उदार होने के बावजूद शस्त्र विद्या विशेष कर तलवार चलाने में उनको महारत हासिल थी। तलवार के धनी होने के कारण पिता गुरु हरिगोबिंद जी ने इनका नाम तेग बहादुर रखा।

जब हिंदू संस्कृति मुगलों के हमलों की मार सहारने में असमर्थ महसूस करने लगी, तत्कालीन बादशाह औरंगजेब की जिद थी कि वह भारत में केवल इस्लाम धर्म ही रहने देगा। कश्मीरी पंडितों पर बढ़ते दबाव के कारण पंडित कृपा राम की अगुआई में औरंगजेब द्वारा मिली कुछ समय की मोहलत लेकर उसके अत्याचार से दुखी होकर अपने साथियों के जत्थे के साथ सभी आनंदपुर साहिब श्री गुरु तेग बहादुर साहिब की शरण में पहुंच गए। उन्होंने हिंदू धर्म की रक्षा करने की उनसे फरियाद की।

मालिक सिंह कालड़ा
अध्यक्ष, गुरुद्वारा मॉडल टाउन, बरेली

बातचीत के दौरान ही गुरु तेग बहादुर साहिब के नौ वर्षीय पुत्र गोबिंद राय जी भी आ गए। माहौल गमगीन देखकर उन्होंने गुरु पिता से इसका कारण पूछा। गुरु तेग बहादुर जी ने कहा कि सनातन धर्म बहुत खतरे में है। बादशाह औरंगजेब सबको इस्लाम अपनाने के लिए मजबूर कर रहा है। गोबिंद राय जी ने जब गुरु पिता से इसका समस्या का हल पूछा तो गुरु जी ने बताया कि इसका हल भी एक ही है कि कोई महान पुरुष अपना बलिदान दे, तभी सनातन धर्म बच सकता है। इस पर गोबिन्दराय ने कहा, फिर देरी किस बात की। आप से अधिक महान शख्सियत और कौन हो सकता है। आप अपना बलिदान देकर इनके धर्म की रक्षा करें।

यह सुनकर गुरु-पिता बहुत प्रसन्न हुए और पंडित जी से कहा कि जाओ औरंगजेब से कह दो कि अगर गुरु तेग बहादुर ने इस्लाम कबूल कर लिया तो हम सब भी इस्लाम कबूल कर लेंगे। अपने नौ वर्षीय पुत्र गोबिंदराय को औपचारिक रूप से गुरता गद्दी प्रदान कर गुरु तेग बगदुर जी पांच सिखों भाई मतीदास जी भाई, सती दास जी, भाई दयाला जी, भाई गुरदित्ता जी एवं भाई ऊदा जी के साथ दिल्ली की ओर कूच कर गए।

औरंगजेब को जब इस बात का पता चला, उसने तुरंत गुरु तेग बहादुर जी की गिरफ्तारी का वारंट जारी कर दिया। गुरु तेग बहादुर जी भी इधर आगरा होते हुए औरंगजेब के दरबार दिल्ली पहुंच गए। बादशाह ने बहुत नरमी से उन्हें चंदन की चौकी पर बिठाया। अपने कर्मचारियों द्वारा किए गए नावाजिब सलूक के लिए उसने माफी भी मांगी और कहा कि आप बाबा नानक के गद्दी-नशीं हो। आप इस्लाम धर्म कबूल कर लो, ताकि आप हिंदुओं के साथ मुसलमानों के भी पीर बन जाओगे। इस पर गुरु जी ने कहा कि उस परमात्मा/खुदा के बनाए तौर-तरीकों को बदलने का प्रयास करना तुम्हारा गलत है। यदि उस खुदा की भी यही चाहत होती तो वह अलग-अलग धर्म बनाता ही क्यों? उसकी रजा में दखल का तुम्हें कोई अधिकार नहीं है। हर एक को अपना ही धर्म प्यारा है। बादशाह प्रजा का पिता होता है। उसकी जिम्मेदारी है। सबको एक सा समझे। हर धर्म के लोगों को उनके हिसाब से ही उनकी आराधना करने दी जाए। आपके मत के प्रचार-प्रसार से यदि कोई इस्लाम कबूल करे तो कोई एतराज नहीं, लेकिन जबरिया धर्म परिवर्तन करना महापाप है।

दुनिया के अन्य मंदिरों से भिन्न है राम मंदिर

राजेंद्र कुमार पांडेय
अयोध्या

श्री राम मंदिर कई मायनों में दुनिया के अन्य मंदिरों से भिन्न है। मंदिर विश्वव्यापी श्री राम की जन्म भूमि पर बनना, समाज को एक सूत्र में बांधने वाला मंदिर होना, इसे विश्व के दूसरे मंदिरों से अलग करता है। दुनिया का शायद यह ऐसा पहला मंदिर है, जहां समाज में तुच्छ समझी जाने वाली गिलहरी अपनी कथा कह रही है। सामाजिक एकता के सूत्रधार समाज को प्रेरणा देने वाले और ईश्वरत्व को प्राप्त राम के मंदिर परिसर में उनके लीला सहचरों के विग्रह भी इसे अन्य मंदिरों से अलग करता है।

क्षेत्रफल और बनावट की दृष्टि से दुनिया में अन्य बहुत से हिंदू मंदिर हैं। क्षेत्रफल की दृष्टि कंबोडिया का अंकोरवाट मंदिर दुनिया का सबसे बड़ा 402 एकड़ में फैला मंदिर है। अमेरिका के न्यू जर्सी में स्थापित बीएपीएस स्वामी नारायण अक्षरधाम मंदिर 183 एकड़ में फैला है। तमिलनाडु के चिरुचिरापल्ली में 156 एकड़ में फैला श्री रंगनाथ स्वामी मंदिर का फैलाव 156 एकड़ में है। इसी राज्य के वेल्लोर में श्री लक्ष्मी नारायण देवी मंदिर श्री पुरम् का मंदिर 40 एकड़ में फैला है। इंडोनेशिया का परब्रह्मनन मंदिर, भारत का प्रेम मंदिर वृंदावन जैसे तमाम ऐसे मंदिर हैं, जो श्रद्धा के केंद्र होने के साथ ही बड़े क्षेत्रफल में फैले हैं।

कंबोडिया के अंकोरवाट मंदिर भगवान महाविष्णु को समर्पित है। इसी तरह तमिलनाडु का श्री रंगनाथ स्वामी मंदिर में भी महाविष्णु ही हैं। वेल्लोर के थिरूमलाईकोडी स्थित श्री लक्ष्मी नारायणी देवी मंदिर में लक्ष्मी नारायण विराजते हैं। इंडोनेशिया के ब्रंबनन मंदिर में ब्रह्मा, विष्णु और महेश के विग्रह हैं। दिल्ली के छत्तरपुर में 70 एकड़ में फैले मंदिर में भगवती कात्यायनी का विग्रह है। इसी तरह न्यू जर्सी और दिल्ली के मंदिर में भगवान स्वामी नारायण की मूर्तियां हैं।

खास बात है यह कि इन बड़े मंदिरों में ज्यादातर वैष्णव संप्रदाय के भगवान महाविष्णु के मंदिर हैं। महाविष्णु के ही अवतार श्री राम हैं। श्री राम का जन्म अयोध्या में हुआ। दुनिया में भगवान महाविष्णु की तरह श्री राम भी व्याप्त हैं। इंडोनेशिया, मलेशिया, मारीशस जैसे दुनिया के विभिन्न देशों में श्री राम आस्था और विश्वास के प्रतीक हैं। इंडोनेशिया में राजा उनके नाम की उपाधि धारण करते हैं। नगरों के नाम श्री राम और रामायण के पात्रों पर हैं। हिंदुओं में अयोध्या को पवित्र स्थल माना जाता है। यह सृष्टि के उदभव काल से ही माना जा रहा है।

अयोध्या में श्री राम के पांच हजार से भी ज्यादा मंदिर हैं। पवित्र अयोध्या में हर घर में श्री राम का मंदिर है, लेकिन उनके जन्म स्थान पर अब तक विवाद के चलते वैसा मंदिर नहीं था, जिसकी गणना दुनिया के इन मंदिरों के साथ की जा सके। मंदिर की दृष्टि से पूरी दुनिया को संस्कृति और संस्कार की रोशनी देने वाले श्रीराम की जन्मभूमि पर अंधेरा रहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से ध्वज आरोहण के साथ राम मंदिर अपनी पूर्णता को प्राप्त कर रहा है।

राम मंदिर का क्षेत्रफल 70 एकड़ है। 2.7 एकड़ के गर्भगृह में राम लला के मंदिर का निर्माण है। राम लला का विग्रह यहीं स्थापित है। राम मंदिर के लिए दुनिया के लोगों का आकर्षण सबसे ज्यादा अनुभव किया जा रहा है। आने वाले श्रद्धालुओं के आंकड़े भी इस बात की गवाही देते हैं। अयोध्या में उनके जन्म स्थान पर बने श्री राम मंदिर की बड़ी खासियत है कि यह श्री राम की तरह समाज का प्रतिनिधित्व करता है। यह शायद अकेला मंदिर है, जहां देवी-देवताओं के साथ मानव, ऋषि-मुनियों से लेकर पशु-पक्षियों तक को स्थान मिला।

यह वही ऋषि-मुनि हैं, जिन्होंने समाज को धर्म और अध्यात्म विज्ञान का ज्ञान दिया। समाज को संस्कृति और संस्कार दिया। स्वयं श्री राम को इन्हीं ऋषि-मुनियों ने अयोध्या के राम लला से वैश्विक श्री राम बनाया। भले ही वह महाविष्णु के अवतार थे, लेकिन मानव रूप में मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम बनाने का श्रेय भी इन्हीं ऋषियों को है, जिनके विग्रह अब अयोध्या के श्री राम मंदिर में प्रतिष्ठित किए गए हैं। यह केवल श्री राम की लीला सहचर ही नहीं थे। समाज का प्रतिनिधित्व करते हैं। उनके मंदिर तो अलग-अलग स्थानों पर मिल सकते हैं, लेकिन श्री राम के साथ उनके मंदिर शायद कहीं और उन्हें नहीं मिला। यह दुनिया का पहला मंदिर है, जहां सप्तर्षियों में शामिल महर्षि वाल्मीकि, वशिष्ठ, विश्वामित्र, अगस्त्य की मूर्तियां प्रतिष्ठित हैं। ऋषियों के साथ श्री राम का विराजना विशिष्ट है।

राम मंदिर में राम लला, श्री राम दरबार में सीता, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न के विग्रह हैं। इनके साथ ही हनुमान जी और माता अन्नपूर्णा की मूर्तियां स्थापित हैं। लक्ष्मण का शेषावतार मंदिर, कुबेर टीला पर भगवान भोले का मंदिर है। मंदिर की एक विशिष्टता यह भी है कि श्री राम के जन्म स्थान पर अन्य हिंदू देवी देवताओं के साथ पंचायतन गणपति, सूर्य, शिव, जगदंबा, राम के मंदिर भी हैं।

अयोध्या का श्री राम मंदिर अतीत से भविष्य के समाज को जोड़ने की दृष्टि से भी खास है। इस दौर में जब विभिन्न तरह से समाज को तोड़ने के प्रयास किए जा रहे हों, यहां श्री राम मंदिर में समाज का प्रतिनिधित्व करने वाली अहिल्या, माता शबरी, निषादराज गुह की मूर्तियां समाज को जोड़ने में सहायक होंगी।

राम लला और देवी-देवताओं के साथ अधम की श्रेणी में माने जाने वाले जटायु और समाज में तुच्छ समझी जाने वाली गिलहरी की मूर्ति की स्थापना से जीवों के प्रति प्रेम की भावना समाज में जागेगी। श्री राम मंदिर, श्री राम के विराट व्यक्तित्व के साथ समाज का प्रतिनिधित्व करेगा। यहां पहुंचे नासिक के संत स्वामी नारायणदास कहते हैं, "राम लला के मंदिर का आकर्षण राम लला तो हैं ही, लेकिन यहां ऋषि, मुनि के साथ पशु पक्षियों से मानवता के प्रति प्रेम का संदेश मिलता है। यह श्री राम की वैश्विक छवि के अनुरूप है।"

राम मंदिर की बड़ी खासियत यह है कि यह श्रीराम की तरह समाज का प्रतिनिधित्व करता है। यह शायद अकेला मंदिर है, जहां देवी-देवताओं के साथ मानव, ऋषि मुनियों से पशु-पक्षियों तक को परिसर में स्थान मिला है।

आमने

बिहार में 65 लाख लोगों का नाम काट दिया गया। उनसे पहचान छीन ली गई। मैं आप सबसे कहना चाहता हूं, अगर कोई आपका नाम काटने लिए आए तो उसे बंद करो और मुझे फोन कर दो। मेरे आने के बाद ही ताला खोलना।

-इरफान अंसारी
झारखंड के मंत्री

सामने

मंत्री सरकारी अधिकारियों को बंधक बनाने की बात कर रहे हैं। यह अराजकता को बढ़ावा देना है। मंत्री ने संविधान और कानून को बनाए रखने की शपथ ली है और जब वह इस तरह संवैधानिक नियमों के खिलाफ बोलते हैं, तो उन्हें निकाल देना चाहिए।

-प्रतुलनाथ शाहदेव
भाजपा प्रवक्ता

संघ के संकल्प से सिद्ध हुआ राम मंदिर निर्माण

सर्वेश कुमार सिंह
वरिष्ठ पत्रकार

अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का ये लक्ष्य क्या इतनी ही आसानी से प्राप्त हो गया। इस दिन को देखने और स्वप्न को साकार करने के लिए विधिवत योजना बनी और यह योजना बनाई राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने। इसके लिए संघ के तत्कालीन सरसंघचालक मधुकर दत्तात्रेय देवरस (बाला साहब देवरस) ने सभी परिस्थितियों, संघ की सामर्थ्य, समाज की आकांक्षा और मनोदशा का गहन अध्ययन, विश्लेषण कर उन कार्यकर्ताओं को श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन को आगे बढ़ाने और लक्ष्य तक पहुंचने की अनुमति दी, जो इस आंदोलन को स्थानीय स्तर पर पश्चिमी उत्तर प्रदेश में खासकर मुरादाबाद, मेरठ और कुमायूं मंडलों में चला रहे थे।

संघ के सरसंघचालक से आंदोलन की सफलता और संघ का मार्गदर्शन मांगने वालों में मुरादाबाद निवासी दो सूत्रधार थे, एक मुरादाबाद के पूर्व विभाग प्रचारक और तत्कालीन हिंदू जागरण मंच के पश्चिमी उत्तर प्रदेश के संयोजक दिनेश चंद्र त्यागी (शिक्षा एम एससी फिजिक्स), दूसरे कांग्रेस के प्रखर नेता पूर्व मंत्री, तीन बार कांग्रेस से विधायक रहे मुरादाबाद निवासी दाऊ दयाल खन्ना। बाला साहब से आंदोलन की योजना और विस्तार के लिए यह चर्चा बदायूं में 26 दिसंबर 1983 को लगे संघ के शीत शिविर में हुई। यहां बाला साहब देवरस दो दिन के प्रवास पर शिविर में आए थे।

इस वार्ता में संघ के सरसंघचालक ने कहा कि आंदोलन को संघ को चलाना चाहिए अथवा नहीं इस पर गंभीरता से विचार आवश्यक है। यदि आंदोलन को चलाना है तो यह मानकर आगे बढ़ाया जाए कि इसे हर हाल में सफल करना है, चाहे फिर कितना भी संघर्ष और त्याग क्यों ने करना पड़े। साथ ही उन्होंने यह भी कह दिया कि लक्ष्य प्राप्ति में कम से कम 30 से 40 वर्ष लगेंगे, इसलिए संघ को विचार करना पड़ेगा। उन्होंने अपने सहयोगियों से भी विचार विमर्श किया। उनका मानना था कि यदि संघ इसे अपने हाथ में ले तो सफलता तक संघर्ष जारी रखना पड़ेगा। इसके बाद बाला साहब ने दाऊ दयाल खन्ना और दिनेश चंद्र त्यागी से कहा कि आंदोलन चलाइए संघ सहयोग करेगा।

आगे चलकर आंदोलन की प्रखरता और लोकप्रियता को देखते हुए इसे संघ ने अपने समविचार परिवार के संगठन विश्व हिंदू परिषद् को आंदोलन चलाने के लिए कहा। दिल्ली के विज्ञान भवन में सात और आठ अप्रैल 1984 को हुई धर्म संसद में विश्व हिंदू परिषद् ने आंदोलन अपने हाथ में ले लिया। यही विहिप की देखरेख में श्रीराम जन्मभूमि मुक्ति यज्ञ समिति का गठन किया गया। इसके अध्यक्ष गोरक्षपीठाधीश्वर महंत अवैद्यनाथ और महामंत्री दाऊ दयाल खन्ना को बनाया गया। आगे का आंदोलन इस समिति के नेतृत्व में आरंभ हुआ।

राम मंदिर के संकल्प को साकार करने के लिए संघ ने व्यापक योजना बनाई। आंदोलन के लिए लगभग एक दर्जन से अधिक प्रचारकों को विश्व हिंदू परिषद् में भेजा गया। इन प्रचारकों ने अपने जीवन को इस लक्ष्य के लिए समर्पित कर दिया। बंगलौर में 1981 में हुई संघ की बैठक में दिल्ली प्रांत प्रचारक अशोक सिंघल को दायित्व से मुक्त कर विश्व हिंदू परिषद् में नया दायित्व दिया गया। आंदोलन की पूरी सांगठनिक संचरचना के मूल केंद्र रहे चंपतराय को भी 1986 में पश्चिम उत्तर प्रदेश में मेरठ विभाग प्रचारक से विश्व हिंदू परिषद में भेज दिया।

वर्ष 1984 में संघ ने आंदोलन की कमान विश्व हिंदू परिषद को सौंपने का महत्वपूर्ण और दूरगामी लक्ष्य प्राप्ति के संकल्प के लिए निर्णय लिया। यह निर्णय आसान नहीं था, क्योंकि संघ ने अपने एक महत्वपूर्ण संगठन को एक ऐसे आंदोलन के लिए दांव पर लगा दिया था, जिसकी सफलता की राह बहुत कठिन थी। संघर्ष बहुत लंबा था। सुयोग्य, साहसी, समर्पित प्रचारकों की एक बड़ी टीम की आवश्यकता थी, लेकिन संघ ने हिंदू समाज के स्वाभिमान की रक्षा के लिए ये निर्णय किया।

प्रचारक गिरिराज किशोर, ओंकार भावे, सूर्यकृष्ण, श्यामजी गुप्त, राजेंद्र सिंह पंकज, उमाशंकर, पुरुषोत्तम नारायण सिंह, तुलसीराम नाना भागवत, सदानंद काकडे, गुरुजन सिंह, सूबेदार सिंह सरीखे प्रखर प्रचारकों की एक बड़ी टीम संघ से विहिप में भेजी गई। बाद में भी कई प्रमुख प्रचारक संघ से आंदोलन में प्रमुख भूमिका निभाने के लिए विश्व हिंदू परिषद् में भेजे गए। इनमें दिल्ली के क्षेत्र प्रचारक बड़े दिनेश कुमार जी का नाम प्रमुख है।

संघ में ही रहकर वरिष्ठ प्रचारक मोरोपंत पिंगले ने आंदोलन की योजना और रचना की। वे विहिप के मार्गदर्शक बनाए गए। मोरोपंत जी की ही योजना से विहिप ने एकात्मकता यात्राएं निकाल कर जन जागरण किया। राम ज्योति और शिला पूजन जैसे आयोजन हुए। इन कार्यक्रमों ने हिंदू समाज की सुप्तावस्था में रही शाश्वत चेतना और स्वाभिमान को जगा दिया। फलस्वरूप जागरूक समाज ने वर्ष 1990 और 1992 में अपने इष्ट के मंदिर निर्माण के लिए कूच कर दिया। दो बार कारसेवा संपन्न हुई। आंदोलन में दो अलग-अलग मोर्चों पर संघर्ष की रणनीति विहिप ने बनाई। एक थी प्रत्यक्ष आंदोलन, यानी सभा, सम्मेलन, प्रदर्शन, गोष्ठी, धार्मिक आयोजन, धर्म संसद, संत सम्मेलन आदि। दूसरी न्यायालय में विचाराधीन वादों की सुव्यवस्थित ढंग से पैरवी करना।

मंदिर निर्माण का ये लक्ष्य क्या इतनी ही आसानी से प्राप्त हो गया? इस दिन को देखने और स्वप्न को साकार करने के लिए विधिवत योजना बनी और यह योजना बनाई राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने।

सोशल फोरम

तुम्हें क्या? कोई तुम्हारे लिए बेहाल हो जाए!

इमरोज़ ने अमृता को ख़त लिखा- किसी चीज़ में मन नहीं लगता, घर ख़ाली लगता है। कोई क्यों इतना पागल हो जाता है किसी के लिए? क्यों? पर तुम्हें क्या? ओ, चुप हो जाने वाली! ओ, ख़त न लिखने वाली! ओ, मेरी सेबों वाली! तुम्हें क्या? कोई तुम्हारे लिए हाल से बेहाल हो जाए! अच्छा, तुम एक बार आओ तो सही। मैं अपनी बदनसीबी से दो-दो हाथ कर लूंगा।

सुजाता चोखेरबाली
ब्लॉगर

एक ख़त में लिखते हैं- ऐ मेरी दौलत आओ जितनी ख़र्ची जाए, उतनी जीने के लिए ख़र्च लें। आओ, एक-दूसरे का नोट भुना लें।

दोनों पागल थे एक दूसरे के प्यार में। कभी किसी नाम से संबोधित करते, कभी किसी तरह से। इमरोज़ ने समूची अमृता को प्यार किया। स्टेशन पर इंतज़ार किया तो अमृता की नज़्में, साड़ियां, कुर्ते, चूड़ियां सबके साथ उसके लिए इंतज़ार किया। उसकी बेटी को अपनी बेटी की तरह पालते हुए इंतज़ार किया। उसकी रचनाओं के लिए इंतज़ार किया। अमृता ने भी इमरोज़ के दराज में पड़े रंगों को सहलाया, पोंछा और यह चाहत की कि वह पेंटिंग करता रहे, जिनमें वह अर्थ तलाशती रहे। अमृता ने इमरोज़ को टूटकर प्यार किया।

उसने लिखा- जी करता है तुम अभी कहीं से उजागर हो जाओ। चाहे धरती से उगो चाहे अंबर से गिरो। कभी लिखा- तुम्हारी कला को सौ-सौ नमस्कार! तुम्हारे हाथों के आगे मस्तक झुकाती हूं। कलाकार के हाथ उसकी कोख होते हैं।

दोनों के ख़तों में मिलता है बेइंतहा प्यार, बेक़रारी, साथ न हो पाने की मजबूरी और ख़लिश, साथ होने की बेसब्री, नाराज़गी और मनाना। मैं पढ़ रही थी और सब बहुत अच्छा चल रहा था कि अचानक इमरोज़ लिखते हैं एक ख़त में- कल रात सपने में देखा तुम गोभी के पराठे बना रही थीं, मैं और सैली दाएं-बाएं बैठे खा रहे थे। आज दिन भर भूख नहीं लगी। कल रात ज़्यादा खा लिया था न!

मेरा फेमिनिस्ट मन अभी चिढ़ने ही वाला था कि कि हंस पड़ा, मुझे बाक़ी ख़त याद आ गए। अमृता अक्सर विदेशी यात्राओं पर रहती थीं। उन्हें ख़ूब न्यौते आते थे। इमरोज़ लिखते हैं- ये तीन महीने अमृता के अमृता के साथ हैं, तीन महीने के लिए घर की ज़िम्मेदारियां हमारे ऊपर छोड़ दो। भोपी (अमृता की बेटी) के इस अंकल में मम्मी भी शामिल जो गई हैं। मैं तुम्हारी तरह दिन भर काम करता हूं और दिन भर घर पर रहता हूं। घर के लिए और अपनी दोनों बेटियों के लिए। मेरा हर ख़त तुम्हारे नाम एक टोस्ट होगा।

सामयिकी

ग्रामीण इलाकों की पहली जरूरत हैं अस्पताल

गांव की चौपाल पर बैठे बुजुर्ग अक्सर कहा करते हैं कि लहलहाती फसल जितनी जरूरी है, उतना ही जरूरी स्वास्थ्य और उसको बनाए रखने के लिए अस्पताल भी हैं। खेती से अनाज मिलता है, लेकिन अस्पताल से जीवन सुरक्षित होता है। जब बच्चे बीमार पड़ते हैं, गर्भवती महिलाओं को देखभाल की जरूरत होती है या बुजुर्ग अचानक बीमार हो जाते हैं, तब घर-परिवार की सारी चिंता सिर्फ एक सवाल पर टिक जाती है कि कैसे जल्दी अस्पताल पहुंच कर मरीज़ को समय पर इलाज मिल जाए। यही चिंता आज भी देश के लाखों गांवों की है।

अक्सर गांवों से अस्पताल काफी दूर होत हैं। वहां तक जाने के लिए सुगम रास्ते न होना सबसे बड़ी समस्या है। गांव के कच्चे रास्तों, धूल-भरी हवाओं और तेज़ गर्मी में यह यात्रा कठिन हो जाती है। वहीं मानसून में ये कच्चे रास्ते कीचड़ से भर जाते हैं, जिससे होकर गुज़रना किसी भी गाड़ी के लिए मुश्किल हो जाता है। गर्भवती महिलाओं के लिए यह दूरी सबसे बड़ा संकट बन जाती है। कई बार सड़कें टूटी होने से सफर लंबा हो जाता है और महिलाओं की रास्ते में ही डिलीवरी हो जाती है। इससे मां और बच्चे दोनों का जीवन दांव पर लग जाता है।

कोमल
एक्टिविस्ट

कई बार साधारण खांसी और बुखार भी बिगड़कर बड़ी समस्या बन जाती है। गांव के बुजुर्ग अक्सर ब्लड प्रेशर, डायबिटीज या सांस की बीमारियों से जूझते हैं। ऐसी बीमारियों में नियमित दवा और समय-समय पर जांच बहुत जरूरी होती है। मगर जब जांच और दवा के लिए भी दूसरे गांव जाना पड़े तो बुजुर्ग अक्सर इलाज टाल देते हैं। धीरे-धीरे उनकी हालत बिगड़ती जाती है और परिवार को अचानक किसी गंभीर स्थिति का सामना करना पड़ता है।

ग्रामीण भारत में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति इसी तरह की चुनौतियों से घिरी हुई है। भारत सरकार की Rural Health Statistics 2021-22 रिपोर्ट बताती है कि देश में उप स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ग्रामीण स्वास्थ्य ढांचे की रीढ़ है। रिपोर्ट के अनुसार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) में विशेषज्ञ देखभाल प्रदान करने वाले बुनियादी ढांचे में भारी खामियां थीं। सीएचसी में 83.2 प्रतिशत आवश्यक सर्जन, 74.2 प्रतिशत आवश्यक प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ, 79.1 प्रतिशत चिकित्सक और 81.6 प्रतिशत आवश्यक बाल रोग विशेषज्ञ उपलब्ध नहीं थे। कुल मिलाकर मौजूदा सीएचसी की आवश्यकता की तुलना में 79.5 प्रतिशत विशेषज्ञों की कमी थी। रिपोर्ट के अनुसार 31 मार्च, 2022 तक भारत में 161,829 उप स्वास्थ्य केंद्र थे जिनमें से 157,935 ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत थे। लगभग 24,935 पीएचसी ग्रामीण क्षेत्रों में और 6,118 शहरी क्षेत्रों में स्थित थे।

वर्ष 2005 से देश में उप स्वास्थ्य केंद्रों की संख्या में 11,909 की वृद्धि हुई है। इनमें सबसे अधिक राजस्थान (3,011), गुजरात (1,858), मध्य प्रदेश (1,413) और छत्तीसगढ़ (1,306) में वृद्धि हुई है। रिपोर्ट कहती है कि एक उप केंद्र द्वारा कवर की गई औसत ग्रामीण आबादी 5,691 व्यक्ति थी, जबकि औसतन, एक पीएचसी और सीएचसी ने ग्रामीण क्षेत्रों में क्रमशः 36,049 और 164,027 व्यक्तियों को कवर किया था। पांच हज़ार लोगों की आबादी पर एक सब-सेंटर, तीस हज़ार की आबादी पर एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और एक लाख बीस हज़ार की आबादी पर एक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र संचालित होने चाहिए। दुर्गम इलाकों में यह मानक और छोटा है, जैसे तीन हज़ार पर एक सब-सेंटर, लेकिन वास्तविक स्थिति इस मानक से बहुत दूर है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 1224, देवकाली रोड, निकट यश पेट्रोल पंप अयोध्या-224001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- विवेक सक्सेना***
05278-352045 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/84450, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अयोध्या होगा)।

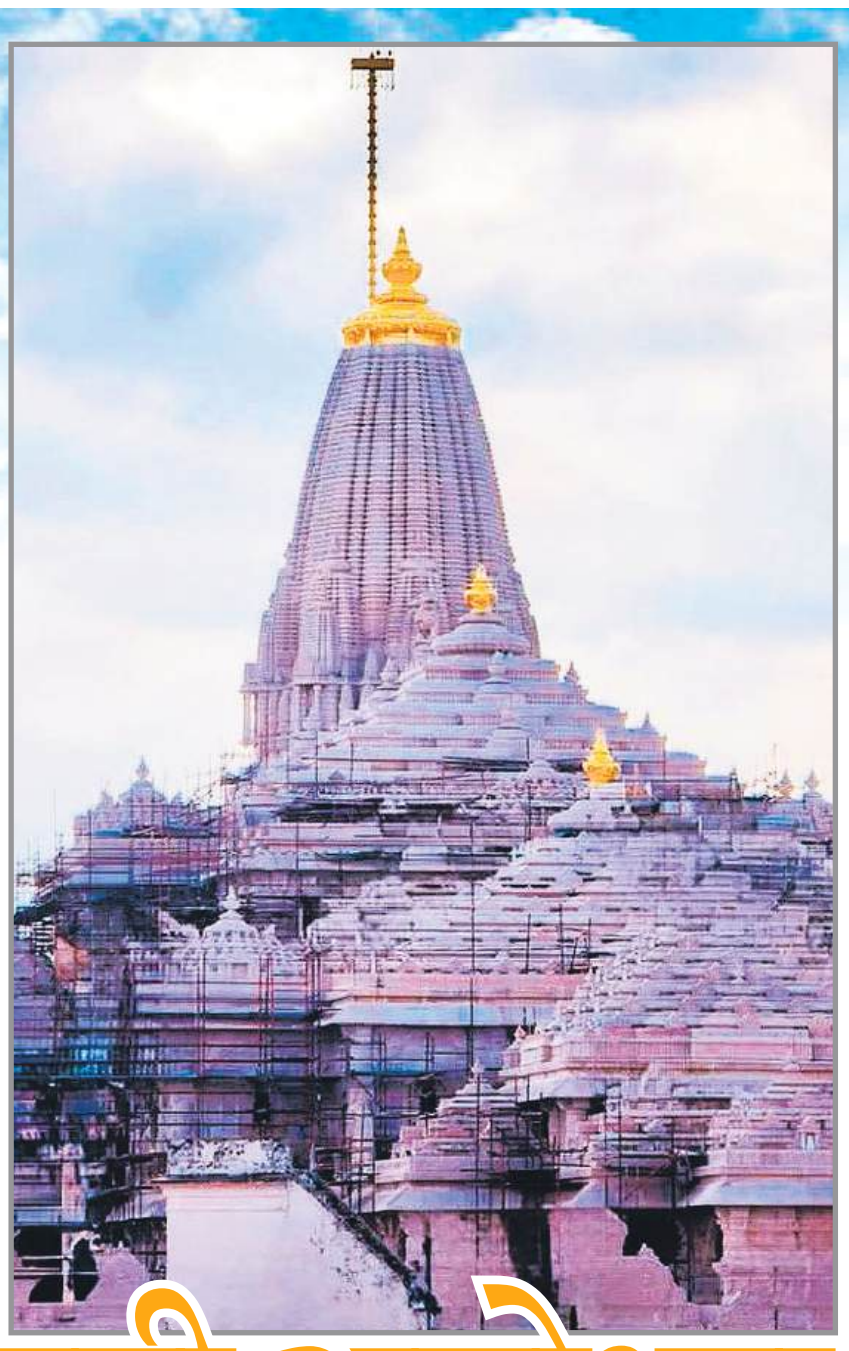

राम नगरी अयोध्या

अलौकिक से अद्भुत हुई

5 00 वर्ष के लंबे संघर्ष और इंतजार के बाद 25 नवंबर को वो शुभ घड़ी आ गई, जब देश-दुनिया के आस्था के केंद्र प्रभु श्रीराम की नगरी अयोध्या में भव्य राम मंदिर पूर्ण हो जाएगा। बाबर की शह पर 1528 में रामनगरी में जिस मंदिर को तोड़ दिया गया था, वहां भव्य श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के निमार्ण की पांचवी सदी से चली आ रही प्रतीक्षा समाप्त होने का ऐतिहासिक पल आ गया है। 25 नवंबर मंगलवार को शुभ मुहूर्त दोपहर 12 से 12: 30 बजे के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंदिर के 191 फिट ऊंचे शिखर पर सूर्य के मध्य अंकित 'ॐ' व कोविदार वृक्ष का केसरिया ध्वज चढ़ाएंगे और श्रीराम मंदिर निर्माण कार्य पूरा होने की घोषणा करेंगे। 9 नवंबर 2019 को सुप्रीम कोर्ट के पांच जजों की बेंच द्वारा श्रीराम जन्मभूमि के पक्ष में फैसला सुनाने के बाद 25 मार्च 2020 को पूरे 28 साल बाद रामलला टेंट से निकलकर फाइबर मंदिर में शिफ्ट हुए थे। इसके बाद 5 अगस्त 2020 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राम जन्मभूमि परिसर में भूमि पूजन कर श्रीराम मंदिर निर्माण की आधारशिला रखी। इसके बाद 22 जनवरी 2024 को रामलला की मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा हुई। आज करोड़ों लोग भगवान राम के दर्शन के लिए अयोध्या आ रहे हैं। आज जो भगवान के दर्शन हो रहे हैं, उसके पीछे दशकों तक चली लंबी कानूनी लड़ाई है। राम मंदिर निर्माण का सफर काफी चुनौतियों भरा रहा है। बाबरी विवाद, अदालतों में चली लंबी लड़ाई और फिर शीर्ष अदालत के फैसले के बाद मंदिर का निर्माण शुरू हुआ।

विवेक सक्सेना
अयोध्या

अब तक के इतिहास के अहम पड़ाव

- 1528 : अयोध्या में राम जन्मभूमि पर मस्जिद बनने से शुरू हुआ विवाद
  मुगल शासक बाबर के सूबेदार मीरबाकी ने 1528 में अयोध्या में एक मस्जिद बनवाई। यह मस्जिद उसी जगह बनी जहां भगवान राम का जन्म हुआ था। बाबर के सम्मान में मीर बाकी ने इस मस्जिद का नाम बाबरी मस्जिद रखा। 19 वीं सदी में हिंदुओं ने यह मामला उठाया और कहा कि भगवान राम के जन्मस्थान मंदिर को तोड़कर मस्जिद बना ली गई। इसके बाद से रामलला के जन्मस्थल को वापस पाने की लड़ाई शुरू हुई।
- 1858 : बाबरी मस्जिद बनने के 330 साल बाद हुई पहली एफआईआर
  मीरबाकी के मस्जिद बनाने के 330 साल बाद 1858 में लड़ाई कानूनी हो गई, जब पहली बार परिसर में हवन, पूजन करने पर एक एफआईआर हुई। अयोध्या रिविजिटेड किताब के मुताबिक एक दिसंबर 1858 को अवध के थानेदार शीतल दुबे ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि परिसर में चबूतरा बना है। ये पहला कानूनी दस्तावेज है, जिसमें परिसर के अंदर राम के प्रतीक होने के प्रमाण हैं। इसके बाद तारों की एक बाड़ खड़ी कर विवादित भूमि के आंतरिक और बाहरी परिसर में मुस्लिमों और हिंदुओं को अलग-अलग पूजा और नमाज की इजाजत दी गई।
- 1885 : जब अदालत पहुंची राम के लिए पक्के घर की बात
  1858 में हुई लड़ाई के 27 साल बाद 1885 में राम जन्मभूमि के लिए लड़ाई अदालत पहुंची। जब निर्मोही अखाड़े के मंहत रघुबर दास ने फैजाबाद के न्यायालय में स्वामित्व को लेकर दीवानी मुकदमा दायर किया। दास ने बाबरी ढांचे के बाहरी आंगन में स्थित राम चबूतरे पर बने अस्थायी मंदिर को पक्का बनाने और छत डालने की मांग की। जज ने फैसला सुनाया कि वहां हिंदुओं को पूजा-अर्चना का अधिकार है, लेकिन वे जिलाधिकारी के फैसले के खिलाफ मंदिर को पक्का बनाने और छत डालने की अनुमति नहीं दे सकते।
- 1949 : मूर्तियों का प्रकटीकरण
  देश के आजाद होने के दो साल बाद 22 दिसंबर 1949 को ढांचे के भीतर गुंबद के नीचे रामलला की मूर्तियों का प्रकटीकरण हुआ। हिंदू पक्ष का कहना था कि राम प्रकट हुए हैं, जबकि मुस्लिमों ने आरोप लगाया था कि किसी ने रातों-रात मूर्तियां रख दीं। इसके बाद इसे विवादित ढांचा मानकर ताला लगवा दिया गया था।
- 1950 : आजादी के बाद पहला मुकदमा
  आजादी के बाद पहला मुकदमा हिंदू महासभा के सदस्य गोपाल सिंह विशारद ने 16 जनवरी, 1950 को सिविल जज, फैजाबाद की अदालत में दायर किया। विशारद ने ढांचे के मुख्य गुंबद के नीचे स्थित भगवान की प्रतिमाओं की पूजा-अर्चना की मांग की। करीब 11 महीने बाद 5 दिसंबर 1950 को ऐसी ही मांग करते हुए महंत रामचंद्र परमहंस ने सिविल जज के यहां मुकदमा दाखिल किया। मुकदमे में दूसरे पक्ष को संबंधित स्थल पर पूजा-अर्चना में बाधा डालने से रोकने की मांग रखी गई। 3 मार्च 1951 को गोपाल सिंह विशारद मामले में न्यायालय ने मुस्लिम पक्ष को पूजा-अर्चना में बाधा न डालने की हिदायत दी। ऐसा ही आदेश परमहंस की तरफ से दायर मुकदमे में भी दिया गया।
- 1959 : निर्मोही अखाड़े ने मांगी पूजा-अर्चना की अनुमति
  17 दिसंबर 1959 को रामानंद संप्रदाय की तरफ से निर्मोही अखाड़े के छह व्यक्तियों ने मुकदमा दायर कर इस स्थान पर अपना दावा ठोका। साथ ही मांग रखी कि रिसीवर प्रियदत्त राम को हटाकर उन्हें पूजा-अर्चना की अनुमति दी जाए। यह उनका अधिकार है। मुकदमों की कड़ी में एक और मुकदमा 18 दिसंबर 1961 को दर्ज किया गया। ये मुकदमा उत्तर प्रदेश के केंद्रीय सुन्नी वक्फ बोर्ड ने दायर किया। कहा कि यह जगह मुसलमानों की है। ढांचे को हिंदुओं से लेकर मुसलमानों को दे दिया जाए। ढांचे के अंदर से मूर्तियां हटा दी जाएं। ये मामले न्यायालय में चलते रहे।
- 1982 : हिंदू धर्मस्थलों की मुक्ति का अभियान
  1982 वो साल था जब विश्व हिंदू परिषद ने राम, कृष्ण और शिव के स्थलों पर मस्जिदों के निर्माण को साजिश करार दिया और इनकी मुक्ति के लिए अभियान चलाने का एलान किया। दो साल बाद 8 अप्रैल 1984 को दिल्ली में संत-महात्माओं, हिंदू नेताओं ने अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि स्थल की मुक्ति और ताला खुलवाने को आंदोलन का फैसला किया।
- 1986 : परिसर का ताला खुला
  कानूनी लड़ाई में एक फैसला 1 फरवरी 1986 को आया जब फैजाबाद के जिला न्यायाधीश केएम पांडेय ने स्थानीय अधिवक्ता उमेश पांडेय की अर्जी पर इस स्थल का ताला खोलने का आदेश दे दिया। फैसले के खिलाफ इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ खंडपीठ में दायर अपील खारिज हो गई।

इतिहास में दर्ज हो रही है एक-एक तिथि

राम मंदिर शिलान्यास, फिर प्राण प्रतिष्ठा और अब ध्वजारोहण। एक एक तिथि अब इतिहास में दर्ज हो रही है। अयोध्या की अलौकिकता अद्भुत बन गई है। शिलान्यास के बाद से रामनगरी में निरंतर विशिष्ट आयोजनों की श्रृंखला नए कीर्तिमान गढ़ रही है। प्राण प्रतिष्ठा समारोह में जहां रामोत्सव के रंग क्षितिज पर छाए थे, वहीं योगी सरकार द्वारा लगातार आठ भव्य दीपोत्सव के आयोजनों ने अयोध्या को विश्व पटल पर आच्छादित कर दिया। अब जब राम मंदिर पूर्ण स्वरूप में अपनी आभा बिखेर रहा है, तो 25 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा होने वाला ध्वजारोहण अनुष्ठान उत्सव रामनगरी के लिए ही नहीं, बल्कि सनातन समाज को आह्लादित कर देने वाला है।

राम जन्मभूमि पर बने भव्य राम मंदिर ने अब अपना पूर्ण स्वरूप धारण कर लिया है। शिलान्यास के पावन क्षण से शुरू हुई यात्रा अब ध्वजारोहण के साथ एक और स्वर्णिम अध्याय लिखने को तैयार है। 25 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं भगवा ध्वज चढ़ाकर मंदिर को पूर्णता प्रदान करेंगे। यह आयोजन केवल एक अनुष्ठान नहीं, बल्कि पांच सदी के संकल्प की पराकाष्ठा है। 5 अगस्त 2020 को प्रधानमंत्री ने जब राम मंदिर का शिलान्यास किया था, तब करोड़ों रामभक्तों की आंखें नम थीं। उस दिन अयोध्या ने सदियों का इंतजार समाप्त होते देखा। इसके बाद 22 जनवरी 2024 को प्राण प्रतिष्ठा के साथ रामलला अपने नवीन मंदिर में विराजमान हुए। देश-दुनिया के कोने-कोने से आए श्रद्धालु उस अलौकिक दृश्य के साक्षी बने, जब प्रभु श्रीराम की मूर्ति में प्राण फूंके गए। अब जब मंदिर का गर्भगृह, नृत्य मंडप, सिंह द्वार और भेय खंड पूरे हो चुके हैं, तब ध्वजारोहण का क्षण आया है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट द्वारा ध्वजारोहण को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर लीं गईं हैं। राम मंदिर में ध्वजारोहण को लेकर विशेष अनुष्ठान भी प्रारंभ हो गया है। अनुष्ठान से पहले निकली कलश यात्रा ने नई आध्यात्मिक चेतना का संचार किया है।

अयोध्यावासियों ने ही नहीं संपूर्ण सनातन समाज को प्राण प्रतिष्ठा की तरह ही अब राम मंदिर पर लहराने वाली धर्म ध्वज पताका की प्रतीक्षा है। राष्ट्रीय बौद्धिक परिषद प्रमुख विजयशंकर पांडेय कहते हैं कि यह सनातन समाज के स्वप्नों का पूर्ण साकार रूप हैं, मंदिर पर ध्वजारोहण विश्व में मर्यादा पुरुषोत्तम के प्रति श्रद्धा के नवीन प्रकटीकरण का संवाहक होगा।

योगी सरकार के अयोध्या को आध्यात्मिक राजधानी का संकल्प भी पूर्ण

योगी आदित्यनाथ सरकार ने आठ वर्षों में अयोध्या को विश्व की आध्यात्मिक राजधानी बनाने का जो संकल्प लिया था, वह अब साकार हो रहा है। दीपोत्सव के आठ आयोजन तो केवल झांकी थे। 2024 में 28 लाख दीपों ने जब सरयू तट को दुल्हन की तरह सजाया था, तब दुनिया ने देखा कि रामनगरी अब वैभव की नई परिभाषा लिख रही है। चौदह कोसी और पंचकोसी परिक्रमा मार्ग, नव्य सरयू घाट, राम की पैड़ी हर ओर भव्यता का विस्तार हुआ है।

ऐतिहासिक है 25 नवंबर ध्वजारोहण दिवस

25 नवंबर का दिन इसलिए भी ऐतिहासिक है, क्योंकि यह कार्तिक पूर्णिमा के ठीक बाद का दिन है। वैदिक परंपरा में ध्वज को ब्रह्मा, विष्णु और महेश का प्रतीक माना जाता है। जब 191 फिट ऊंचे ध्वजदंड पर 36 फिट लंबा भगवा

मंदिर में रामलला को प्रणाम कर श्रद्धा निवेदित करते मुख्यमंत्री योगी (फाइल फोटो)

ध्वज फहराया जाएगा, तब ऐसा प्रतीत होगा मानो स्वयं भगवान सूर्य राम मंदिर को अपनी किरणों से अभिनंदन कर रहे हों।

विश्व सांस्कृतिक धरोहर बनी नगरी

अयोध्या अब केवल तीर्थ नहीं, विश्व की सांस्कृतिक धरोहर बन चुकी है। जहां कभी खंडहर थे, वहां आज 67 एकड़ में फैला मंदिर परिसर खड़ा है। तीन मंजिला यह मंदिर नागर शैली में बना है, जिसमें 392 स्तंभ और 44 द्वार हैं। अब ध्वजा की छाया में जब रामलला विराजेंगे, तब सचमुच यह कहना अतिशयोक्ति न होगा कि रामराज्य की पहली किरण फूट पड़ी है। 25 नवंबर को जब प्रधानमंत्री ध्वज चढ़ाएंगे, उस क्षण करोड़ों भारतीयों का हृदय एक ही स्वर में गूंजेगा जय सिया राम। यह ध्वजारोहण केवल एक झंडे का चढ़ाना नहीं होगा, यह 500 वर्षों के तप, त्याग और संघर्ष का विजय पताका होगा, जो सनातन धर्म के पुनर्जागरण का घोष करता हुआ आकाश में लहराएगा।

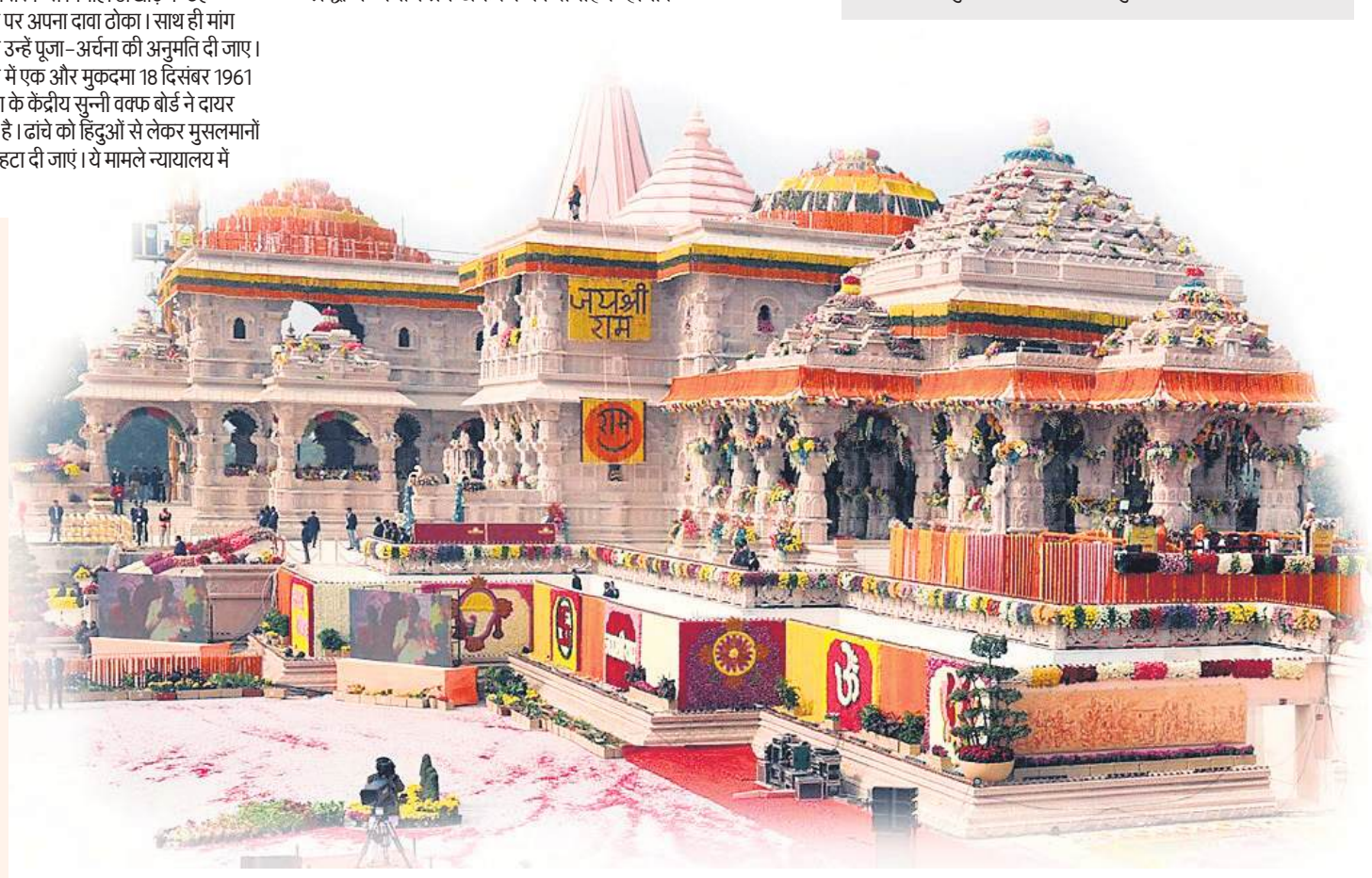

शिलान्यास से भव्य निर्माण तक

1989: राम जन्मभूमि पर मंदिर का शिलान्यास

जनवरी 1989 में प्रयाग में कुंभ मेले के दौरान मंदिर निर्माण के लिए गांव-गांव शिला पूजन कराने का फैसला हुआ। साथ ही 9 नवंबर 1989 को श्रीराम जन्मभूमि स्थल पर मंदिर के शिलान्यास की घोषणा की गई। काफी विवाद और खींचतान के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने शिलान्यास की इजाजत दे दी। बिहार निवासी कामेश्वर चौपाल से शिलान्यास कराया गया।

1990: आडवाणी ने शुरू की रथ यात्रा आंदोलन को दी धार

सितंबर 1990 को लाल कृष्ण आडवाणी रथ यात्रा लेकर निकले। इस यात्रा ने राम जन्मभूमि आंदोलन को और धार दे दी। आडवाणी गिरफ्तार हुए। गिरफ्तारी के साथ केंद्र में सत्ता परिवर्तन भी हुए।

1992: विवादित ढांचा गिरा, कल्याण सरकार बर्खास्त

6 दिसंबर 1992 को अयोध्या पहुंचे हजारों कारसेवकों ने विवादित ढांचा गिरा दिया। इसकी जगह इसी दिन शाम को अस्थायी मंदिर बनाकर पूजा-अर्चना शुरू कर दी। केंद्र की तत्कालीन पीवी नरसिम्हा राव सरकार ने राज्य की कल्याण सिंह सरकार सहित अन्य राज्यों की भाजपा सरकारों को भी बर्खास्त कर दिया। जन्मभूमि थाना में ढांचा ध्वंस मामले में भाजपा के कई नेताओं समेत हजारों लोगों पर मुकदमा दर्ज कर दिया गया।

1993: दर्शन-पूजन की मिली अनुमति

बाबरी ढहाए जाने के दो दिन बाद 8 दिसंबर 1992 को अयोध्या में कर्फ्यू लगा था। वकील हरिशंकर जैन ने उच्च न्यायालय की लखनऊ खंडपीठ में गुहार लगाई कि भगवान भूखे हैं। राम भोग की अनुमति दी जाए। करीब 25 दिन बाद 1 जनवरी 1993 को न्यायाधीश हरिनाथ तिलहरी ने दर्शन-पूजन की अनुमति दे दी।
7 जनवरी 1993 को केंद्र सरकार ने ढांचे वाले स्थान व कल्याण सिंह सरकार द्वारा न्यास को दी गई भूमि सहित यहां पर कुल 67 एकड़ भूमि का अधिग्रहण कर लिया।

2002: हाईकोर्ट में शुरू हुई मालिकाना हक पर सुनवाई

अप्रैल 2002 में उच्च न्यायालय की लखनऊ खंडपीठ ने विवादित स्थल का मालिकाना हक तय करने के लिए सुनवाई शुरू हुई। उच्च न्यायालय ने 5 मार्च 2003 को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण को संबंधित स्थल पर खुदाई का निर्देश दिया। 22 अगस्त 2003 को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने न्यायालय को रिपोर्ट सौंपी। इसमें संबंधित स्थल पर जमीन के नीचे एक विशाल हिंदू धार्मिक ढांचा (मंदिर) होने की बात कही गई।

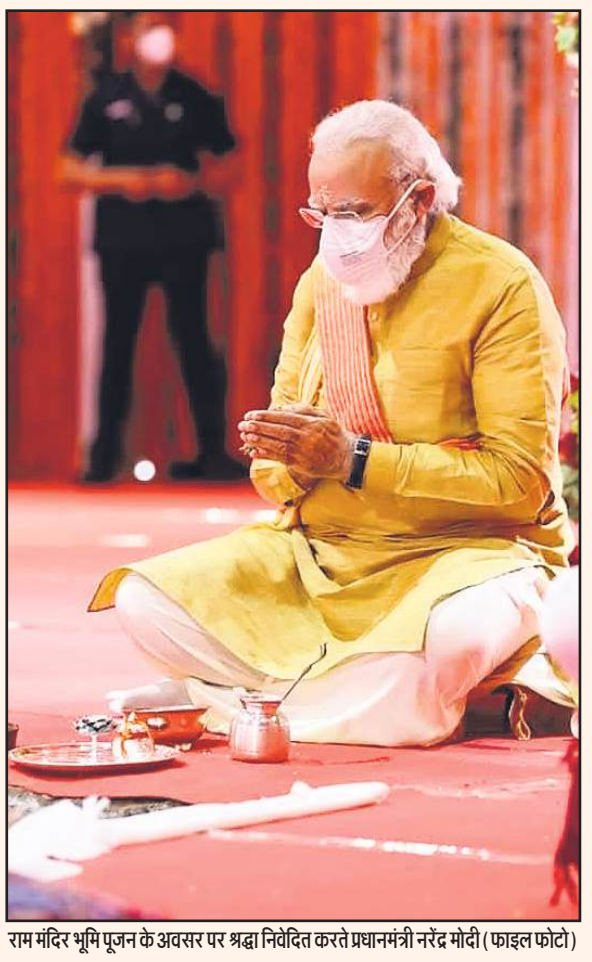

राम मंदिर भूमि पूजन के अवसर पर श्रद्धा निवेदित करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी (फाइल फोटो)

2010: इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने दिया ऐतिहासिक फैसला

30 सितंबर 2010 को इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने इस स्थल को तीनों पक्षों श्रीराम लला विराजमान, निर्मोही अखाड़ा और सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड में बराबर-बराबर बांटने का आदेश दिया। न्यायाधीशों ने बीच वाले गुंबद के नीचे जहां मूर्तियां थीं, उसे जन्मस्थान माना। इसके बाद मामला सर्वोच्च न्यायालय पहुंचा।

2017 : सर्वोच्च न्यायालय द्वारा मध्यस्थता की पेशकश

21 मार्च 2017 को सर्वोच्च न्यायालय ने मध्यस्थता से मामले सुलझाने की पेशकश की। यह भी कहा कि दोनों पक्ष राजी हों, तो वह भी इसके लिए तैयार है।

2019 : सुप्रीम फैसला और मंदिर निर्माण का रास्ता साफ

6 अगस्त 2019 को सर्वोच्च न्यायालय ने प्रतिदिन सुनवाई शुरू की। 16 अक्तूबर 2019 को सर्वोच्च न्यायालय में सुनवाई पूरी हुई और कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया। इससे पहले 40 दिन तक लगातार सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। 9 नवंबर 2019 को 134 साल से चली आ रही लड़ाई में सर्वोच्च न्यायालय ने संबंधित स्थल को श्रीराम जन्मभूमि माना और 2 .77 एकड़ भूमि रामलला के स्वामित्व की मानी। वहीं, निर्मोही अखाड़ा और सुन्नी वक्फ बोर्ड के दावों को खारिज कर दिया गया। इसके साथ ही कोर्ट ने निर्देश दिया कि मंदिर निर्माण के लिए केंद्र सरकार तीन महीने में ट्रस्ट बनाए और ट्रस्ट निर्मोही अखाड़े के एक प्रतिनिधि को शामिल करे। साथ ही यह भी आदेश दिया कि उत्तर प्रदेश की सरकार मुस्लिम पक्ष को वैकल्पिक रूप से मस्जिद बनाने के लिए 5 एकड़ भूमि किसी उपयुक्त स्थान पर उपलब्ध कराए।

2020: अयोध्या में मंदिर की आधारशिला के साथ निर्माण कार्य शुरू

इसी के साथ दशकों से चली आ रही लंबी कानूनी लड़ाई समाप्त हो गई। 5 फरवरी 2020 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अयोध्या में मंदिर निर्माण के लिए राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की घोषणा की। इसके छह महीने बाद 5 अगस्त 2020 को प्रधानमंत्री ने अयोध्या में राम मंदिर की आधारशिला रखी।

2024: रामलला की प्राण प्रतिष्ठा

134 साल चली कानूनी लड़ाई के बाद राम जन्मभूमि पर मंदिर के पहले चरण का काम पूरा होने के बाद इसमें रामलला को स्थापित किया गया। 22 जनवरी 2024 की वह ऐतिहासिक तारीख थी, जब मंदिर में भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा हुई। 23 जनवरी से मंदिर आम लोगों के लिए खुल गया था।

सोत्र- गजेटियर, हिन्दू चेतना स्मारिका

अवध पुरी अति रुचिर बनाई
देवन्ह सुमन बृष्टि झरिलाई

मोहन राव भागवत जी
सरसंघचालक राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ

25 नवम्बर 2025 को
माननीय प्रधानमंत्री
श्री नरेन्द्र मोदी जी

के अयोध्या आगमन तथा श्रीराम जन्मभूमि परिसर स्थित भव्य राम मन्दिर के शिखर पर होने वाले पावन

ध्वजारोहण
कार्यक्रम

पर हार्दिक स्वागत
एवं अभिनदन

आपका–
अभिषेक सिंह
प्रधान
पलिया लोहानी
हैरिंग्टनगंज, अयोध्या जी

देश, प्रदेश व जिले वासियों को
रामर्मंदिर के ध्वजारोहण समारोह
की हार्दिक शुभकामनाएं

राघवेंद्र नारायण
पाण्डेय
जिला महामंत्री, भाजपा अयोध्या

देश, प्रदेश व जिले वासियों को
रामर्मंदिर के ध्वजारोहण समारोह
की हार्दिक शुभकामनाएं

प्रभु श्रीराम की नगरी में माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी समेत समस्त आमंत्रित अतिथियों का हार्दिक अभिनंदन और स्वागत

जी.एस. कॉलेज ऑफ लॉ
खजुरहट (गंडई) बीकापुर अयोध्या
डॉ. रा.म. लो. अवध विश्व विद्यालय अयोध्या द्वारा एंव बार काउंसिल ऑफ इण्डिया द्वारा अनुमोदित

प्रवेश प्रारम्भ

एल.एल.बी. त्रिवर्षीय एंव पंचवर्षीय
पाठयक्रम हिन्दी / अंग्रेजी माध्यम में अध्ययन

प्रवेश प्रारम्भ

विशेषताएं -:

वृहदपुस्तकालय, कम्प्यूटर, लैब, आकर्षक मूट कोर्ट

जनपद, राज्य एंव राष्ट्रीय स्तर के माननीय न्यायाधीशों का निश्चित समय अंतराल पर प्रेरणादायी उद्बोधन

विभिन्न न्यायालयों में अध्यनरत छात्र छात्राओं को ले जाकर न्यायिक प्रक्रिया से परिचित कराना

संजीव कुमार गुप्ता
(चेयरमैन)
जी.एस. कालेज ऑफ लॉ
खजुरहट (गंडई) बीकापुर अयोध्या

मैनेजिंग डायरेक्टर अनुज गोयल

अमृत विचार के 6वें स्थापना दिवस

तथा राम मंदिर अयोध्या ध्वजारोहण के अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं

हिन्दी दैनिक अमृत विचार
की 6वीं वर्षगांठ पर
सभी जनपदवासियों
को हार्दिक शुभकामनाएं

उमेश शुक्ला
प्रधान प्रतिनिधि
रानीपुर विकासखंड इटियाथोक

हिन्दी दैनिक अमृत विचार
की 6वीं वर्षगांठ पर
सभी जनपदवासियों
को हार्दिक शुभकामनाएं

राजेंद्र पांडे उर्फ लल्लू पांडे
प्रधान प्रतिनिधि
बरेली विश्रामपुर विकासखंड इटियाथोक

अमृत विचार के 6वें स्थापना दिवस

तथा राम मंदिर अयोध्या ध्वजारोहण के अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं

डा. सौम्या श्रीवास्तव
अधीक्षक
सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र
करनैलगंज (गोंडा)

डा0 प्रीती पाण्डेय
क्षेत्रीय विपणन अधिकारी
नवीन गल्ला मंडी करनैलगंज (गोंडा)

गौरव कुमार
क्रय केंद्र प्रभारी
हलधरमऊ (गोंडा)

अमृत विचार के 6वें स्थापना दिवस

तथा राम मंदिर अयोध्या ध्वजारोहण के अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं

कार्यालय नगर पंचायत खरगूपुर जनपद गोण्डा

पत्रांक : –198/न0प0ख / 2025–26 दिनांक : –22/11/2025

अमृत विचार के 6वीं वर्षगाठ-'स्थापना दिवस विशेषाक' में आमंत्रण के अवसर पर स्वच्छ भारत अभियान के अन्तर्गत नगर के नागरिकों से नगर हित में विशेष अनुरोध है कि-

01. प्रतिबन्धित प्लास्टिक पालीथीन का प्रयोग न करें एंव अन्य को भी न करने हेतु प्ररित करें। 02. अपने घर एंव घर के आस–पास रिक्त भूमि पर वृक्षारोपण कर इस धरा के सन्तुलन बनायें रखने में सहयोग प्रदान करें। 03. पर्यावरण के सन्तुलन हेतु ईधन चलित वाहनों का कम से कम प्रयोग करें। 04. खुले में शौच न करें, शौचालय का ही प्रयोग करें। 05. कूड़ा–कचरा में आग न लगायें इसको उठाने हेतु नगर पंचायत को सूचित करें। 06. घर का कूड़ा–कचरा नगर पंचायत की सड़को व नालियों पर न डाले तथा उक्त कूड़े को पंचायत द्वारा रखे गये कूड़ादान में ही डाले। 07. नगर पंचायत द्वारा निर्मित नाले, नालियों पर अवैध अतिक्रमण न करें, ताकि सफाई व्यवस्था बाधित न हों। 08. जन्म–मृत्यु का पंजीयन समय से करायें। 09. जल का दुरूपयोग न करें।

नगर पंचायत खरगूपुर जनपद गोण्डा नगरवासियों को समुचित नागरिक सुविधायें उपलब्ध कराने हेतु संकल्पबद्ध है।

अपील

1. आपसे निवेदन है कि आप अपने घर में एक कूडादान नीला सूखा कूड़े के लिए व एक हरा कूड़ादान गीले कूड़े के लिए अवश्य रखें।
2. नगर पंचायत के सफाई कर्मचारी कूड़ा एकत्रित करने आपके घर आयेंगें अगर किसी भी कार्य दिवस में कर्मचारी नहीं आतें हैं या डोर टू डोर कलेक्शन टीम से समस्या है तो दूरभाष 05262298788 पर सम्पर्क कर सकते हैं।
3. प्रतिबन्धित पॉलिथिन का प्रयोग न करें। और न ही दूसरों को करने दें। पॉलिथिन पर्यावरण के लिये हानिकारक है। पॉलिथिन का प्रयोग करने व विक्रय करते पाये जाने पर आपके विरू) जुर्माना हो सकता है।

समस्त सभासद नगर पचायत खरगूपुर गोण्डा

लिपिक नगर पंचायत खरगूपुर गोण्डा।

अधिशाषी अधिकारी
नगर पंचायत
खरगूपुर गोण्डा

ममता रस्तोगी
अध्यक्ष
नगर पंचायत खरगूपुर गोंडा

अमृत विचार के 6वें स्थापना दिवस

तथा राम मंदिर अयोध्या ध्वजारोहण के अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं

प्रियंका निरंजन(आईएएस)
डीएम, गोंडा

शशिभूषण लाल सुशील(आईएएस)
आयुक्त, देवीपाटन मंडल

विजय प्रभा
उपायुक्त खाद्य, देवी पाटन मंडल

डा रश्मि वर्मा,
सीएमओ गोंडा

पंकज वर्मा
सिटी मजिस्ट्रेट गोंडा

न्यूज ब्रीफ

संविधान दिवस पर होगा विधिक साक्षरता दिवस

गोंडा : संविधान दिवस पर 26 नवंबर को धानेपुर इलाके में संचालित बीपीए लघु माध्यमिक विद्यालय दूल्हापुर बनकट में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया जाएगा। इसको लेकर द्वितीय अपर जिला जज /सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दानिश हसनैन ने जिला प्रोबेशन अधिकारी व तहसीलदार सदर को पत्र लिखा है। कार्यक्रम दोपहर 12 बजे से प्रारंभ होगा। स्कूल के प्रिंसिपल कमलेश शुक्ला ने बताया कि कार्यक्रम को लेकर तैयारियां की जा रही है।

एक मुश्त समाधान योजना का उठाएं लाभ

रुपईडीह, गोंडा। विद्युत उपकेंद्र आर्य नगर के अवर अभियंता अनिरुद्ध सिंह की अगुवाई में गठित बिजली कर्मियों की टीम ने बेलवा बाजार गाँव का भ्रमण किया। इस टीम द्वारा गाँव के सभी उपभोक्ताओं को आगामी एक दिसंबर से शुरू हो रहे एक मुश्त समाधान योजना के तहत छूट का लाभ लेने के लिए पंजीकरण कराए जाने के प्रति जागरूक किया गया। टीम में जितेंद्र कुमार तिवारी, अमरजीत यादव, सुभाष प्रजापति व दिनेश शुक्ल शामिल रहे।

रास्ते के विवाद में मारपीट, मुकदमा दर्ज

करनैलगंज : कोतवाली करनैलगंज क्षेत्र के ग्राम पैरोरी के मजरा अमृतपुरी पुरवा निवासी मोनू वर्मा पुत्र विनोद वर्मा की तहरीर पर पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। नामजद आरोपियों में सूरज वर्मा, चन्दा वर्मा, रामसरन वर्मा व रामसरन की पत्नी शिवपती शामिल हैं। पीड़ित मोनू वर्मा के अनुसार, बीते 18 नवम्बर की सुबह करीब आठ बजे रास्ते की भूमि को लेकर विवाद होने लगा। आरोप है कि इसी बात को लेकर आरोपीगण गाली-गलौज करने लगे। मना करने पर चारों ने मिलकर उसकी पिटाई कर दी। मामले पर प्रभारी निरीक्षक कर्नलगंज ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

117 बच्चों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

रुपईडीह, गोंडा : राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के ब्लॉक के कंपोजिट विद्यालय तेंदुवा चौखड़िया में अध्ययनरत 117 बच्चों का चिकित्साधिकारी डॉ अभिषेक आनंद की अगुवाई में चिकित्सा कर्मियों की टीम द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान त्वचा व कान की बीमारी से दो बच्चों ग्रस्त पाए जाने पर इलाज के लिए उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रुपईडीह रेफर किया गया। टीम में डॉक्टर ज्योति व फार्मासिस्ट वारिस अली शामिल रहे।

विषैले जंतु के काटने से दो भैंसों की मौत

तरबगंज : तरबगंज विकास खंड के सोनबरसा ग्राम पंचायत में विषैले जंतु के काटने से दो भैंसों की मौत हो गई। इस घटना से पशुपालक हरिभान चौहान को डेढ़ लाख रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है। हल्का लेखपाल ने मौके पर पहुंचकर क्षति का आकलन किया है। लेखपाल आजाद मौर्या ने बताया कि क्षति के आकलन की रिपोर्ट तैयार कर तहसील प्रशासन को भेज दी गई है।

महिला से गहने छीन फरार हुए उच्चके

इटियाथोक। इटियाथोक मुख्य चौराहे से पारसराय के बीच एक महिला के साथ गहने छीनने का मामला प्रकाश में आया है। इस संबंध में इटियाथोक थाने पर शिकायती पत्र देकर कार्यवाही की मांग की गई। गंगापुर बाकी थाना देहात कोतवाली बलरामपुर की रहने वाली महिला पूनम पांडे पत्नी सूर्यभान पांडे अपने घर से रिश्तेदारी में जाने के लिए इटियाथोक पहुंची और इटियाथोक मुख्य चौराहे पर मैजिक टेंपो पर बैठकर पारसराय होते हुए अपने रिश्तेदारी में जा रही थी। इसी बीच विशुही पुल के आसपास गाड़ी चालक की सहमति से दो अज्ञात लड़की व औरत गाड़ी में आकर बैठी और इसी बीच गले में पहनी चैन को लेकर रफू चक्कर हो गईं। पुलिस के द्वारा सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

आर्मी जवान ने की पिता पर हमलावरों की गिरफ्तारी की मांग

गोंडा। जिले के कोयली जंगली गांव में पूर्व सैनिक आनंद यादव पर हमले के मामले में उनके बेटे व सेना में तैनात जवान अमन यादव ने देवीपाटन रेंज के आईजी अमित पाठक से मुलाकात कर आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की। अमन यादव ने बताया कि 16 नवंबर को पंचायत के दौरान धारदार हथियार और फायरिंग से उनके पिता और चाचा पर हमला हुआ था। आनंद यादव गंभीर रूप से घायल हैं और उनका इलाज लखनऊ में चल रहा है। आईजी अमित पाठक ने सख्त कार्रवाई का आश्वासन देते हुए एसपी को तत्काल निर्देश दिए हैं।

20 लाख मतदाताओं को बांटे गए गणना प्रपत्र

7 लाख की फीडिंग का कार्य पूरा, 7 विधानसभा क्षेत्रों में 25 लाख मतदाताओं का होना है एसआईआर

संवाददाता, गोंडा

अमृत विचार: विधानसभा निर्वाचन नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान के तहत जिले के 20 लाख से अधिक मतदाताओं के घर गणना प्रपत्र पहुंचा दिया गया है। वहीं करीब 7 लाख से अधिक मतदाताओं के ऑनलाइन डिजिटाइजेशन का कार्य भी पूरा हो गया है।

जिले के 7 विधानसभा क्षेत्रों में करीब 25 लाख मतदाताओं का एसआईआर होना है, जिसमें उनसे गणना प्रपत्र भराकर उनका डिजिटाइजेशन किया जाना है। इस कार्य के लिये बूथ वार बीएलओ लगाए गए हैं। उन्हे प्रपत्र भरने की ट्रेनिंग दी गयी है। एसआईआर कार्य को समय से पूरा किया जा सके इसके लिए छुट्टी के दिनों में भी स्कूलों को खोलने के निर्देश डीएम की तरफ से जारी किया गया है। इसकी निगरानी के लिए जहां 7 आरओ व 33 ईआरओ लगाए गए हैं वहीं डीएम प्रियंका निरंजन खुद भी फील्ड में हैं और वह पोलिंग बूथों पर पहुंचकर डिजिटाइजेशन की जानकारी ले रही हैं। रविवार तक करीब 20 लाख मतदाताओं के घर तक गणना प्रपत्र पहुंचा दिए गए। साथ ही करीब 7 लाख से अधिक मतदाताओं के डाटा की ऑनलाइन फीडिंग का कार्य भी पूरा हो गया। सोमवार को डीएम प्रियंका निरंजन ने राजकीय बालिका इंटर कालेज, मारवाड़ इंटर कालेज, श्री गांधी विद्या मंदिर इंटर कॉलेज व कंपोजिट स्कूल मेवातियान का औचक निरीक्षण कर इस कार्य की प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जीजीआईसी कॉलेज में लापरवाही मिलने पर संबंधित बीएलओ व जिम्मेदार अधिकारियों को फटकार लगाई और डिजिटाइजेशन कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया। इस दौरान सिटी मजिस्ट्रेट मौजूद रहे।

सर्वर की खराबी से हो रही परेशानी

एसआईआर कार्य को समय ये पूरा करने के लिए जहां जिलाधिकारी प्रियंका ने दिन रात एक कर रही हैं वहीं सर्वर की खराबी ने परेशानी बढ़ा दी है। सोमवार को सर्वर की खराबी के कारण बीएलओ को गणना प्रपत्रों को ऑनलाइन करने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। बीएलओ कार्य में लगे कई शिक्षकों ने बताया कि सर्वर काम नहीं कर रहा है। फॉर्म स्कैन करके जैसे ही भरना शुरू किया जाता है, सेशन एक्सपायर बताता है और पुन: लॉगिन करने का इंस्ट्रक्शन दे रहा है। लॉगिन के लिए ओटीपी भी कई बार प्रयास करने के बाद आ रही है। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष उदयभान वर्मा ने कहा कि जब तक ऑनलाइन दिक्कतें दूर नहीं होंगी, फॉर्म ऑनलाइन अपलोड नहीं हो सकता। जिम्मेदार वरिष्ठ अधिकारियों को इस पर ध्यान देकर व्यवस्था ठीक करानी होगी तभी इस कार्य को समय से पूरा किया जा सकेगा।

डिजिटाइजेशन में गौरा फर्स्ट, सदर फिसड्डी

डीएम प्रियंका निरंजन ने बताया कि जिले के सात विधानसभा क्षेत्र में एसआईआर का कार्य जोर-शोर से चल रहा है। कुल ढाई हजार पोलिंग बूथ पर 25 लाख से अधिक मतदाताओं का डिजिटाइजेशन कराया जाना है इसके लिए आरओ- ईओ आरओ लगाए गए हैं। अब तक 27 प्रतिशत से अधिक का कार्य पूरा हो चुका है। गौरा विधानसभा क्षेत्र की प्रगति काफी अच्छी है जबकि सदर विधानसभा क्षेत्र की प्रगति खराब है। इसको लेकर कुछ लापरवाह बीएलओ के खिलाफ कार्रवाई की गयी है। सदर तहसील में लगे बीएलओ व निगरानी कर रहे अधिकारियों को कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया गया है ताकि चार दिसंबर तक इस कार्य को पूरा किया जा सके। उन्होंने मतदाताओं से भी अपील की है कि वह अपना एसआईआर फॉर्म भरकर अपने बीएलओ, नजदीकी ब्लाक या तहसील में लाकर जमा कर सकते हैं ताकि उनके गणना प्रपत्रों का समय से डिजिटाइजेशन कराया जा सके। अन्यथा की स्थिति में वह मताधिकार से वंचित हो सकते हैं।

एडीएम ने अध्यक्ष और सभासदों से की अपील

बेलसर। अपर जिलाधिकारी आलोक कुमार ने सोमवार को नगर पंचायत बेलसर सभागार में नगर पंचायत अध्यक्ष व सभासदों के साथ बैठक कर एसआईआर में सहयोग करने की अपील किया। एडीएम अलोक कुमार ने कहा कि अध्यक्ष व सभासद बीएलओ से सामंजस्य बैठाकर एसआईआर मे सहयोग करें। उन्होंने कर्मचारियों को निर्देश दिया कि यह सबसे प्राथमिकता का कार्यक्रम है इसमें सभी लोगो का सहयोग अपेक्षित है। नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि गोलू सिंह व सूरज सिंह, ईओ अनुराग शुक्ला व निकाय कर्मचारी अनुभव द्विवेदी, विशाल सिंह चौहान, अमन यादव, आदर्श सिंह व अन्य मौजूद रहे।

डीएम ने बूथों पर किया औचक निरीक्षण

बूथ पर एसआईआर कार्य का निरीक्षण करतीं डीएम प्रियंका निरंजन। अमृत विचार

गोंडा, अमृत विचार। जिला पंचायत सभागार में जिला निर्वाचन अधिकारी, जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन की अध्यक्षता में एसआईआर फार्म वितरण और सभी फार्मों के शत-प्रतिशत डिजिटाइजेशन को लेकर जनपद स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि निर्वाचन संबंधी डिजिटाइजेशन कार्य निर्धारित समयावधि और गुणवत्ता के साथ पूर्ण किए जाएं। उन्होंने कहा कि डिजिटाइजेशन प्रक्रिया निर्वाचन की पारदर्शिता और तकनीकी मजबूती से जुड़ी है, इसलिए प्रत्येक स्तर पर सतर्कता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करना आवश्यक है। समीक्षा के उपरांत जिलाधिकारी ने विभिन्न बूथों का औचक निरीक्षण कर कार्य की वास्तविक प्रगति का मूल्यांकन किया। इस दौरान उन्होंने जीजीआईसी इंटर कॉलेज बड़गांव, श्री गांधी विद्या मंदिर इंटर कॉलेज राधाकुण्ड, तथा कंपोजिट विद्यालय मेवतियान का भ्रमण कर एसआईआर फार्म वितरण और डिजिटाइजेशन की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने अधिकारियों व कर्मियों से कार्य की गति, संसाधनों की उपलब्धता और डेटा अपलोडिंग की स्थिति पर विस्तृत जानकारी ली।

एसपी ने सुरक्षा का लिया जायजा

- **अयोध्या में प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर सक्रियता**

सीमा क्षेत्र पर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते पुलिस अधीक्षक। अमृत विचार

गोंडा, अमृत विचार : पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल ने मंगलवार को अयोध्या में आयोजित होने वाले ध्वजारोहण कार्यक्रम एवं प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर नवाबगंज-अयोध्या बॉर्डर का निरीक्षण किया। प्रधानमंत्री के आगमन की संवेदनशीलता एवं अपेक्षित भीड़ व्यवस्थापन को ध्यान में रखते हुए एसपी ने सुरक्षा तैयारियों, चेकिंग पॉइंट्स, पुलिस तैनाती तथा रूट डायवर्जन से संबंधित सभी पहलुओं का गहनता से पड़ताल किया।

निरीक्षण के दौरान एसपी ने बॉर्डर पर लगाए गए बैरियर, सीसीटीवी कैमरों, यातायात मार्गों, एंट्री-एक्जिट चेकपॉइंट्स तथा तैनात सुरक्षा बल की स्थिति का निरीक्षण कर अधिकारियों को सतर्क रहते हुए सुरक्षा में किसी भी प्रकार की कमी न रहने देने के निर्देश दिए। कहा कि प्रधानमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम को देखते हुए बॉर्डर पर आने-जाने वाले वाहनों एवं संदिग्ध व्यक्तियों की सघन चेकिंग अनिवार्य रूप से की जाए तथा सुरक्षा के सभी प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। पुलिस अधीक्षक ने लागू रूट डायवर्जन को मौके पर जाकर चेक किया तथा यातायात को सुचारू रखने के लिए आवश्यक सुधारात्मक दिशा-निर्देश दिए, साथ ही ड्यूटी पर लगे पुलिस बल को उच्च सतर्कता, संवेदनशीलता एवं अनुशासन के साथ ड्यूटी करने के निर्देश दिए। उन्होंने बॉर्डर क्षेत्र में मोबाइल गश्त, इंटरसेप्शन टीम, चेकिंग पिकेट, ड्रोन निगरानी तथा त्वरित प्रतिक्रिया दल (क्यूआरटी) को सक्रिय रहने एवं भीड़ नियंत्रण, चिकित्सा सहायता, फायर यूनिट और अन्य आपात सेवाओं के साथ समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए। सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार्य नहीं होगी।

बंदूक लहरा कर दबंगई का वीडियो वायरल

करनैलगंज : कोतवाली करनैलगंज क्षेत्र के मनिहारी (शिवलाल पुरवा) में दो पक्षों के बीच चल रही पुरानी रंजिश ने रविवार को स्थिति को तनावपूर्ण बना दिया। मनिहारी (शिवलाल पुरवा) निवासी शिवकुमार मिश्र ने कोतवाली में तहरीर देकर आरोप लगाया है कि रविवार को उनके पौत्र अंकित मिश्रा का गोद भराई कार्यक्रम था। कार्यक्रम के दौरान कुछ रिश्तेदार पास स्थित सामुदायिक शौचालय की ओर गए थे। इसी बात को लेकर विपक्षी मनीष उर्फ आनंद, आशीष उर्फ आलोक, अनीश उर्फ सर्वेश पुत्रगण मुन्नालाल, तथा मुन्नालाल, वीरेंद्र उर्फ लल्लन और सुधीर उर्फ अन्नू लाइसेंसी बंदूक व देशी तमंचा लेकर दरवाजे पर आ धमके। शोर सुनकर परिवारजन मौके पर पहुंचे, तब जाकर विपक्षी असलहे लहराते हुए वहां से चले गए। शिवकुमार मिश्र का कहना है कि मुन्नालाल और वीरेंद्र आए दिन असलहों का दुरुपयोग कर डराने-धमकाने का प्रयास करते हैं। वायरल वीडियो की पुष्टि अमृत विचार नहीं करता है। कोतवाल तेज प्रताप सिंह ने बताया कि दोनों पक्षों को थाने बुलाया गया है।

ध्वजारोहण समारोह में शामिल होने को रवाना हुए संत

संघ कार्यालय पर अयोध्या रवाना होने के पहले जुटे लोग। अमृत विचार

गोंडा, अमृत विचार : 25 नवंबर को श्री राम जन्मभूमि पर भाग लेने जा रहे साधु संतों व अन्य प्रबुद्ध जनों का राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कार्यालय पर संघ व विश्व हिंदू परिषद पदाधिकारियों ने माल्यार्पण व चंदन रोली लगाकर स्वागत करके अयोध्या के प्रस्थान कराया गया।

साध्वी शशि दीदी ने कहा कि उनको आमंत्रित किया जाना उनके लिए सौभाग्य का विषय है। राम आसरे ने कहा कि यह गर्व का विषय है। विनोद यादव ने कहा बरसों की प्रतीक्षा पूरी हुई। अयोध्या रवाना होने वालों में छोटे बाबा, महंत रवि पुरी, बाबा रामस्वरूप दास, बाबा भगवान दिन मौर्य, सुरेश प्रजापति, भैया लाल सोनी, डॉ विजय प्रताप मौर्य, ओम प्रकाश साहू, राज कपूर मोदनवाल, महेंद्र जैन, देवेंद्र जायसवाल, मिट्ठू लाल, भवानी प्रसाद इत्यादि सम्मिलित रहे।

मायके जा रही आशा बहू की मौत

नवाबगंज : मायके जाने की खुशी पलभर में मातम में बदल गई, जब अयोध्या में हुई सड़क दुर्घटना ने एक आशा बहू की जिंदगी खत्म कर दी। मैनपुर गांव निवासी 55 वर्षीय कंचन सिंह, जो आशा बहू के रूप में कार्यरत थीं, रविवार को अपने नाती राज सिंह के साथ बाइक से अयोध्या जिले के पूरा बाजार स्थित मायके जा रही थीं। परिजन बताते हैं कि यात्रा बिल्कुल सामान्य थी, लेकिन जैसे ही बाइक दर्शननगर के पास पहुंची, अचानक एक अज्ञात वाहन ने तेज रफ्तार में आकर बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही कंचन सिंह सड़क पर गिर पड़ीं और गंभीर रूप से घायल हो गईं। परिजनों ने उन्हें तत्काल अयोध्या मेडिकल कॉलेज पहुंचाया, जहां उनकी स्थिति नाजुक बताते हुए डॉक्टरों ने उन्हें लखनऊ रेफर कर दिया। मैनपुर गांव के प्रधान दुर्गा सिंह ने बताया कि रास्ते में उनकी मृत्यु हो गई।

जमीन विवाद में खूनी संघर्ष

नवाबगंज : कनकपुर गांव निवासी विनोद कुमार गुप्ता ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 22 नवंबर रात करीब 9:40 बजे गांव के ही राजू उर्फ सोनू, सूरज सोनी, अमित सोनी, विनय सोनी और विजय सोनी अचानक उनके घर में घुस आए। आरोप है कि पुराने जमीन विवाद को लेकर आरोपितों ने गाली-गलौज शुरू कर दी और थोड़ी ही देर में लाठी-डंडों से ताबड़तोड़ हमला बोल दिया। हमले में विनोद कुमार, उनकी पत्नी मंजू देवी और बेटा रघुनन्दन घायल हो गए। रघुनन्दन के सिर पर गहरी चोट लगने से उसका सिर फट गया। परिवार ने किसी तरह शोर मचाकर जान बचाई और बाद में सभी को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। विनोद कुमार का कहना है कि मारपीट के बाद विपक्षी उन्हें जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। थानाध्यक्ष अभय सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर आरोपितों के खिलाफ बलवा सहित गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि जांच के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

दबंगई: जमीन पर कब्जा दिलाने गए इंस्पेक्टर ने जबरन जोतवा दी फसल

- **मनकापुर कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक का कारनामा, डीजीपी को भेजी गई शिकायत**

मनकापुर, गोंडा, अमृत विचार: मनकापुर कोतवाली में तैनात प्रभारी निरीक्षक की दबंगई एक बार फिर सामने आई है। आरोप है कि न्यायालय में मुकदमा लंबित होने के बावजूद इंस्पेक्टर ने एक पक्ष को लाभ पहुंचाने की नियत से सरसों की लगी फसल को ट्रैक्टर लगाकर जोतवा दिया और जमीन कब्जा करा दिया।

दूसरा पक्ष अपना कागज लेकर इंस्पेक्टर के सामने गिड़गिड़ाता रहा लेकिन दबंग इंस्पेक्टर ने उसकी एक नहीं सुनी। आहत पीड़ित ने पूरे मामले की शिकायत पुलिस महानिदेशक को भेजी है और कार्रवाई की मांग की है। मनकापुर कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम महादेवा के रहने वाले जितेंद्र बहादुर शुक्ला ने डीजीपी को भेजे गए शिकायत पत्र में कहा है कि उनके गांव के रहने वाले ठाकुर प्रसाद ने अपनी जमीन जितेंद्र बहादुर के नाम पर एग्रीमेंट कर दिया था जिस पर उनका कब्जा है और वह उस पर वर्षों से खेती कर रहे हैं। ठाकुर प्रसाद की मृत्यु के बाद उनके बेटों कृष्णराम व लक्ष्मण प्रसाद ने इस जमीन को गांव की ही ज्ञानमती को बेंच दिया। जब उन्हें इसकी जानकारी हुई तो उन्होंने बैनामा पर आपत्ति लगा दी और तहसीलदार न्यायालय में मुकदमा दायर कर दिया। यह मुकदमा अभी लंबित है और 24 नवंबर को उसकी सुनवाई है। जितेंद्र बहादुर का कहना है कि चार नवंबर को उन्होंने अपने अधिवक्ता के माध्यम से तरबगंज एसडीएम को प्रार्थना पत्र देकर 164 की कार्रवाई की मांग की थी जिस पर एसडीएम ने कोतवाली मनकापुर से रिपोर्ट तलब की थी। जितेंद्र बहादुर ने बताया कि इसको लेकर प्रभारी निरीक्षक मनकापुर निर्भय नारायण सिंह ने उन्हें 19 नवंबर को थाने बुलाया था, लेकिन उनकी तबीयत ठीक नहीं थी इसलिए उन्होंने अपने स्थान पर अपने बेटे को कोतवाली भेजा था। बेटे ने प्रभारी निरीक्षक को पूरी बात बताई लेकिन उन्होंने उसकी एक नहीं सुनी और तत्काल जमीन से कब्जा हटाने के लिए कहा। जब बेटे ने मुकदमा लंबित होने की बात कही तो नाराज इंस्पेक्टर ने अभद्रता करते हुए उसे थाने से भगा दिया और दरोगा अमरनाथ पाण्डेय व क्षेत्रीय बीट सिपाही संदीप यादव को मौके पर भेजकर उनके सरसो के फसल लगी खेत को जोतवा दिया और दूसरे पक्ष को कब्जा दिला दिया। जितेंद्र बहादुर शुक्ला ने इस पूरे मामले की शिकायत पुलिस महानिदेशक को भेजी है और कार्रवाई की मांग की है।

इंस्पेक्टर बोले- एसपी का है दबाव

अमृत विचार : अपना पक्ष लेकर थाने गए जितेंद्र बहादुर शुक्ला के बेटे राज ने बताया कि जब उन्होंने प्रभारी निरीक्षक निर्भय नारायण सिंह को पूरी बात बताई तो उन्होंने साफ कहा कि वह किसी एसडीएम के आदेश को नहीं मानते। जमीन खाली कराने के लिए उन पर एसपी का भारी दबाव है और उस जमीन को खाली कर दो। जब राज ने जमीन से कब्जा छोड़ने को मना किया तो जबरन उनकी फसल को जोतवाकर दूसरे पक्ष को कब्जा दिला दिया गया।

सिटी डायरी

अस्थाई नौकरियों के कारण देश की आर्थिक स्थिति खराब

गोंडा : सीटू से सम्बद्ध संगठन उत्तर प्रदेश उत्तराखंड मेडिकल एण्ड सेल्स रिप्रेजेंटेटिव्स एसोसिएशन गोण्डा इकाई के दवा प्रतिनिधियों ने 4 लेबर कोड मुर्दाबाद के नारे लगाते हुए जिलाधिकारी के कार्यालय पर पहुंच कर प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री भारत सरकार को संबोधित तीन सूत्रीय मांग पत्र सौंपा मुख्य मांग 4 श्रम संहिता को रद्द करने, सेल्स प्रमोशन एम्पलाईज अधिनियम 1976 को संरक्षित करने तथा एसपीई एक्ट 1976 के सेक्शन 12 के अंतर्गत सेल्स प्रमोशन एम्पलाईज के लिए वैधानिक कार्य नियमावली को बनाए जाने का मांग पत्र दिया। कॉमरेड कौशलेंद्र ने बताया कि 60000 से अधिक ऑनलाइन पिटिशन पूरे भारत से दवा प्रतिनिधियों ने प्रधानमंत्री भारत सरकार को भेजा था परंतु उनके मांगों की अनदेखी किया गया और बिना केंद्रीय श्रम संगठनों के शंकाओं को दूर किए दवा कंपनियों के मालिकों के हितों को ध्यान में रख कर ये 4 लेबर कोड लागू कर दिया गया। 26 नवंबर 2025 संयुक्त किसान मोर्चा और मजदूर संगठनों के साथ व्यापक प्रदर्शन कर फिर ज्ञापन सौंपा जायेगा।

डीएम कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन करते दवा प्रतिनिधि।

बैठक कर तैयारी को अंतिम रूप देते सिंधी समाज के लोग।

निकाली जाएगी सिंधी धर्म गुरु साइ चाडू राम की अस्थि कलश यात्रा

गोंडा। मालवीय नगर स्थित सखी बाबा आसुदाराम आश्रम में सिंधी समाज द्वारा एक बैठक का आयोजन किया गया। सिंधी समाज के प्रवक्ता किशन राजपाल ने बताया कि विगत 15 अक्टूबर को सिंधी समाज के धर्म गुरु साईं चाडू साहब का नश्वर शरीर शांत हो गया था। उसके उपरांत पूरे भारतवर्ष में जहां-जहां उनके आश्रम बने हुए हैं। उन्हीं शहरों में साईं जी की अस्थि कलश यात्रा निकाली जा रही है। इसी क्रम में गोंडा में भी यह यात्रा 26 नवंबर दिन बुधवार को शाम 5 :00 बजे निकाली जाएगी। यह यात्रा बहराइच रोड स्थित आनंदपुर आश्रम से गुरु नानक चौक होते हुए गुड्डू मल चौराहा से झूलेलाल सिंधी धर्मशाला तक निकाली जाएगी।

21 साल पुराने मामले में पूर्व पालिकाध्यक्ष का सरेंडर, गए जेल

गोंडा : नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष निर्मल श्रीवास्तव ने 21 साल पुराने एक मामले में सोमवार को कोर्ट में सरेंडर कर दिया। सरेंडर के बाद अदालत ने उन्हें जेल भेज दिया। वारंट के बावजूद वह न्यायालय के समक्ष उपस्थित नहीं हो रहे थे। इस पर कोर्ट दो दिन पहले ही उन्हे भगोड़ा घोषित किया था। भगोड़ा घोषित होने के बाद उन्होंने सोमवार को न्यायालय के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। दरअसल 21 साल पहले 7 सितंबर 2004 को बिजली व्यवस्था की बदहाली को लेकर निर्मल श्रीवास्तव समेत अन्य कई लोगों ने गुरुनानक चौराहे पर विरोध प्रदर्शन किया था। विरोध प्रदर्शन के दौरान उग्र लोगों ने समाजवादी पार्टी कार्यालय और एक शोरूम में तोड़फोड़ की थी। साथ ही रोडवेज बस में आगजनी और पुलिस टीम पर ईंट-पत्थर चलाने का आरोप भी लगा था। तत्कालीन वरिष्ठ उपनिरीक्षक वीरेंद्र सिंह ने इस संबंध में नगर कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। गिरफ्तारी से बचने के लिये सोमवार को निर्मल ने मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के सामने आत्मसमर्पण कर दिया जहां से कोर्ट ने उन्हें जेल भेज दिया है।

निर्मल श्रीवास्तव।

लीग मुकाबलों में अलीगढ़, आजमगढ़ और गोरखपुर की जीत

फुटबाल खेलतीं महिला खिलाड़ी। अमृत विचार

गोंडा : खेल निदेशालय एवं जिला प्रशासन के तत्वावधान में पंडित दीनदयाल उपाध्याय जन्म शताब्दी वर्ष पर आयोजित प्रदेश स्तरीय सीनियर महिला फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन स्थानीय जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में 20 नवंबर से 27 नवंबर तक किया जा रहा है। प्रतियोगिता के पांचवें दिन लीग मैच का शुभारंभ उप क्रीड़ा अधिकारी अशोक सोनकर ने किया। पहले मुकाबले में अलीगढ़ ने मुरादाबाद को 9-0 से हराया। दूसरे मैच में आजमगढ़ ने अयोध्या को 4-0 से पराजित किया, जबकि तीसरे मैच में गोरखपुर ने विंध्याचल को 2-0 से शिकस्त दी। लीग चरण के मैच सोमवार को संपन्न हुए, जबकि मंगलवार से प्रतियोगिता के नॉकआउट मुकाबले शुरू होंगे। मैच कमिश्नर आसिफ नजबी, बहराइच मंडल सचिव फुटबॉल आयुब शाह उपस्थित रहे।

जानकारी | गांव-गांव अगहन माह की पंचमी पर होता है राम विवाह उत्सव

अवध की माटी में रचा बसा है राम के विवाह का उत्सव

संवाददाता, रुपईडीह/गोंडा

अमृत विचार: अयोध्या की 84 कोसी शास्त्रीय सीमा और राम की गोनर्द भूमि गोंडा राम के हर कार्य का पौराणिक काल से गवाह रही है। ऋषियों की तपोस्थली रही गोनर्द की भूमि पर हजारों वर्षों से राम के जन्मोत्सव से लेकर विवाहोत्सव एवं राज तिलक तक के उत्सव लोग मनाते चले आ रहे हैं। 25 नवंबर को भगवान राम के विवाह का उत्सव पूरी श्रद्धा के साथ मनाया जाएगा। अयोध्या में जहां श्रीराम मंदिर पर ध्वज का आरोहण होगा वहीं गोंडा की धरती पर बसे गांवों में राम विवाह का उत्सव मनाया जाएगा।

पुरैनिया गांव स्थित चतुर्भुजी नाथ मंदिर।

अगहन मास के शुक्ल पक्ष पंचमी के शुभ अवसर पर तथा संस्कृति और आस्था से परिपूर्ण ग्राम पंचायत पुरैनिया स्थित प्राचीन चतुर्भुजी नाथ, भगवान विष्णु एवं शिव मंदिर, कटरा बाजार के सर्वांगपुर, छिरास समेत कई गांवों में राम विवाह उत्सव मनाया जाएगा। तीन दिनों तक चलने वाले विवाहोत्सव में विवाह के वे सारे कार्यक्रम किए जाएंगे जो एक सनातन परंपरा के विवाह में होता है। चतुर्भुजी परिसर में इस वर्ष भी तीन दिवसीय राम विवाह मेला 25 नवंबर से शुरु होगा। मेले में मनोरंजन के लिए झूले, सर्कस और तरह-तरह की दुकानें सजनी शुरू हो गई हैं। रूपईडीह ब्लॉक क्षेत्र के पुरैनिया गांव में करीब 200 वर्ष पुराने इस ऐतिहासिक मंदिर का अपना एक रोचक इतिहास है। मेला आयोजक पूर्व प्रधान शेषराज पांडेय, उदयराज पांडेय और माधवराज पांडेय के अनुसार वर्षों पहले गांव में कुआं खुदवाते समय चतुर्भुजी नाथ की प्रतिमा मिली थी।

गांव के कलाकार करते हैं रामलीला का मंचन

ग्रामीण कलाकारों द्वारा राम विवाह और विभिन्न पात्रों का जीवंत रंगमंचन इस मेले का विशेष आकर्षण रहा है। गांव के ही युवा कलाकार अंशुमान पांडेय(राम), अमर चौबे (लक्ष्मण), शेषराज पांडेय (राजा दशरथ व जनक), शुभम पांडेय (भरत), प्रमोद पांडेय (विश्वामित्र) विजय कुमार पांडेय (रावण), अर्पित पांडेय (बाणासुर), अंकुश पांडेय (परशुराम) राम विवाह प्रसंग मे नाटक प्रस्तुत करते हैं।

न्यूज ब्रीफ

आज खुले रहेंगे पोलिंग बूथ वाले विद्यालय

बहराइच, अमृत विचार : बीएसए आशीष कुमार सिंह ने बताया कि जिले में प्रक्रियाधीन विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के दृष्टिगत डीएम अक्षय त्रिपाठी के निर्देश पर 25 नवम्बर को श्री गुरु तेग बहादुर शहीद दिवस अवकाश के दिन पोलिंग बूथ वाले समस्त परिषदीय विद्यालय खुले रहेंगे। समस्त कार्मिक जिनकी ड्यूटी एसआईआर में लगाई गयी है, वे ससमय उपस्थित रहकर दायित्व का निर्वहन करेंगे।

ठप रहता है ग्रामीण बैंक का नेटवर्क

रुपईडीहा, बहराइच, अमृत विचार : उप्र ग्रामीण बैंक की स्थानीय शाखा में इन दिनों नेटवर्क की लगातार समस्या बनी हुई है। श्री रामजानकी इण्टर कॉलेज में कार्यरत शिक्षक एपी श्रीवास्तव ने बताया कि बैंक में अक्सर नेटवर्क नहीं रहता है, जिसके कारण बैंकिंग कार्य बाधित हो जाते हैं। खाता धारकों को भी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। कई ग्राहकों को छोटे कार्य के लिए भी दो-तीन दिनों तक बैंक के चक्कर लगाने पड़ते हैं। अन्य ग्राहकों का कहना है कि नेटवर्क समस्या के कारण न तो समय पर रुपये जमा हो पाते हैं और न ही निकासी की प्रक्रिया सुचारु रूप से हो पाती है। स्थानीय लोगों ने बैंक प्रबंधन से रुपईडीहा शाखा की नेटवर्क व्यवस्था में सुधार की मांग की है।

26 को होगा सामूहिक विवाह कार्यक्रम

बहराइच, अमृत विचार : मुख्य विकास अधिकारी मुकेश चन्द्र ने बताया कि 26 नवम्बर को विकास खण्ड तेजवापुर अन्तर्गत रामलीला मैदान में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में 400 जोड़ों का सामूहिक विवाह सम्पन्न होगा। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए परियोजना निदेशक, जिला ग्राम्य विकास अभिकरण व जिला विकास अधिकारी को प्रभारी नामित किया गया है।

फार्मर आईडी न बनवाने पर नहीं मिलेगा योजनाओं का लाभ

बहराइच, अमृत विचार : उप कृषि निदेशक विनय कुमार वर्मा ने बताया कि फार्मर आईडी बनवाने में रुचि न लेने वाले किसानों को विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में असुविधा होगी। जिले में कुल 05 लाख 08 हजार 600 किसानों की फार्मर आईडी बनाए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके सापेक्ष 03 लाख 32 हजार 676 किसानों की फार्मर आईडी बनाई गयी है, जो कि लक्ष्य का मात्र 65 .41 प्रतिशत है। श्री वर्मा ने बताया कि फार्मर आईडी न बनवाने वाले किसानों को योजनाओं के लाभ से वंचित किया जा सकता है। उन्होंने किसानों से अपील की है कि फार्मर आईडी बनवा लें।

बीएलओ के कार्यों की होगी निगरानी

कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी ने अधिकारियों के साथ की बैठक, दिया निर्देश

संवाददाता, बहराइच

कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक करते जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी। ● अमृत विचार

अमृत विचार : निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार संचालित विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम अन्तर्गत भरे हुए प्रपत्रों को प्राप्त कर समय से डिजिटाइजेशन का कार्य सम्पन्न कराने के उद्देश्य से जिला स्तरीय अधिकारियों को पर्यवेक्षण की जिम्मेदारी सौंपी गई है। बूथ लेबल अधिकारी के स्तर पर की जा रही कार्यवाही की सतत निगरानी के लिए एक जिला स्तरीय अधिकारी को 20-20 बूथ की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

निगरानी हेतु नामित किये गये अधिकारियों के साथ कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक के दौरान जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी ने बताया कि प्रत्येक सुपरवाइजर के अधीन लगभग 10 बीएलओ कार्य कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि एक जिला स्तरीय अधिकारियों को 02 सुपरवाइजर्स जिसके अधीन लगभग 20 बीएलओ आते हैं, की निगरानी का टास्क सौंपा जा रहा है। डीएम ने कहा कि विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम के प्रभावी, पारदर्शी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए नामित अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी जा रही है। डीएम ने कहा कि सभी अधिकारी यह सुनिश्चित करेंगे कि प्रत्येक मतदाता तक गणना प्रपत्र समयबद्ध रूप से पहुंचे तथा भरे हुए प्रपत्र प्राप्त भी किये जायें।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी अमित कुमार, डीडीओ राज कुमार, पीडी डीआरडीए मनीष कुमार, आईसीडीएस विभाग व अन्य सम्बन्धित मौजूद रहे।

तालाब में मिला अधेड़ का शव

नानपारा, बहराइच, अमृत विचार : अगनूपुरवा बाईपास के पास स्थित एक तालाब में दिन में करीब 3 बजे एक अधेड़ का शव उतराता मिला। वह बीते 22 नवंबर की शाम से लापता था।

शव की पहचान मढ़ल्लू पुत्र खेलावन के रूप में हुई है। भाई कोइलऊ ने पुलिस को बताया कि मढ़ल्लू बीते शनिवार को दोपहर 2 बजे अगनूपुरवा बाईपास पर मछली बेचने गए थे जब शाम तक घर नहीं लौटे तो परिजनों ने तलाश शुरू कर दी खोजबीन के दौरान मढ़ल्लू का सामान और साइकिल तो मिल गई, लेकिन वह खुद नहीं मिले जिसके बाद भाई कोइलऊ ने कोतवाली में अपने भाई की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

बार्डर एरिया में गश्त करते पुलिस व एसएसबी के जवान। ● अमृत विचार

नेपाल सीमा पर हाई अलर्ट, हो रही सघन तलाशी

बहराइच, अमृत विचार : मंगलवार को अयोध्या में प्रधानमंत्री के कार्यक्रम की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर इंडो नेपाल बॉर्डर रुपईडीहा पर हाई अलर्ट है। भारतीय सीमा में प्रवेश करने वाली सभी गाड़ियों तथा आने वाले व्यक्ति की संघन चेकिंग की जा रही है। इस बारे में जानकारी देते हुए डिप्टी एसपी प्रद्युम्न सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को लेकर बार्डर पर सुरक्षा व्यवस्था काफी बढ़ा दी गयी है। भारत-नेपाल की खुली सीमा की पगडंडियों पर सुरक्षा सख्त कर दी गई है ड्रोन कैमरा और बहराइच पुलिस के साथ सशस्त्र सीमा बल के जवानों द्वारा 24 घंटे इंडो नेपाल बॉर्डर की निगरानी की जा रही है हर आने जाने वालों व्यक्ति की तलाशी ली जाती है इसके बाद ही भारतीय सीमा में प्रवेश दिया जाता है।

रिश्तेदार महिला ने ही चुराये थे 50 लाख के जेवरात

बहराइच, अमृत विचार : दरगाह थाना क्षेत्र स्थित एक सोसाइटी में रहने वाले दवा व्यापारी के यहां बीते दिनों करीब 50 लाख के गहने चोरी हो गए थे । व्यापारी ने इस मामले अपनी पत्नी की सगी भाभी पर चोरी का शक जताते हुए स्थानीय थाने में तहरीर दी थी । पुलिस ने महिला को गिरफ्तार कर उसके पास से चोरी किए गए गहने बरामद किए हैं।

दवा व्यापारी मनोज बंसल अपने परिवार के साथ नगर स्थित ग्रीन सिटी में रहते हैं । बीते दिनों उनके घर पर अम्बेडकर नगर की रहने वाली सरहज शिवानी आई थी। इसी दौरान 21 नवंबर को व्यापारी की पत्नी सोनी की तबियत खराब हो गई जिसके चलते वह उन्हें दिखाने के लिए लेकर गए थे। इसी दौरान उनके घर की अलमारी से 50 लाख के जेवर गायब हो गए । लौटने पर महिला रिश्तेदार भी मौजूद नहीं थी। इसके बाद उन्होंने दरगाह थाने पर तहरीर दी थी । सोमवार को पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर उसके पास से चोरी किए गए सामान को बरामद किया है । अपर पुलिस अधीक्षक नगर अशोक सिंह ने बताया आरोपी महिला को गहनों के साथ गिरफ्तार किया गया है । पुलिस अभिरक्षा में उसे न्यायालय भेजा गया है।

ऑनलाइन ओपीडी पर्चा काउंटर का शुभारंभ

पयागपुर, बहराइच, अमृत विचार : सीएचसी में ऑनलाइन ओपीडी पर्चा काउंटर का शुभारंभ किया गय ाहै। यह नई सुविधा आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन पोर्टल के तहत शुरू की गई है। इसके माध्यम से मरीज अपना ऑनलाइन पंजीकरण करवा सकते हैं। सीएमओ डॉ. संजय कुमार के प्रयासों से यह सुविधा शुरू हो पाई है। इसका लाभ जनता को मिले गा। सीएचसी अधीक्षक डॉ. धीरेंद्र तिवारी ने इस पहल के बारे में विस्तार से जानकारी दी । डॉ. धीरेंद्र के अनुसार, सुरक्षित रिकॉर्ड रहने से जरूरत पड़ने पर पर्चा ऑनलाइन निकाला जा सकता है। मरीजों के डेटा प्रबंधन में भी सहूलियत होगी।

सदर में समय से पूरा होगा एसआईआर का कार्य

संवाददाता, बहराइच

पत्रकारों से बातचीत करते नगर मजिस्ट्रेट राजेश चौरसिया व एसडीएम सदर पूजा चौधरी।

अमृत विचार : सदर बहराइच में एसआईआर का काम निर्धारित समय में पूरा कर लिया जायेगा। इसके लिए बीएलओ पर पूरा ध्यान दिया जा रहा है। उनके सामने आने वाली किसी भी समस्या का त्वरित निराकरण किया जा रहा है। अब तक लगभग 17 फीसदी फार्मों का डिजिटाइजेशन हो चुका है। फार्म मतदाताओं को पहुंचा दिये गये हैं।

ये बातें एसडीएम सदर कार्यालय में सिटी मजिस्ट्रेट राजेश चौरसिया और एसडीएम सदर पूजा चौधरी ने अपने संयुक्त संबोधन में कहीं। नगर मजिस्ट्रेट चौरसिया ने बताया कि सदर क्षेत्र में चार लाख तेरह हजार नौ सौ चौंतीस मतदाता हैं। इन सभी मतदाताओं को फार्म उपलब्ध करवा दिये गये हैं तथा 16.56 फीसदी फार्म डिजिटाइजेशन किये जा चुके हैं

सिटी मजिस्ट्रेट चौरसिया ने बताया कि सदर विधानसभा क्षेत्र में एसआईआर का कार्य तेजी से चल रहा है। सदर क्षेत्र में कई बीएलओ अच्छा काम कर रहे हैं। कुछ ने तो अपना 50 प्रतिशत काम पूरा भी कर लिया है। इनमें राकेश कुमार, नानबाबू वर्मा, राकेश मौर्य, पंकज कुमार मिश्र, रानी यादव शामिल हैं। सिटी मजिस्ट्रेट ने बताया कि लापरवाही में तीन बीएलओ पर कार्रवाई की गई है । उन्होंने कहा कि जो बीएलओ शत-प्रतिशत कार्य पूरा कर लेंगे उन्हें सम्मानित किया जायेगा। इससे पूर्व सिटी मजिस्ट्रेट चौरसिया तथा एसडीएम सदर पूजा यादव ने तहसील सभागार से सदर क्षेत्र के सभी सभासदों के साथ बैठक कर कार्य की प्रगति की जानकारी ली।

नागरिक भी करें सहयोग : नगर मजिस्ट्रेट राजेश चौरसिया ने कहा कि एसआईआर कार्य में हर नागरिक की सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने कहा कि बीएलओ भी पूरी मेहनत भी कर रहे हैं ऐसे में आपका सहयोग उन्हें बल प्रदान करेगा। वह कहते हैं कि हम सब मिलकर इस कार्य को और बेहतर ढंग से अंजाम दे सकते हैं।

डीएम ने इंटर कॉलेज का किया निरीक्षण

बलरामपुर अमृत विचार : जिलाधिकारी विपिन कुमार जैन ने रविवार को राजकीय आश्रम पद्धति इंटर कॉलेज बालापुर का औचक निरीक्षण कर शिक्षण गतिविधियों एवं आवासीय व्यवस्थाओं की समीक्षा की। डीएम ने कक्षाओं का अवलोकन करते हुए शिक्षकों को बच्चों की विषयवार मजबूत तैयारी कराने के निर्देश दिए।

उन्होंने छात्र-छात्राओं से सीधे संवाद कर उनकी पढ़ाई, उपलब्ध शिक्षण सामग्री, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, दैनिक दिनचर्या और अन्य समस्याओं की जानकारी ली। छात्रों ने डीएम के सामने अपनी आवश्यकताओं और सुझावों को भी रखा।

बलरामपुर चीनी मिल ने किसानों को किया भुगतान

बलरामपुर अमृत विचार : किसानों के हितों को सर्वोपरि रखते हुए बलरामपुर चीनी मिल्स लिमिटेड बलरामपुर ने पेराई सत्र 2025-26 के पहले चरण का गन्ना मूल्य भुगतान जारी कर दिया है। मिल द्वारा 15 नवंबर से 18 नवंबर तक चार दिनों में खरीदे गए गन्ने का कुल 637.36 लाख रुपये का भुगतान आज सोमवार को किसानों के बैंक खातों में भेज दिया गया।

मिल के अधिशासी अध्यक्ष केके बाजपेई ने बताया कि बलरामपुर चीनी मिल सदैव किसानों की खुशहाली व पारदर्शी भुगतान व्यवस्था के लिए प्रतिबद्ध रही है। इसी क्रम में इस वर्ष भी मिल समय से गन्ना मूल्य भुगतान कर प्रदेश में अग्रणी रहने का लक्ष्य बनाए हुए है।

अधिशासी अध्यक्ष ने किसानों को गुणवत्तापूर्ण फसल उत्पादन के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि अच्छी पेड़ी के खेतों में को-15023, को-0118 व कोलख-14201 किस्मों की द्वितीय पेड़ी अवश्य रखें, जिससे कम लागत में अधिक उत्पादन संभव है।

उन्होंने किसानों से अपील की कि वे मिल को साफ-सुथरा, जड़-पत्ती व अगोला रहित ताज़ा गन्ना ही आपूर्ति करें। साथ ही पर्ची की वैधता तिथि में गन्ना आपूर्ति कर अपने बेसिक कोटा में वृद्धि सुनिश्चित करें।

छात्राओं को किया गया जागरूक

बहराइच, अमृत विचार : मिशन शक्ति फेज -5 , राष्ट्रीय साइबर जागरूकता व यातायात नियमों व सड़क सुरक्षा के प्रति जन-जागरूकता अभियान के अंतर्गत नाजिरपुरा स्थित आदर्श इण्टर कालेज में प्रभारी निरीक्षक की उपस्थिति में मिशन शक्ति टीम द्वारा बालक व बालिकाओं को योजनाओं तथा महिला संबंधी घटित अपराध की शिकायत के लिए टोल फ्री नंबर 1090 ,1098 ,1076, 112 ,181, 108 की जानकारी दी गयी।

साइबर संबंधित अपराध के बारे में बताया गया कि ओटीपी नम्बर, बैंक खाता नम्बर, एटीएम कार्ड का सीवीवी नम्बर किसी अंजान व्यक्ति से शेयर न करें।

बलरामपुर में खुलेगा अत्याधुनिक पशु डायग्नोस्टिक सेंटर

बलरामपुर अमृत विचार : पशुपालन विभाग ने जिले में पशु उपचार सेवाओं को मजबूत करने के लिए बड़ा कदम उठाया है। जिला मुख्यालय स्थित राजकीय पशु चिकित्सालय में जल्द ही एक हाईटेक एनिमल डायग्नोस्टिक सेंटर स्थापित किया जाएगा। इस केंद्र में एक्स-रे, अल्ट्रासाउंड, रक्त जांच सहित कई उन्नत परीक्षण सुविधाएं उपलब्ध होंगी। जिससे बेजुबान पशुओं की बीमारी का सही निदान कर त्वरित और बेहतर उपचार किया जा सकेगा। यह पूरा प्रकल्प पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल के तहत विकसित होगा। विभाग ने इसके संचालन के लिए निजी कंपनियों से प्रस्ताव भी आमंत्रित किए हैं। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि अनुबंध की औपचारिकताओं के बाद केंद्र को अत्याधुनिक उपकरणों से लैस किया जाएगा। एक्स-रे यूनिट, अल्ट्रासाउंड मशीन, उन्नत लैब टेस्टिंग, ऑपरेशन थिएटर और इमरजेंसी सुविधा जैसी सेवाएं यहां उपलब्ध कराई जाएंगी।

महिलाओं को जागरूक करते पुलिसकर्मी। ● अमृत विचार

पुलिस ने महिला सुरक्षा को लेकर चलाया अभियान

बलरामपुर, अमृत विचार : महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा व सशक्तिकरण को प्राथमिकता देते हुए जनपद बलरामपुर में "मिशन शक्ति फेज-5 .0" के तहत व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। पुलिस अधीक्षक विकास कुमार के निर्देशन व अपर पुलिस अधीक्षक विशाल पाण्डेय और क्षेत्राधिकारीगण के पर्यवेक्षण में जिले के सभी थानों पर महिला सुरक्षा से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए गए। अभियान के तहत महिला बीट पुलिसकर्मियों ने स्कूलों, बाजारों और ग्राम पंचायतों में जाकर महिलाओं व किशोरियों को आत्मरक्षा, साइबर सुरक्षा, घरेलू हिंसा, गुड टच-बैड टच और उनके कानूनी अधिकारों के बारे में जानकारी दी। महिलाओं को आवश्यक हेल्पलाइन नंबर 1090, 112, 181, 108, 1098, 102 व 1930 के उपयोग की प्रक्रिया भी समझाई गई। मिशन शक्ति केंद्रों में उपलब्ध सुविधाओं से भी अवगत कराया गया।

दुष्कर्म के आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

बलरामपुर, अमृत विचार : थाना रेहरा बाजार क्षेत्र में नाबालिग से दुष्कर्म की घटना को अंजाम देने वाले आरोपी को पुलिस ने घटनाक्रम के 48 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। बीती 22 नवंबर को पीड़िता के पिता ने थाने में प्रार्थना-पत्र देकर आरोप लगाया था कि गांव के ही राम महेश ने टॉफी और पैसों का लालच देकर उसकी नाबालिग पुत्री को पास के जंगल में ले जाकर दुष्कर्म किया। तहरीर के आधार पर थाना रेहरा बाजार में अभियोग पंजीकृत कर जांच शुरू की गई। 24 नवंबर को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने आरोपी राम महेश को बजहा मंदिर के पास से गिरफ्तार कर लिया।

समीक्षा बैठक में मौजूद जिलाध्यक्ष व अन्य भाजपा पदाधिकारी। ● अमृत विचार

भाजपा जिलाध्यक्ष ने की समीक्षा बैठक

बलरामपुर, अमृत विचार : विशेष मतदाता प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसआईआर) को प्रभावी बनाने के लिए भाजपा कार्यालय अटल भवन में सोमवार को समीक्षा बैठक आयोजित हुई। अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष रवि कुमार मिश्रा ने की। उन्होंने बूथ अध्यक्षों, बीएलए-2, बूथ प्रवासियों और वार रूम टीम से अब तक की प्रगति का ब्योरा लेते हुए गणना फार्म भरने में आ रही समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की। जिलाध्यक्ष ने कहा कि मतदाता पुनरीक्षण लोकतांत्रिक प्रक्रिया का आधार है, इसलिए बूथ स्तर पर सटीक आंकड़े संकलित करना प्रत्येक कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है। यदि किसी स्तर पर तकनीकी या प्रक्रियागत बाधा आ रही है तो उसे तत्काल चिन्हित कर समाधान कराया जाएगा। उन्होंने बीएलए-1, बीएलए-2 और बूथ अध्यक्षों की टीम को एसआईआर अभियान की रीढ़ बताते हुए समय से कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

सिटी डायरी

शिविर का उद्घाटन करते अतिथि। अमृत विचार

शिवपुरा में लगा नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर

रुपईडीहा, बहराइच : आदर्श थाना कोतवाली रुपईडीहा क्षेत्र के शिवपुरा पंचायत भवन में सोमवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नेतृत्व में राधेलाल हरिनारायण चैरिटेबल ट्रस्ट आरएचएन फाउंडेशन रवि अग्रवाल के द्वारा नि :शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ कराने के उद्देश्य से लगाए गए इस शिविर में लोग लाभान्वित हुए। शिविर का शुभारंभ भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण एवं आरती के साथ किया गया। आरएचएन फाउंडेशन के सहयोग से सीतापुर नेत्र अस्पताल से पहुंचे विशेषज्ञों की टीम शिविर संचालक अरविंद मिश्रा के नेतृत्व में लगभग 190 मरीजों की नेत्र जांच की गई।

यातायात जागरूकता रैली निकालते वरिष्ठ उप निरीक्षक।

कोऑर्डिनेटर बनाए जाने पर सम्मान करते शिक्षक।

यातायात जागरूकता रैली निकाली गयी

जरवल रोड, बहराइच, अमृत विचार : गायत्री विद्यालय जरवल रोड परिसर से यातायात माह जागरूकता अभियान की रैली वरिष्ठ उप निरीक्षक बिंदेश्वरी प्रसाद यादव के नेतृत्व में निकाली गई। रैली विद्यालय से चलकर लखनऊ गोंडा मार्ग सहित अन्य मार्गों पर जाकर लोगों को जागरूक किया गायत्री विद्यालय परिसर से छात्र-छात्राओं की रैली बिंदेश्वरी प्रसाद यादव के सहयोग से यातायात जागरूकता निकाली गयी। श्री यादव ने छात्र-छात्राओं से कहा कि रैली के जरिये लोगों को यातायात नियमों का पालन करने की अपील की जा रही है। इस अवसर पर विद्यालय के कोऑर्डिनेटर पंकज तिवारी सहित बड़ी संख्या में छात्राएं मौजूद रहीं।

प्रो. एसपी मिश्र बने नए आईक्यूएसी कोऑर्डिनेटर

बलरामपुर, अमृत विचार : एम.एल.के. पीजी कॉलेज में संचालित आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के नए कोऑर्डिनेटर के रूप में प्रो. एस.पी. मिश्र को नामित किया गया है। प्रो. मिश्र के दायित्व ग्रहण करने पर महाविद्यालय के शिक्षकों ने उन्हें बधाई देते हुए खुशी जाहिर की है। प्राचार्य प्रो. जे.पी. पाण्डेय ने बताया कि आईक्यूएसी का मुख्य उद्देश्य शैक्षणिक एवं प्रशासनिक प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए एक संगठित और प्रभावी प्रणाली विकसित करना है। यह प्रकोष्ठ महाविद्यालय में गुणवत्ता-उन्मुख संस्कृति को बढ़ावा देता है, विभिन्न गतिविधियों का समन्वय स्थापित करता है।

जय घोष के साथ राम भक्तों के जत्थे को रवाना करते विधायक व अन्य लोग।

भक्त अयोध्या रवाना

बलरामपुर, अमृत विचार : अयोध्या स्थित श्री राम जन्मभूमि मंदिर में सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति में आयोजित होने वाले झंडारोहण कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए बलरामपुर से जाने वाले राम भक्तों के जत्थे को रविवार को एम.पी.पी. इंटर कॉलेज मैदान से विदा किया गया। जत्थे का नेतृत्व विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष लड्डू सिंह तथा डॉ. कुलदीप विश्वकर्मा कर रहे हैं। विदाई समारोह में जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और बड़ी संख्या में राम भक्तों ने प्रतिभाग किया।

कार्यक्रम | **एनी बेसेन्ट हाई स्कूल में बाल मेला सम्पन्न**

बच्चों ने रचनात्मक प्रतिभा का किया प्रदर्शन

संवाददाता, बलरामपुर

बाल मेले में लगे स्टाल का निरीक्षण करते अतिथिगण। ● अमृत विचार

अमृत विचार : नगर के मोहल्ला चिकनी स्थित एनी बेसेन्ट हाई स्कूल में आयोजित बाल मेला उत्साह, उमंग और बाल प्रतिभाओं का अनोखा संगम रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डी.पी. सिंह बैस तथा विशिष्ट अतिथिगण डॉ. अब्दुल कय्यूम, डॉ. आसिफ, अमरनाथ शुक्ल और मंजू तिवारी ने संयुक्त रूप से किया।

मेले में नन्हे-मुन्ने छात्र-छात्राओं ने विभिन्न रोचक खेलों व गतिविधियों में भाग लेकर अपनी रचनात्मकता और प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। थ्रो बॉल, रिंग गेम, जादू गेम, बिंदी गेम, बॉटल स्टैंड गेम, नापतोल टच गेम जैसे प्रतियोगिताओं ने बच्चों में जबरदस्त उत्साह भर दिया। वहीं आकर्षक फूड स्टॉल ने कार्यक्रम को और अधिक मनोरंजक बना दिया।

विद्यालय प्रबंधक फाजिल शमसी ने सभी अतिथियों, अभिभावकों और आगंतुकों का स्वागत एवं अभिनंदन किया।

मुख्य अतिथि डी.पी. सिंह बैस ने कहा कि बाल मेला बच्चों की रचनात्मकता, आत्मविश्वास और व्यक्तित्व विकास का बेहतरीन माध्यम है। ऐसे कार्यक्रमों से बच्चों में नेतृत्व क्षमता, टीम भावना और सीखने की प्रेरणा को मजबूती मिलती है। उन्होंने विद्यालय के शिक्षकों व प्रबंधन की सराहना करते हुए बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मेले में विद्यार्थियों, अभिभावकों और स्थानीय लोगों की उत्साहपूर्ण भागीदारी रही, जिससे कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

गांव के पास दिखा तेंदुआ ग्रामीणों में दहशत

महराजगंज तराई, बलरामपुर, अमृत विचार : बरहवा रेंज के अंतर्गत स्थित ग्राम हरिजन पुरवा में रविवार शाम उस समय हड़कंप मच गया जब ग्रामीणों ने गांव के दक्षिण दिशा में तेंदुए को घूमते हुए देखा। गांव निवासी राजाबाबू ने बताया कि वह करीब 7 बजे महाराजगंज तराई निमंत्रण में जा रहे थे। उसी दौरान अचानक रास्ते में तेंदुआ दिखाई पड़ा। उन्होंने तत्काल शोर मचाकर अन्य ग्रामीणों को सतर्क किया।

राजाबाबू के हल्ला करते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचने लगे, लेकिन इससे पहले ही तेंदुआ गन्ने के खेतों की ओर भाग गया। ग्रामीण हरिराम, शिवनरेश, लवकुश, अंजनी, अमन, अजय सहित कई लोगों ने गांव में पिंजरा लगाने की मांग की है।

जय घोष के साथ राम भक्तों के जत्थे को रवाना करते विधायक व अन्य लोग।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	84,900.71	25,959.50
गिरावट	331.21	108.65
प्रतिशत में	0.39	0.42

सोना 1,25,400 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,55,000 प्रति किलो

अमृत विचार

अयोध्या, मंगलवार, 25 नवंबर 2025

www.amritvichar.com

भारत, कनाडा एफटीए वार्ता फिर करेंगे शुरू

केंद्रीय उद्योग मंत्री गोयल बोले- 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 50 अरब डॉलर तक बढ़ाने की योजना

नई दिल्ली, एजेंसी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत और कनाडा मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए बातचीत फिर से शुरू करने पर सहमत हो गए हैं। इसका मकसद 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 50 अरब डॉलर तक बढ़ाना है।

गोयल ने सोमवार को यहां एक कार्यक्रम में कहा कि एफटीए या व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) में कई रणनीतिक पहलू होते हैं और यह दोनों देशों के बीच विश्वास को दर्शाता है। इस समझौते से दोनों पक्षों के निवेशकों और कारोबारियों का विश्वास बढ़ेगा। मंत्री ने कहा कि हम उच्च-महत्वाकांक्षी सीईपीए पर वार्ता शुरू करने और 2030 तक दोनों देशों के बीच व्यापार को दोगुना करने पर सहमत हुए हैं। दोनों देश स्वाभाविक सहयोगी हैं और एक-दूसरे के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं करते हैं। भारत और कनाडा की ताकतें व्यवसायों एवं निवेशकों के लिए एक महत्वपूर्ण शक्ति बन सकती हैं। हम कनाडा से बहुत कुछ सीख सकते हैं और कनाडा को बहुत कुछ दे सकते हैं। महत्वपूर्ण खनिजों और महत्वपूर्ण खनिजों की प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियों में अपार संभावनाएं हैं। परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में, खासकर यूरेनियम आपूर्ति के क्षेत्र में कनाडा के साथ हमारे सहयोग को लेकर अच्छी संभावनाएं हैं।

उन्होंने कहा कि हम दोनों ओर अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता ला सकते हैं।'' कनाडा ने 2023 में भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत रोक दी थी। 2023 में हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत के संभावित संबंध होने के कनाडा के तत्कालीन प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के आरोपों के बाद दोनों देशों के संबंधों में तनाव उत्पन्न हुआ था। भारत ने ट्रूडो के आरोपों को बेतुका बताते हुए खारिज कर दिया था। मार्च 2022 में दोनों देशों ने एक अंतरिम समझौते के लिए वार्ता फिर से शुरू की थी, जिसे आधिकारिक तौर पर प्रारंभिक प्रगति व्यापार समझौता (ईपीटीए) कहा गया था। व्यापार समझौते पर अब तक छह से अधिक दौर की वार्ता हो चुकी है। आम तौर पर किसी व्यापार समझौते में दो देश अपने बीच व्यापार की अधिकतम वस्तुओं पर सीमा शुल्क में उल्लेखनीय कमी करते हैं या उसे समाप्त कर देते हैं। वे सेवाओं में व्यापार को बढ़ावा देने और निवेश आकर्षित करने के लिए मानदंडों को भी उदार बनाते हैं।

मोदी-कार्नी की वार्ता के बाद संबंधों में आई नई ऊर्जा

कनाडा को भारत का निर्यात 2024-25 में 9.8% बढ़कर 4.22 अरब डॉलर हो गया जो 2023-24 में 3.84 अरब डॉलर था। वहीं आयात 2.33% घटकर 4.44 अरब डॉलर रह गया जो 2023-24 में 4.55 अरब डॉलर था। जून में कनाडा के कनानसकीस में जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी की अपने कनाडाई समकक्ष मार्क कार्नी के साथ हुई बातचीत के बाद दोनों देशों के बीच संबंधों में नई ऊर्जा आई। भारत और कनाडा के बीच वस्तुओं एवं सेवाओं का द्विपक्षीय व्यापार 2023 में 18.38 अरब डॉलर का था। व्यापारिक संबंधों को गति देने के लिए गोयल ने कनाडा के निर्यात संवर्धन, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार एवं आर्थिक वृद्धि मंत्री मनिंदर सिद्धू के साथ दो दौर की चर्चा की है। सिद्धू हाल ही में यहां यात्रा पर आए थे। दोनों मंत्रियों ने इस महीने की शुरुआत में यहां व्यापार एवं निवेश पर भारत-कनाडा मंत्रिस्तरीय संवाद (एमडीटीआई) की सह-अध्यक्षता भी की थी। गोयल ने कहा कि हम डेटा सेंटर, क्वांटम कंप्यूटिंग, मशीन लर्निंग सभी नए युग की प्रौद्योगिकियों के साथ एआई (कृत्रिम मेधा) जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं जहां भारत के पास एआई उभरती प्रौद्योगिकियों का लाभ उठाने के इच्छुक निवेशकों के लिए बहुत ही रणनीतिक लाभ हैं।

सिम के दुरुपयोग पर मोबाइल उपयोगकर्ता होगा जवाबदेह

- दूरसंचार विभाग ने सीएलआई का उपयोग न करने की हिदायत भी दी

नई दिल्ली, एजेंसी

अगर मोबाइल फोन उपभोक्ता के नाम पर खरीदा गए सिम का इस्तेमाल साइबर धोखाधड़ी या अवैध गतिविधि में होता है, तो उसके लिए मूल ग्राहक को कानूनी रूप से जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। सोमवार को आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई।

दूरसंचार विभाग ने कहा कि मोबाइल फोन की आईएमईआई संख्या में छेड़छाड़, फर्जी दस्तावेजों पर सिम लेना या दूसरों को सिम सौंपना गंभीर उल्लंघन है और इसके दुष्परिणाम मूल ग्राहक पर लागू होंगे। अगर उनके नाम पर लिए गए सिम कार्ड का बाद में गलत इस्तेमाल होता है, तो असली ग्राहक को भी दोषी माना जा सकता है। विभाग ने ग्राहकों से कॉलिंग लाइन आइडेंटिटी (सीएलआई) या पहचान बदलने वाले दूसरे एप एवं वेबसाइट का उपयोग न करने की हिदायत दी है। दूरसंचार अधिनियम, 2023 के तहत मोबाइल उपयोगकर्ता की पहचान में मददगार आईएमईआई एवं अन्य तरीकों से छेड़छाड़ पर 3 वर्ष कैद और 50 लाख का जुर्माना हो सकता है।

स्पैम कॉल की डीएनडी एप से करें शिकायत : ट्राई

नई दिल्ली। दूरसंचार नियामक ट्राई ने सोमवार को कहा कि केवल नंबर ब्लॉक करने से स्पैम कॉल और धोखाधड़ी वाले संदेशों पर रोक नहीं लगती है। इसके लिए ग्राहकों को ट्राई डीएनडी एप से ही स्पैम की शिकायतें दर्ज करानी चाहिए। ट्राई डीएनडी एप भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) का आधिकारिक मंच है। ट्राई ने कहा कि उपभोक्ताओं की शिकायतों पर स्पैम और फर्जीवाड़े वाले संदेश भेजने पर 21 लाख से अधिक मोबाइल नंबर काटे जा चुके हैं और एक लाख इकाइयों को काली सूची में डाला जा चुका है।

राष्ट्रीय

व्यवसायी की हत्या कर भाग रहे दो अपराधियों को भीड़ ने पीट-पीटकर मार डाला

पटना, एजेंसी

- व्यवसायी की हत्या के पीछे जमीन विवाद को बताया जा रहा कारण
- पुलिस जांच में जुट, अपराधियों के शव की करा रही पहचान

बिहार की राजधानी पटना के गोपालपुर थाना क्षेत्र के भोगपुर गांव में जमीन कारोबारी की हत्या कर भाग रहे दो अपराधियों की स्थानीय लोगों ने पीट-पीटकर हत्या कर दी। मृतक व्यवसायी भूपतिपुर निवासी अशरफी सिंह (65) है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने सभी शवों को पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया है। मामला दर्ज कर पुलिस जांच में जुट गई है। कारोबारी की हत्या के पीछे जमीन के विवाद को बताया जा रहा है।

घटना के संबंध में लोगों ने बताया कि सोमवार को बाइक सवार अपराधियों ने भूपतिपुर निवासी अशरफी सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी। गोली की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर जमा होने शुरू हो गए। लोगों को जुटते देख अपराधी मौके से बाइक लेकर भागने की कोशिश करने लगे, लेकिन लोगों ने दोनों को दौड़ाकर पकड़ लिया। लोगों ने दोनों अपराधियों की जमकर पिटाई की और तबतक पीटते रहे, जबतक दोनों की मौत नहीं हो गई। किसी ने मामले की जानकारी पुलिस को दी।

सूचना के बाद सदर डीएसपी मौके पर पहुंचे और लोगों से घटना के संबंध में पूछताछ की। स्थानीय लोगों ने बताया कि 20 करोड़ के जमीनी विवाद को लेकर व्यवसायी की हत्या हुई है। फिलहाल घर के लोग कुछ भी बोलने की स्थिति में नहीं हैं। वहीं पुलिस ने मामला दर्ज कर मृत अपराधियों की पहचान में जुट गई है।

48 लाख के इनामी 15 सक्रिय माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण

सुकमा। छत्तीसगढ़ में सोमवार को 15 सक्रिय माओवादियों ने आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौटने का निर्णय लिया। जिला सुकमा में हुए सामूहिक आत्मसमर्पण को सुरक्षा बलों की बढ़ती दबाव, प्रशासनिक पहुंच और पुनर्वास योजनाओं की सफलता का बड़ा परिणाम माना जा रहा है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय के मुताबिक, आत्मसमर्पित माओवादियों में पीएलजीए बटालियन नंबर 1 के चार हार्डकोर सदस्य हैं, जो लंबे समय से क्षेत्र में नक्सली गतिविधियों को अंजाम देने में सक्रिय थे। इनमें पांच महिलाएं और 10 पुरुष हैं।

कोचिंग सेंटर के प्रसार, इससे पैदा सामाजिक मुद्दों की समीक्षा करेगी संसदीय समिति

- स्थायी समिति ने पीएम स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडिया की समीक्षा का भी लिया निर्णय

नई दिल्ली, एजेंसी

- शिक्षा, महिला, बाल, युवा और खेल संबंधी स्थायी समिति एआई के प्रभाव और शिक्षा एवं विद्यार्थियों को इस प्रौद्योगिकी से लाभ पर भी करेगी मंथन

तनाव से छात्रों की आत्महत्या की बढ़ती घटनाओं के बीच एक संसदीय समिति ने प्रतियोगी परीक्षाओं में छात्रों की सहायता के लिए कोचिंग सेंटर के प्रसार और इससे उत्पन्न होने वाले सामाजिक मुद्दों की समीक्षा करने का निर्णय लिया है। शिक्षा, महिला, बाल, युवा और खेल संबंधी स्थायी समिति कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के प्रभाव और शिक्षा एवं विद्यार्थियों को इस उभरती प्रौद्योगिकी से लाभ की भी समीक्षा करेगी।

हाल में लोकसभा के एक बुलेटिन के अनुसार, स्थायी समिति ने 2025-26 के दौरान 'पीएम स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडिया' (पीएम-श्री) की समीक्षा का भी निर्णय लिया है। बुलेटिन में कहा गया है कि समिति प्रतियोगी परीक्षाओं में छात्रों की सहायता के लिए कोचिंग सेंटर के प्रसार, इससे उत्पन्न होने वाले सामाजिक मुद्दों और इस मामले पर मौजूदा कानून की समीक्षा करेगी। पिछले कुछ वर्षों में कोचिंग संस्थानों में दाख़िला लेने वाले छात्रों द्वारा पढ़ाई के दबाव के कारण आत्महत्या करने के मामले सामने आए हैं। केवल राजस्थान के कोटा शहर में ही ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जिसे भारत की कोचिंग राजधानी कहा जाता है।

शिक्षा मंत्रालय ने किया था समिति का गठन

शिक्षा मंत्रालय ने इस वर्ष की शुरुआत में नौ सदस्यीय समिति गठित की थी ताकि कोचिंग से जुड़े मुद्दों और डमी स्कूलों के उभरने की प्रवृत्ति के साथ-साथ प्रवेश परीक्षाओं की प्रभावशीलता और निष्पक्षता की भी जांच की जा सके। समिति स्कूल शिक्षा प्रणाली के संदर्भ में प्रतियोगी प्रवेश परीक्षाओं की प्रभावशीलता और निष्पक्षता तथा कोचिंग उद्योग के बढ़ते प्रभाव का अध्ययन कर रही है।

न्यूज ब्रीफ

कांग्रेस महासचिव ने की तीन जिलों की बैठक

अयोध्या, अमृत विचार : कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सत्यनारायण पटेल ने कमला नेहरू भवन में सोमवार को अयोध्या, अंबेडकरनगर और बस्ती के कांग्रेस पदाधिकारियों की संयुक्त बैठक की। कहा कि केंद्र सरकार बिना बीएलओ को समुचित प्रशिक्षण दिए जल्दबाज़ी में एसआईआर . लागू करने का प्रयास कर रही है। यह गंभीर प्रश्नचिन्ह खड़ा करता है। जिलों के पदाधिकारियों से आग्रह किया कि 14 दिसंबर को दिल्ली में एसआईआर के विरोध में प्रस्तावित कांग्रेस की राष्ट्रीय रैली में पूर्वांचल से अधिकतम संख्या में कांग्रेसजन शामिल हों।

सड़क दुर्घटना में स्कूल प्रबंधक की मौत

सोहावल, अमृत विचार : रौनाही थाना क्षेत्र के बाबा सूर्य पाल इंटर कॉलेज परसरामपुर के प्रबंधक शिव बरन पासवान(60) की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। वह रोज की तरह सुबह टहलने निकले थे। रौनाही थाना के सामने से सोहावल चौराहा जाने वाले मार्ग पर सइदा का पुरवा पर किसी वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। वह गंभीर रूप से घायल हो गए।स्थानीय लोगों ने जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई।रौनाही थाना प्रभारी निरीक्षक संदीप कुमार सिंह ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

थानाध्यक्ष व पुलिसकर्मियों पर अभद्रता का आरोप

अयोध्या, अमृत विचार : थानाध्यक्ष तारुन व उनके हमराही पुलिसकर्मियों पर अधिवक्ता के साथ अभद्रता करने का आरोप है। इसकी शिकायत अधिवक्ता ने एसएसपी से की है। शिकायती पत्र में अधिवक्ता अजय वर्मा ने कहा कि वह बार के पदाधिकारी का चुनाव लड़ रहे हैं, 21 नवंबर को प्रचार में गए थे। आरोप है कि वह थाना तारुन के पूर्वी क्षेत्र में थे तो उन्हें थानाध्यक्ष व दो कांस्टेबल ने अपमानजनक शब्दों का प्रयोग करते हुए अभद्रता की। वाहन को चालान करने व फर्जी मुकदमे में फंसाने की धमकी दी। इस घटना को उनके साथ गए कई लोगों ने देखा।उन्होंने एसओ और उसके हमराही पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की मांग की है।

ध्वजारोहण को लेकर अभाविप की हुई बैठक

अयोध्या, अमृत विचार : श्री राम जन्मभूमि में आयोजित ध्वजारोहण कार्यक्रम की तैयारी को लेकर सोमवार को सर्किट हाउस में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद कार्यकर्ताओं की बैठक हुई। प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि ध्वजारोहण कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी के आगमन पर साकेत महाविद्यालय इकाई द्वारा जगह-जगह स्वागत की कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां दी गई हैं। अभाविप के पूर्व संगठन मंत्री रहे शाही ने कहा कि जन्मभूमि में ध्वजारोहण हमारे लिए सुखद अवसर है। बैठक में विभाग प्रमुख नागेंद्र सिंह, संगठन मंत्री अंकित भारतीय प्रांत, संयोजक शिवम् मिश्रा, अंकुर सिंह, अंशुमान सिंह सहित कार्यकर्ता मौजूद रहे।

हर्षोल्लास से मनाया गया एफपीएस का वार्षिक समारोह

अयोध्या, अमृत विचार : फ़ैज़ाबाद पब्लिक स्कूल का वार्षिक समारोह यूफ़ोरिया 2025 रविवार शाम को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। समारोह की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन व स्वागत नृत्य से हुई। बच्चों ने नाट्य प्रस्तुतियों से आत्मविश्वास व सशक्तिकरण का संदेश दिया। स्काउट ड्रिल, स्केटिंग व ताइक्वांडो प्रस्तुतियां सराहनीय रहीं। प्राचार्य केके मिश्रा ने वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। प्रबंधक उमर मुस्तफ़ा ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया। मुख्य अतिथि बाल विकास परियोजना अधिकारी डॉ. अनीता सोनकर ने स्कूल के मेधावी छात्रों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया। विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि युफोरिया 2025 छात्रों की प्रतिभा, आत्मविश्वास और उज्ज्वल भविष्य का उत्सव रहा। इस मौके पर शिक्षक, शिक्षिकाएं, अभिभावक व विद्यार्थी मौजूद रहे।

गुरु तेग बहादुर का शहीदी दिवस मनाया गया

अयोध्या, अमृत विचार : विद्याभारती विद्यालय शिवदयाल जायसवाल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में सोमवार को गुरु तेगबहादुर का 350 वां शहीदी दिवस मनाया गया। प्रधानाचार्य अवनि कुमार शुक्ल ने मां सरस्वती व गुरु तेग बहादुर के चित्र पर दीप प्रज्वलित व पुष्पांजलि अर्पित की। कहा कि विश्व इतिहास में धर्म एवं मानवीय मूल्यों, आदर्शों एवं सिद्धान्त की रक्षा के लिए प्राणों की आहुति देने वालों में गुरु तेग बहादुर साहब का स्थान अद्वितीय है। कार्यक्रम का संचालन अन्विता ने किया। इस अवसर पर सभी आचार्य व छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

6th वार्षिकोत्सव विशेष फीचर

मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

...बरेली यू नहीं बना मेडिकल हब

मैं बरेली हूं, रोहिलखंड का गौरवशाली शहर। मैंने अपने भीतर चिकित्सा सुविधाओं के क्षेत्र में एक शांत, लेकिन क्रांतिकारी परिवर्तन देखा है। यह बदलाव इतना गहरा है कि मुझे अब अपने निवासियों को इलाज के लिए लखनऊ या दिल्ली की लंबी यात्राएं करते हुए देखना नहीं पड़ता, बल्कि इसके विपरीत, अब मैं गर्व से देखता हूँकि पड़ोसी जिलों और अन्य राज्यों से भी लोग यहाँ आकर अपना इलाज करा रहे हैं।

मेरी चिकित्सा यात्रा की शुरुआत 1870 के दशक में हुई, जब अमेरिकी मेडिकल मिशनरी डॉ. क्लारा स्वैन ने यहां कदम रखा। उस समय, मैं चिकित्सा सुविधाओं से लगभग अछूता था, खासकर महिलाओं के लिए। डॉ. स्वाइन ने जो किया वह एक चमत्कार से कम नहीं था - उन्होंने एशिया का पहला महिला अस्पताल स्थापित किया। नई पीढ़ी को बताना चाहता हूं कि यहां का उपचार केवल दवाइयों तक सीमित नहीं था, इसमें सेवा और करुणा की भावना थी। यह उत्तरी भारत में नर्सिंग शिक्षा का एक प्रमुख संस्थान भी बना। क्लारा स्वाइन अस्पताल ने उस नींव को रखा जिस पर आज की आधुनिक इमारत खड़ी है।

आज़ादी के बाद और 21वीं सदी की शुरुआत तक, मेरी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली मुख्य रूप से सरकारी जिला अस्पतालों पर निर्भर थी, जिनमें अक्सर संसाधनों की कमी होती थी। यही कारण था कि मेरे निवासी, जो थोड़ा भी खर्च कर सकते थे, गंभीर बीमारियों के लिए लखनऊ के पीजीआई या दिल्ली के एम्स की ओर रुख करते थे। यह मेरे लिए निराशाजनक था। फिर बदलाव की बयार आई। निजी क्षेत्र ने इस खालीपन को भरा और स्वास्थ्य सेवा के मेरे परिदृश्य को पूरी तरह से बदल दिया। रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज, श्री राम मूर्ति स्मारक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज और राजश्री मेडिकल कॉलेजों जैसे संस्थानों ने मुझे एक नया रूप दिया। ये सिर्फ अस्पताल नहीं... अत्याधुनिक उपकरणों, समर्पित आघात इकाइयों, और सुपर-स्पेशियलिटी विभागों के साथ पूर्ण चिकित्सा केंद्र हैं। अब जटिल ऑपरेशन, एमआरआई, सीटी स्कैन और कैथ लैब जैसी सुविधाएं मेरे अपने आंगन में उपलब्ध हैं। इलाज के लिए मेरे लोगों को अब बाहर जाने की ज़रूरत महसूस नहीं होती थी।

आज, मैं बरेली हूं, एक ऐसा शहर जो अपनी चिकित्सा क्षमताओं पर गर्व करता है। मैं एक मेडिकल एजूकेशन हब बन गया हूं। अब यहां न केवल स्वास्थ्य की बेहतर सुविधाएं हैं, बल्कि यहां से पढ़कर डॉक्टर गांव देहात से लेकर बड़े शहरों तक बेहतर इलाज उपलब्ध करा रहे हैं। मेडिकल जांच के लिए मुंबई और दिल्ली जितनी सुविधाएं भी मेरे यहां है। ये प्रगति रुकी नहीं है, धीरे धीरे और मेडिकल कॉलेज बनेंगे और विश्वस्तरीय सुविधाएं भी स्थापित होंगी। मैं विकसित हुआ हूं, मैंने बदलाव अपनाया है, और मैं अपने निवासियों के स्वास्थ्य की बेहतर देखभाल करने के लिए तैयार हूं।

बरेली की सरजमीं पर मरीजों को संजीवनी देने के लिए रखी गई थी मिशन अस्पताल की नींव

बरेली शहर की पहचान आध्यात्मिकता और शिक्षा से बनती है, तो चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में इस पहचान को सबसे मजबूत आधार देने वाला नाम है, बरेली का क्लारा स्वैन मिशन अस्पताल। करीब 140 वर्ष का इतिहास संजोए ये अस्पताल करुणा, निष्ठा और मानवता का वास्तविक परिचायक तो बना ही लेकिन अन्य के अंदर भी बरेली को चिकित्सा क्षेत्र में नया आयाम स्थापित करने के लिए किसी प्रेरणा से कम साबित नहीं हुआ। इसका ही परिणाम है कि अब बरेली जिला 100 नहीं बल्कि तीन मेडिकल कॉलेजों के साथ ही अत्याधुनिक सुविधाओं से परिपूर्ण 625 निजी अस्पतालों का हब बन गया है।

विशेषज्ञों के अनुसार, पहले जहां सरकारी अस्पतालों में भर्ती होने पर मरीजों को खुद उनके तीमारदार ही जीवन की डोर टूटने जैसी बातें करने लगते थे लेकिन अब सरकारी अस्पतालों की तस्वीर भी साफ हो रही है। जिसका परिणाम है कि जिले में 100 बेड का जिला महिला अस्पताल, 326 बेड का जिला अस्पताल और देहात के सभी 15 ब्लॉक पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के साथ ही गांव के निकट ही प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भी स्थापित हैं।

इलाज ही नहीं निदान से भी है पहचान : गौर करने वाली बात ये है कि जिले में सिर्फ अस्पतालों में मरीजों को बेहतर इलाज से संजीवनी मिलने का विषय नहीं है बल्कि इलाज से पूर्व उपयोगी साबित होने वाली इलाज पूर्व निदान के लिए भी बरेली किसी मायने में कम नहीं हैं। यहां 300 से अधिक पैथोलॉजी लैब, 682 अल्ट्रासाउंड जांच सेंटर और दस से अधिक सीटी व एमआरआई जांच सेंटर हैं। जहां रोजाना सैंकड़ों मरीज समय पर जांच कराकर उचित इलाज से नई जिंदगी जी रहे हैं।

03 मेडिकल कॉलेज,
08 आयुर्वेदिक कॉलेज
12 नर्सिंग कॉलेज

शहर की दौड़ खत्म, घर के पास ही गूंज रही किलकारी

■ पांच साल पहले तक देहात क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं के हाल बेहाल थे, डॉक्टरों की कमी व संसाधन न होने पर लोगों को आर्थिक हानि का सामना करते हुए निजी अस्पतालों में इलाज कराना पड़ रहा था, लेकिन अब स्थिति बदल गई। नवाबगंज, बिथरी, मीरगंज, भमौरा समेत अन्य सीएचसी पर इस साल से ही प्रसव शुरू हो गए है।

नशे की लत से मुक्ति दिला रहा ओएसटी : जिले में अभी तंबाकू, शराब व दवाओं से नशा करने वाले मरीजों के लिए निजी व एनजीओ के माध्यम से संचालित नशा मुक्ति केंद्र ही सहारा बन रहे थे लेकिन अब जिला अस्पताल में ही इंजेक्टेबल ड्रग यूजर्स यानि इंजेक्शन से नशा करने वाले मरीजों का इलाज के लिए ओएसटी केंद्र की स्थापना हो गई है।

आरएमसीएच से बीआईयू तक का सफर... जो रहेगा जारी

2006 में स्थापित हुआ था रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल
लेकिन उच्च स्तरीय सेवाएं देने पर 2016 में बन गया बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी का हिस्सा

बरेली। बात उस दौर की है जब चिकित्सा सेवा के नाम पर बरेली में चंद अस्पताल ही थे, मरीजों को जटिल बीमारियों के इलाज के लिए दूर-दराज जैसे लखनऊ और दिल्ली के चक्कर लगाने पड़ रहे थे लेकिन वर्ष 2006 में मरीजों के लिए संजीवनी रुपी किरण के रुप में रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (आरएमसीएच) की स्थापना हुई।

इसके स्थापित होने से सिर्फ बरेली ही नहीं बल्कि उत्तराखंड के साथ ही नेपाल के मरीजों को भी काफी सहूलियत मिली। यहां मरीजों को मिल रहे उच्च स्तरीय इलाज के चलते ही इसकी चमक शासन प्रशासन तक भी पहुंची इसका ही परिणाम रहा है कि वर्ष 2016 के 16 सितंबर को यूजीसी अधिनियम 1956 के अनुसार उत्तर प्रदेश सरकार ने इसे विश्व विद्यालय की मान्यता प्रदान की। ये विश्वविद्यालय रोहिलखंड चैरिटेबल एजुकेशनल ट्रस्ट द्वारा प्रवर्तित है। अब यहां डॉक्टरी डिग्री, नर्सिंग, पैरा मेडिकल व फार्मेसी के साथ ही टेक्नीकल और मैनेजमेंट कोर्स भी संचालित हो रहे हैं।

ये है प्रबंधन का ध्येय : बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, कुलाधिपति डॉ. केशव कुमार अग्रवाल, प्रति कुलाधिपति डॉ. अशोक अग्रवाल, कुलपति डॉ. लता अग्रवाल, प्रति कुलपति डॉ. किरण अग्रवाल के कुशल नेतृत्व में नित नये आयाम स्थापित कर रहा है। प्रबंधन का प्रयास विश्व स्तरीय संकायों, अवसंरचना, सुविधाओं और प्रौद्योगिकी के समुचित सहयोग से उन्नत शिक्षण और अनुसंधान वातावरण प्रदान करके अपने विद्यार्थियों को व्यावसायिक और व्यक्तिगत जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए ज्ञान प्रदान करना और कौशल विकसित करना है।

स्वास्थ्य सेवा में 24वें वर्ष में प्रवेश

शिक्षा, चिकित्सा और सेवा में बड़ा नाम एसआरएमएस

बरेली। न्यूनतम खर्च पर विश्वस्तरीय इलाज लेना हो तो आज सभी के जेहन में एक ही नाम आता है। और वह है एसआरएमएस मेडिकल कालेज। साल दर साल एसआरएमएस में बढ़ती मरीजों की संख्या, इस पर बढ़ते विश्वास को बयान करने के लिए काफी है और यही मरीजों का विश्वास इसकी उपलब्धि है। इमरजेंसी और गंभीर बीमारियों में बरेली और आसपास के मरीज दिल्ली या लखनऊ जाने के बजाय उपचार के लिए एसआरएमएस आते हैं। स्वस्थ होकर घर वापस जाते हैं। यह भरोसा किसी उपलब्धि से कम नहीं। इसी विश्वास और उपलब्धियों के सहारे एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज चार जुलाई को स्वास्थ्य सेवा में 24वें वर्ष में प्रवेश किया।

बरेली स्थित भोजीपुरा में श्रीराम मूर्ति स्मारक मेडिकल इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज (एसआरएमएस आईएमएस) की स्थापना एसआरएमएस ट्रस्ट की ओर से चार जुलाई वर्ष 2002 में की गई। ट्रस्ट के संस्थापक, चेयरमैन श्री देव मूर्ति जी ने अपने पिता स्वतंत्रता सेनानी, पूर्व मंत्री स्वर्गीय राम मूर्ति जी के आदर्श, सबको शिक्षा और सबको स्वास्थ्य को जन जन तक पहुंचाने के लिए विश्वस्तरीय सुविधा युक्त हास्पिटल खोलने का संकल्प लिया। 2001 में वसंत पंचमी के दिन (29 जनवरी) को ट्रस्ट परिवार के सदस्यों के साथ नींव पूजन के बाद सपनों की इमारत ने आकार लेना शुरू किया। करीब डेढ़ वर्ष वर्ष बाद, बीस साल पहले, चार जुलाई 2002 को देव मूर्ति जी की मां आदरणीय रामरखी जी के सानिध्य और आशीर्वाद से क्रिटिकल केयर और आई बैंक के साथ 30 एकड़ में बने एसआरएमएस हास्पिटल का उद्घाटन हुआ। अगले ही वर्ष मरीजों के लिए यहां कार्डियोलाजी ओपीडी के साथ एमआरआई की सुविधा भी उपलब्ध हो गई। वर्ष 2005 में एमबीबीएस के पहले बैच के साथ मेडिकल कालेज भी आरंभ हो गया। एसआरएमएस आईएमएस आज लखनऊ और दिल्ली के बीच स्थित पूर्वी उत्तर प्रदेश का अत्याधुनिक संसाधनों से युक्त मल्टी सुपरस्पेशियलिटी हास्पिटल है। प्री क्लीनिकल, पैरा क्लीनिकल और क्लीनिकल डिपार्टमेंट सम्पन्न इस मेडिकल कालेज में रेडियोथेरेपी, कार्डियक साइंसेज, रीनल साइंसेज, न्यूरो साइंसेज और प्लास्टिक सर्जरी विभाग और इनकी ओपीडी भी सफलतापूर्वक संचालित हैं। इन विभागों में सबसे ज्यादा मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं। जिनकी संख्या प्रतिदिन 12 सौ से ज्यादा हो जाती है। अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों में भी इन्हीं विभागों के 85 फीसद मरीज होते हैं50 से ज्यादा मरीजों की रेडियोथेरेपी और छह सौ से ज्यादा मरीजों की मेजर सर्जरी को यहां सफलतापूर्वक अंजाम दिया जा रहा है। यहां पर 3 .0 टेस्ला एमआरआई, हाई एनर्जी लीनियर एस्सेलेरेटर- ब्रेकी थेरेपी यूनिट, मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर, इंटरवेंशनल एंजियोग्राफी के लिए कैथ लैब, एंजियोप्लास्टी और हार्ट की दूसरी जांचें, अत्याधुनिक 20 मेजर ओटी जैसे तमाम उपकरण और सुविधाएं मौजूद हैं। मरीजों के लिए सभी डॉक्टर व अन्य स्टाफ पूरे सेवाभाव के साथ कार्य कर रहा है।

परदादा ने जेल में कैदियों की सेवा की प्रपौत्र सेना के जवानों को रख रहा स्वस्थ

बरेली के स्वास्थ्य जगत में धर्मदत्त वैध एक सम्मानित नाम हैं। अंग्रेजों के भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान जेल में रहकर उन्होंने कैदियों की सेवा की और रिहाई के बाद जीवन पर्यंत लोगों के स्वास्थ्य की देखभाल को अपना ध्येय बनाया। आज उन्हीं की विरासत को आगे बढ़ाते हुए उनके पोते डॉ. अनुपम शर्मा पत्नी डॉ. मृदुला शर्मा और प्रपौत्र डॉ. राघव शर्मा-पत्नी डॉ. निकिता, जो भारतीय सेना में हैं, उत्तम चिकित्सीय सेवा में समर्पित हैं। 1937 में भिवाड़ी (हरियाणा) से आयुर्वेदाचार्य की शिक्षा प्राप्त कर उन्होंने बरेली के बड़ा बाज़ार, मदारी गेट पर तिलक फार्मेसी की स्थापना की। यहां वे स्वयं आयुर्वेदिक दवाओं का निर्माण कर मरीजों का उपचार करते थे। भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान गिरफ्तारी के बाद चार साल की जेल हुई। जेल में कैदियों को साधारण इलाज भी न मिलता देख उन्होंने जेलर से अनुमति लेकर परिसर में जड़ी-बूटियां उगाईं और उनसे तैयार दवाओं से कैदियों का इलाज शुरू किया-यह सेवा पूरे चार वर्षों तक जारी रही। रिहा होने के बाद वे पुन: तिलक फार्मेसी में बैठकर लोगों की सेवा करते रहे।1953 में उन्होंने धर्मदत्त आयुर्वेदिक चिकित्सालय की स्थापना की। 1989 में उन्होंने सेवाभाव से भरा जीवन पूर्ण किया। उनकी शुरू की गई संस्था आज भी बरेली आयुर्वेद कॉलेज के सहयोग से समाज को सेवा दे रही है।

प्रपौत्र लेफ्टिनेंट कर्नल डॉ. राघव शर्मा पत्नी के साथ कर रहे जवानों का इलाज : परदादा और पिता की प्रेरणा से लेफ्टिनेंट कर्नल (डॉ.) राघव शर्मा ने भी चिकित्सा को ही अपना कर्मक्षेत्र चुना। राममूर्ति कॉलेज बरेली से एमबीबीएस और देश के अग्रिणी मेडिकल कॉलेज एएफएमसी,पुणे से एमडी करने के बाद वे असम स्थित गुवाहाटी आर्मी हॉस्पिटल में सैनिकों की सेवा में जुटे हैं। उनकी पत्नी लेफ्टिनेंट कर्नल (डॉ) निकिता, जिन्होंने उनके साथ ही एमबीबीएस और एमडी किया, वही सेना के कर्मियों की चिकित्सा सेवा में समान रूप से योगदान दे रही हैं।

पोते डॉ. अनुपम शर्मा - धर्मदत्त वैध की सेवा परंपरा का आधुनिक रूप : 1980 में एमबीबीएस और 1990 में एमडी करने के बाद डॉ. अनुपम शर्मा ने दिल्ली के सफदरजंग, राममनोहर लोहिया जैसे प्रतिष्ठित अस्पतालों में सेवा दी। एक वर्ष तक भारत सरकार के विशेष अनुबंध पर ईरान में कार्य किया। 1998 में उन्होंने बरेली में दादा व पिता भूपेंद्र नाथ शर्मा जो मीरगंज से विधायक रहे से प्रेरित हो धर्मदत्त सिटी हॉस्पिटल की स्थापना कर स्वास्थ्य सेवाओं को नई दिशा दी। आज यह अस्पताल गुणवत्तापूर्ण इलाज के लिए जाना जाता है। वे वर्तमान में एपीआई (एसोसिएशन ऑफ फिजिशियंस ऑफ इंडिया) 2025, बरेली के अध्यक्ष हैं। उनकी पत्नी डॉ. मृदुला शर्मा, दिल्ली से प्रशिक्षित स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ, 2024 में फोगसी बरेली ब्रांच की अध्यक्ष रहीं। दोनों के 20 से अधिक शोधपत्र प्रकाशित हो चुके हैं और देश-विदेश के मेडिकल कांफ्रेंस में व्याख्यान दे चुके हैं। दोनों शिक्षा जगत में भी अहम भूमिका निभा रहे हैं, ब्रह्मा देवी इंटर कॉलेज, मीरगंज सहित चार शिक्षण संस्थानों का संचालन देख रहें हैं।

आरसीआई में पाया इलाज... कैंसर को दी मात अब खिलखिला रही जिंदगी

बरेली। बीते वर्षों में कैंसर का नाम सुनते ही लोगों की आंखों के सामने मौत नाचने लगती थी, वर्ष 2022 से बड़ी संख्या में गंभीर रोगियों ने कैंसर को मात दी है और अब जिंदगी खिलखिला रही है उनको ये नई जिंदगी देने के लिए ढाल बना है बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी का रोहिलखंड कैंसर इंस्टीट्यूट (आरसीआई)।

रोहिलखंड कैंसर संस्थान मध्य में स्थित 200 बेड का अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित कैंसर संस्थान है। जिसकी स्थापना वर्ष 2022 में प्रतिष्ठित रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल परिसर में की गई थी। इसका उद्देश्य रोहिलखंड क्षेत्र और आसपास के जिलों के कैंसर रोगियों की अपूर्ण आवश्यकताओं की पूर्ति करना था। यह लखनऊ से 245 किलोमीटर और दिल्ली से 255 किलोमीटर दूर है। यह हवाई और रेल मार्ग से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है। बरेली हवाई अड्डा केवल 2 किलोमीटर और रेलवे जंक्शन 5 किलोमीटर दूर है।

इन सुविधाओं से कैंसर से मिल रही मात : आरसीआई के निदेशक डॉ. अर्जुन अग्रवाल बताते हैं कि यहां जर्मन की कोबाल्ट आधारित सैगिनोवा 25 चैनल वाली अत्याधुनिक ब्रैकी थेरेपी इकाई, रेडियोथेरेपी सिमुलेशन और योजना के लिए एक समर्पित वाइड बोर सीटी स्कैन मशीन उपलब्ध है। इतना ही नहीं रोहिलखंड कैंसर संस्थान इस क्षेत्र में पीईटी-सीटी सेवाएं प्रदान करने वाला पहला संस्थान है। वहीं डीएम मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट के तहत साइटोटॉक्सिक कीमोथेरेपी रोगियों को किफायती और मामूली शुल्क पर व्यापक कैंसर देखभाल के साथ अंतरराष्ट्रीय मानकों की अत्याधुनिक रेडियोथेरेपी सुविधा के साथ ही बाह्य बीम रेडियोथेरेपी के लिए अत्याधुनिक टू बीम एसटीएक्स लिनैक मशीन उपलब्ध है। यह एसआरएस, एसबीआरटी, आईजीआरटी, आईएमआरटी, वीएमएटी, 3डी सीआरटी जैसी फोटॉन थेरेपी पद्धतियों से भी मरीजों को इलाज दिया जा रहा है। पूर्व में मरीजों को इलाज के लिए अलग-अलग अस्पतालों में भटकना पड़ता था लेकिन संस्थान में एक ही छत के नीचे जांच के साथ ही इलाज की सभी सुविधाएं मिल सकेंगी।

■ डॉ. अर्जुन अग्रवाल ने बताया कि इंस्टीट्यूट में गामा कैमरा हाई डोज थैरेपी और बोन मैरो ट्रांसप्लांट सेंटर की नींव दो माह पूर्व रखी गई है। यूनिट का निर्माण आरंभ है। इस आधुनिक तकनीक से गंभीर रोगियों को बेहतर इलाज मिल सकेगा। अभी तक पैट स्कैन, गामा कैमरा थैरेपी के लिए मुंबई, दिल्ली जैसे शहरों के चक्कर लगाने पड़ते थे। लेकिन अब ही बरेली मंडल में पैट स्कैन और गामा थैरेपी का आरंभ होना किसी गौरव से कम नहीं है।

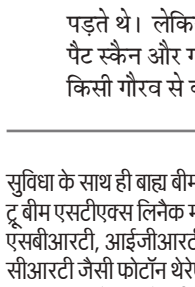

हमने पहले दिन से ही हेल्थ फॉर आल, हॉस्पिटल फार आल को अपना आदर्श बनाया। हम सभी मरीजों को कम खर्च में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं दे रहे हैं। यही वजह है कि एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज पर बरेली और आसपास के मरीजों का भी भरोसा बढ़ा है। इन 23 वर्षों में मरीजों के विश्वास के साथ ही एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज ने कई उपलब्धियां भी हासिल की हैं। इनमें 100 बेड का आरआर कैंसर इंस्टीट्यूट, इनफर्टिलिटी सेंटर, अंतरराष्ट्रीय मानकों के साथ 110 बेड की क्रिटिकल केयर यूनिट का स्थापित होना अहम है। -**आदित्य मूर्ति**, डायरेक्टर एडमिनिस्ट्रेशन एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज

प्रस्तुति : अंकित चौहान (भाग-1)

मुझे लगता है कि भारत की बल्लेबाजी काफी खराब थी। टेस्ट क्रिकेट के लिए जरूरी जज्बा और संयम नहीं था। कुछ अच्छी गेंदें फेंकी गई लेकिन बल्लेबाज कठिन स्पैल के लिये तैयार नहीं थे। ऐसा लगता है कि जल्दी लक्ष्य का पीछा करने की ही सोच थी जो टेस्ट मैच में अवास्तविक है।

-अनिल कुंबले

स्टेडियम

अमृत विचार

www.amritvichar.com

अयोध्या, मंगलवार 25 नवंबर 2025

हाईलाइट

धवन व हरभजन होंगे आकर्षण का केंद्र

नई दिल्ली । पूर्व भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन और हरभजन सिंह तथा दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज तेज गेंदबाज डेल स्टेन और ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर शेन वाटसन 26 जनवरी से चार फरवरी तक गोवा में होने वाली लीजेंड्स प्रो टी20 लीग में आकर्षण का केंद्र होंगे। आयोजकों ने प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क को लीग आयुक्त नियुक्त किया गया है। इस लीग में छह फ्रैंचाइजी आधारित टीम और 90 दिग्गज खिलाड़ी हिस्सा लेंगी। प्रतियोगिताओं के मुकाबलों का आयोजन 1919 स्पोर्ट्स क्रिकेट स्टेडियम में किया जाएगा।

विलियम्सन की टीम में वापसी

वेलिंगटन । केन विलियम्सन को अगले महीने वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली तीन टेस्ट मैचों की शृंखला के लिए न्यूजीलैंड की 14 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। विलियम्सन जिम्बाब्वे में न्यूजीलैंड की पिछली टेस्ट शृंखला और इस सत्र में अब तक सीमित ओवरों के अधिकतर मैचों में नहीं खेल पाए थे। विलियम्सन का न्यूजीलैंड क्रिकेट के साथ सीमित अनुबंध है, जो उन्हें विदेशी लीगों में खेलने की अनुमति देता है, जबकि वे उपलब्ध होने पर न्यूजीलैंड के लिए भी खेल सकते हैं। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने कहा मैदान पर केन की क्षमता से सभी अच्छी तरह से अवगत हैं। उनकी वापसी से हमारी टेस्ट टीम को मजबूती मिलेगी।

वेई यी ने सिंदारोव को बराबरी पर रोका

पणजी। चीन के ग्रैंडमास्टर वेई यी ने सोमवार को यहां शतरंज विश्व कप फाइनल की पहली बाजी में ग्रैंडमास्टर जावोखिर सिंदारोव को बराबरी पर रोका जबकि तीसरे स्थान के मुकाबले में ग्रैंडमास्टर आंद्रे इसिपेंको ने ग्रैंडमास्टर नोदिरबेक याकुबोएव को हराया। पहली बाजी में वेई ने काले मोहरों से खेलते हुए सिंदारोव को जीत दर्ज करने के लिए जोखिम उठाने के लिए मजबूर किया। वेई ने एक समय मजबूत स्थिति बना रखी थी लेकिन सिंदारोव वापसी करने में सफल रहे और अंतत: दोनों खिलाड़ी 50 चाल के बाद मुकाबले को ड्रॉ कराने के लिए राजी हो गए। तीसरे स्थान के प्ले ऑफ में इसिपेंको ने याकुबोएव को 38 चाल में हराया। कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में उनकी जगह सुनिश्चित करने के लिए अब अगली बाजी में सिर्फ ड्रॉ ही काफी होगा।

प्रांजलि ने 25 मीटर पिस्टल में स्वर्ण जीता

टोक्यो । भारतीय निशानेबाज प्रांजलि प्रशांत धूमल ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए सोमवार को यहां महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता, जो डेफलिम्पिक्स (बधिर ओलंपिक) में उनका तीसरा पदक है। इससे पहले उन्होंने अभिनव देशवाल के साथ मिश्रित पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण और महिला एयर पिस्टल में रजत पदक जीता था। महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में यूक्रेन की मोसिना हालिना ने रजत और कोरिया की जियोन जिवोन ने कांस्य पदक जीता। भारत की एक अन्य खिलाड़ी और महिलाओं की एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाली अनुया प्रसाद चौथे स्थान पर रहीं। प्रांजलि ने 600 में से 573 अंक के नए क्वालीफिकेशन विश्व रिकॉर्ड के साथ फाइनल में प्रवेश किया था। अनुया प्रसाद क्वालीफिकेशन में 569 स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहीं।

यान्सेन के सामने बल्लेबाजों का समर्पण, क्लीन स्वीप का खतरा

गुवाहाटी टेस्ट का तीसरा दिन : सिर्फ 201 रनों पर सिमट गई भारतीय पारी

सिर्फ सात रन बनाकर पैवेलियन लौटते कप्तान ऋषभ पंत। एजेंसी

गुवाहाटी, एजेंसी

कप्तान ऋषभ पंत सहित प्रमुख बल्लेबाजों के गैर जिम्मेदाराना रवैये से अपने विकेट इनाम में देने के कारण भारतीय टीम सोमवार को यहां अपनी पहली पारी में 201 रन पर सिमट गई। जिससे दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे और अंतिम टेस्ट मैच में मजबूत शिकंजा कसकर शृंखला में क्लीन स्वीप करने की तरफ मजबूत कदम बढ़ाए। अपनी पहली पारी में 489 रन बनाने वाले दक्षिण अफ्रीका ने पहली पारी में 288 रन की बढ़त हासिल की। उसने भारत को फॉलोऑन देने की बजाय दूसरी पारी में बल्लेबाजी करना उचित समझा। उसने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी दूसरी पारी में बिना किसी नुकसान के 26 रन बनाए हैं और उसकी कुल बढ़त 314 रन की हो गई है।

खराब रोशनी के कारण जब तीसरे दिन का खेल समाप्त घोषित किया गया तब एडेन मार्करम 12 और रयान रिकलेटन 13 रन पर खेल रहे थे। भारत का स्कोर एक समय एक विकेट पर 95 रन था लेकिन इसके बाद उसने 27 रन के अंदर छह विकेट गंवा दिए। पिच से कभी कभार उछाल और थोड़ा टर्न मिल रहा है पर वह अभी भी बल्लेबाजी के लिए अनुकूल है लेकिन अधिकतर भारतीय बल्लेबाजों ने गलत शॉट खेल कर अपने विकेट इनाम दिए। इनमें मुख्य रूप से साई सुदर्शन, ध्रुव जुरेल और कप्तान ऋषभ पंत शामिल हैं। दक्षिण अफ्रीका की तरफ से मार्को यान्सेन सबसे सफल गेंदबाज रहे। दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी में 93 रन बनाने वाले इस तेज गेंदबाज ने 48 रन देकर छह विकेट लिए। उन्होंने अपने लंबे कद का अच्छा फायदा उठाकर भारतीय बल्लेबाजों को अपनी शॉर्ट पिच गेंदों से निशाना बनाया। ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर (64 रन देकर तीन विकेट) ने उनका अच्छा साथ दिया। मार्करम ने पांच कैच लेकर अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भारतीय और बल्लेबाजों को अपने निचले क्रम के बल्लेबाज वाशिंगटन सुंदर (92 गेंद पर 48 रन) और कुलदीप यादव (134 गेंद पर 19 रन) से सीख लेनी चाहिए जिन्होंने सात विकेट 122 रन पर गिरने के बाद आठवें विकेट के लिए 72 रन जोड़े। उनकी साझेदारी टूटने के बाद भारतीय पारी सिमटने में देर नहीं लगी।

कप्तान ऋषभ पंत का विकेट लेने के बाद जश्न मनाते दक्षिण अफ्रीका के मार्को यान्सेन। एजेंसी

यशस्वी जायसवाल (97 गेंदों में 58 रन) ने स्ट्रोक्स से भरपूर अर्धशतक जड़ा, लेकिन हार्मर की एक गेंद ने अचानक उछाल लिया जिस पर वह गच्चा खा गए और यान्सेन को कैच दे बैठे। केएल राहुल (22) आउट होने वाले पहले बल्लेबाज थे। वह भी जायसवाल के साथ 65 रन की साझेदारी के दौरान अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे लेकिन केशव महाराज और हार्मर की दो गेंद ऐसी थी जिसने सुबह के सत्र का रुख पूरी तरह बदल दिया। पिच में ज्यादा खामियां नहीं थीं और जायसवाल के आकर्षक स्ट्रोक-प्ले ने इसकी पुष्टि की। उन्होंने हार्मर की गेंद को बार-बार लेंथ से स्वीप किया और महाराज की गेंद पर काउ कॉर्नर के ऊपर से छक्का भी जड़ा। यहां तक कि राहुल भी दूसरे छोर पर सहजता से रन बटोर रहे थे लेकिन महाराज की टर्न लेती एक गेंद उनके बल्ले का बाहरी किनारा लेकर पहली स्लिप में मार्करम के हाथों में चली गई। सुदर्शन (15) की स्पिनरों के खिलाफ बैकफुट पर जाने और इस प्रक्रिया में विफल होने की कमजोरी फिर से खुलकर सामने आ गई। जैसा कि वेस्टइंडीज के खिलाफ अहमदाबाद में हुआ था, एक बार फिर वह हार्मर की गेंद को पुल करने के लिए बैकफुट पर चले गए लेकिन सही तरह से शॉट लगा पाए और रयान रिकलेटन ने मिडविकेट पर डाइव लगाकर कैच लपक दिया। जुरेल (00) को चायकाल से ठीक पहले यानसन की गेंद पर पुल करने की जरूरत नहीं थी।

यशस्वी का यानसेन बो हार्मर 58
राहुल का मारक्रम बो महाराज 22
सुदर्शन का रिकेलटन बो हार्मर 15
जुरेल का महाराज बो यान्सेन 00
ऋषभ पंत का वेरेनबो यान्सेन 07
जडेजा का मारक्रम बो यान्सेन 06
रेड्डी का मारक्रम बो यान्सेन 10
वाशिंगटन का मार्करम बो हार्मर 48
कुलदीप का मार्करम बो यान्सेन 19
बुमराह का वेरेन बो यान्सेन 05
मोहम्मद सिराज नाबाद 02

गेंदबाजी : यानसेन 19 .5-5-48-6, मुल्डर 10-5-14-0, महाराज 15-1-39-1, हार्मर 27-6-64-3, मार्करम 10-1-26-0, मुथुसामी 2-0-2-0

दक्षिण अफ्रीका

26/0 (दूसरी पारी) (8 ओवर)

रेयान रिकेल्टन नाबाद 13
ऐडन मारक्रम नाबाद 12

गेंदबाजी : बुमराह 3-0-13-0, सिराज 3-1-8-0, जडेजा 1-0-2-0, कुलदीप 1-0-2-0

पंत अगर सही शॉट खेलता तो अलग बात होती : यान्सेन

ऋषभ पंत को मार्को यान्सेन के खिलाफ खराब शॉट चयन के लिए काफी आलोचना झेलनी पड़ रही है, लेकिन दक्षिण अफ्रीका के इस तेज गेंदबाज का मानना है कि अगर इस स्टार विकेटकीपर ने सही शॉट खेला होता तो शायद इस तरह की बात नहीं हो रही होती। पंत ने यान्सेन के खिलाफ तब जोखिम उठाया जब भारतीय टीम 102 रन पर चार विकेट गंवाने के बाद संकट में थी। यान्सेन ने शॉर्ट गेंद फेंकी जो पंत के शरीर की तरह आई और उनके बल्ले का किनारा लेकर विकेटकीपर के दस्तानों में चली गई। यानसेन को एहसास हो गया था कि ना तो हवा से मदद मिल रही है और ना ही सतह से मूवमेंट मिल रही है।

कई बार आप योजनाओं को सही तरह से लागू नहीं कर पाते : वॉशिंगटन

गुवाहाटी, एजेंसी

वॉशिंगटन सुंदर और मार्को यान्सेन में सोमवार को एक बात समान थी। दोनों का मानना है कि ऋषभ पंत की रणनीति अच्छी थी लेकिन उसे लागू करने में थोड़ी कमी रही। भारत के कार्यवाहक कप्तान पंत जब सात रन बनाकर खेल रहे थे तब यान्सेन की शॉर्ट गेंद पर विकेटकीपर को कैच दे बैठे जो तीसरे दिन के खेल के दौरान चर्चा का विषय बना रहा।

इससे पहले ध्रुव जुरेल ने भी इसी तेज गेंदबाज के खिलाफ गैरजरूरी पुल शॉट खेलकर मिड ऑन पर कैच थमाया। समान सवाल पर यान्सेन जैसा ही जवाब देते हुए वॉशिंगटन ने कहा किसी और दिन गेंद स्टैंड में चली जाती और हम सब तारीफ करते और ताली बजाते। ऐसा ही होता है। कभी-कभी आपको उनकी योजना और कौशल का समर्थन करना होता है। उन्होंने कहा यह देखते हुए कि उन्होंने पहले भी बहुत सारे उदारहण पेश किए हैं। मुझे लगता है कि यह सिर्फ उनके कौशल का समर्थन करने के बारे में है। जाहिर है कि योजना को उस तरह लागू नहीं किया जा सकता जिस तरह हम चाहते थे। भारत के बड़ा स्कोर बनाने में नाकाम रहने के बावजूद वॉशिंगटन ने कहा कि पिच बल्लेबाजी के लिए अच्छी है। उन्होंने कहा यह बहुत अच्छा विकेट है। आपको इस तरह के विकेट पर अधिक बल्लेबाजी करने को नहीं मिलती, विशेषकर भारत में। सच कहूं तो यह एक जीवंत विकेट है। अगर आप क्रीज पर समय बिताओगे तो रन बनाओगे।

वॉशिंगटर का यह जवाब ध्रुव जुरेल और पंत को शायद पसंद नहीं आए जो खराब शॉट खेलकर आउट हुए। उन्होंने इस बात से भी इनकार किया कि जब यानसेन गेंदबाजी कर रहे थे तो असमान उछाल था। वाशिंगटन ने कहा बिल्कुल भी असमान उछाल नहीं था। जाहिर है वह सबसे लंबा है और उसे गुड लेंथ पर थोड़ा तेज उछाल मिलता है। हम ऐसे गेंदबाजों के खिलाफ काफी खेले हैं। उन्होंने कहा बस किसी और दिन हम उन्हीं गेंदों पर बहुत बेहतर बल्लेबाजी करते तो चीजें बिल्कुल अलग होतीं।

वॉशिंगटन ने अपनी बल्लेबाजी से प्रभावित किया है। पिछले टेस्ट में वह तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे जबकि यहां आठवें नंबर खेलते हुए वह सबसे सहज नजर आए। यह पूछने पर कि क्या क्रम बदलने से असहज होते हैं, वॉशिंगटन ने कहा बिल्कुल नहीं। सच कहूं तो मैं ऐसा क्रिकेटर बनना चाहता हूं जो टीम की जरूरत के हिसाब से आगे आए और जहां भी टीम चाहे वहां बल्लेबाजी और गेंदबाजी करे। मुझे तैयार रहना होगा और टीम के लिए काम करना होगा। मेरी मानसिकता ऐसी ही है। उन्होंने कहा मैं चाहे किसी भी स्थिति में रहूं। मुझे अलग-अलग भूमिका भी निभाने को मिलती है। मुझे नहीं लगता कि बहुत लोगों को यह मौका मिलता है इसलिए यह सिर्फ रोमांचक है।

भारत ने ढाका में महिला कबड्डी विश्व कप जीता

ढाका । भारतीय महिला कबड्डी टीम ने सोमवार को चीनी ताइपै को 35 . 28 से हराकर लगातार दूसरा विश्व कप खिताब जीत लिया। भारत 11 देशों के टूर्नामेंट में शीर्ष पर रहा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने टीम को बधाई देते हुए एक्स पर लिखा भारतीय महिला कबड्डी टीम को विश्व कप 2025 जीतकर देश को गौरवान्वित करने के लिये बधाई।

उन्होंने जबर्दस्त कौशल, प्रतिबद्धता और दृढ़ता का प्रदर्शन किया। उनकी जीत से अनगिनत युवाओं को कबड्डी खेलने, बड़े सपने देखने और ऊंचे लक्ष्य तय करने की प्रेरणा मिलेगी। भारत ने सेमीफाइनल में ईरान को 33-21 से हराया था। दूसरी ओर चीनी ताइपै ने बांग्लादेश को 25-18 से मात दी थी।

गृहमंत्री अमित शाह ने टीम को बधाई देते हुए एक्स पर लिखा हमारी महिला कबड्डी टीम ने इतिहास रचा जो गर्व का पल है। पूरी टीम को महिला कबड्डी विश्व कप जीतने पर बधाई। आपकी शानदार जीत ने फिर साबित कर दिया कि भारत की खेल प्रतिभायें शिखर पर क्यो हैं। भविष्य के लिये शुभकामनाए।

पीएम मोदी ने दृष्टिबाधित महिला टीम की सराहना की

नई दिल्ली, एजेंसी

- **पहला टी-20 विश्व कप जीतकर भारत का नाम किया रौशन**

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय दृष्टिबाधित महिला क्रिकेट टीम को पहला टी-20 विश्व कप जीतने पर बधाई देते हुए सोमवार को कहा कि यह जीत टीम वर्क और दृढ़ संकल्प का शानदार उदाहरण है।

भारत ने रविवार को कोलंबो के पी सारा ओवल में खेले गए फाइनल में नेपाल को सात विकेट से हराकर टूर्नामेंट जीता। भारत ने पहले गेंदबाजी करते हुए नेपाल को पांच विकेट पर 114 रन पर रोक दिया और फिर 12 ओवर में तीन विकेट पर 117 रन बनाकर खिताब अपने नाम किया।

मोदी ने अपने एक्स पेज पर लिखा पहला दृष्टिबाधित महिला टी-20 विश्व कप जीतकर इतिहास रचने के लिए भारतीय दृष्टिबाधित महिला क्रिकेट टीम को बधाई। इससे भी अधिक सराहनीय बात यह है कि वे टूर्नामेंट में अजेय रहीं।

उन्होंने कहा यह वास्तव में एक ऐतिहासिक खेल उपलब्धि है। यह कड़ी मेहनत, टीम वर्क और दृढ़ संकल्प का शानदार उदाहरण है। प्रत्येक खिलाड़ी एक चैंपियन है। टीम को भविष्य के लिए मेरी शुभकामनाएं। उसकी यह उपलब्धि आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगी।

श्रीकांत व प्रणय की नजरें सैयद मोदी इंटरनेशनल में वापसी पर

लखनऊ, एजेंसी

सीनियर बैडमिंटन खिलाड़ी किदाम्बी श्रीकांत और एचएस प्रणय इस सत्र का अंत जीत के साथ करना चाहेंगे लेकिन उन्हें मंगलवार से यहां शुरू हो रहे सैयद मोदी अंतर्राष्ट्रीय सुपर 300 टूर्नामेंट में युवा खिलाड़ियों की कड़ी चुनौती का सामना करना होगा जो शीर्ष खिलाड़ियों के खिलाफ खुद को परखने के लिए तैयार हैं।

इस 240,000 डॉलर इनामी प्रतियोगिता की चमक भी कुछ कम हो गई है, क्योंकि अमेरिकी ओपन चैंपियन आयुष शेट्टी ने हाल ही में ऑस्ट्रेलियाई ओपन में भाग लेने के बाद अंतिम समय में इस प्रतियोगिता से अपना नाम वापस ले लिया। पूर्व चैंपियन श्रीकांत को मलेशिया मास्टर्स में उपविजेता बनकर नई ऊर्जा मिली थी, लेकिन वह उस लय को बरकरार नहीं रख पाए। अब घरेलू धरती पर होने वाले टूर्नामेंट से उन्हें साल का अंत सकारात्मक तरीके से करने का एक और मौका मिलेगा। प्रणय भी जीत हासिल करने के लिए बेताब हैं। उन्होंने हाल में जापान मास्टर्स और ऑस्ट्रेलियाई ओपन में भाग लिया था लेकिन वहां अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए थे। वह अब घरेलू दर्शकों के सामने अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध होंगे। पांचवीं वरीयता प्राप्त श्रीकांत का पहला मुकाबला मीराबा लुवांग मैसनाम से जबकि तीसरी वरीयता प्राप्त प्रणय का सामना पहले दौर में कविन थंगम से होगा। सभी की निगाहें छठे वरीय थारुण मन्नेपल्ली पर भी होंगी, जो सतीश कुमार करुणाकरण से भिड़ेंगे, जबकि एस शंकर मुथुसामी सुब्रमण्यम भी मनराज सिंह के खिलाफ अपने पहले मैच में अच्छा प्रदर्शन करना चाहेंगे। मिथुन मंजूनाथ का मुकाबला कजाकिस्तान के दिमित्री पानारिन से होगा।

मेदवेदेव और बोपन्ना डब्ल्यूटीएल में एक ही टीम में

बेंगलुरु। रूस के स्टार खिलाड़ी दानिल मेदवेदेव और अनुभवी भारतीय रोहन बोपन्ना 17 से 20 दिसंबर तक यहां होने वाली विश्व टेनिस लीग (डब्ल्यूटीएल) के लिए एक ही टीम में खेलेंगे जबकि सुमित नागल उस टीम का हिस्सा हैं जिसमें दुनिया के पूर्व नंबर छह खिलाड़ी गेल मोनफिल्स शामिल हैं।

निक किर्गियोस और कनाडा के स्टार डेनिस शापोवालोव भी चार टीम की इस फ्रेंचाइजी आधारित प्रतियोगिता में आकर्षण का केंद्र होंगे। एसएम कृष्णा टेनिस स्टेडियम में होने वाले 2025 सत्र में चार टीम में 16 अंतरराष्ट्रीय और भारतीय खिलाड़ी शामिल होंगे। यह टूर्नामेंट तीन सत्र के बाद पहली बार यूएई के बाहर आयोजित हो रहा है।

साक्षात्कार | ओलंपिक पदक विजेता बैडमिंटन खिलाड़ी ने प्रदर्शन में निरंतरता लाने के दिए टिप्स

खिलाड़ियों की फिटनेस बेहतर होनी चाहिए : साइना

नई दिल्ली, एजेंसी

ओलंपिक पदक विजेता बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल ने भारतीय खिलाड़ियों को अंतर्राष्ट्रीय बैडमिंटन की मांगों पर खरा उतरने और प्रदर्शन में निरंतरता लाने के लिए अपनी शारीरिक फिटनेस बेहतर करने की सलाह दी है। लंदन ओलंपिक 2012 की कांस्य पदक विजेता साइना ने पीटीआई से बातचीत में बताया कि मौजूदा पीढी के लिये चोटें आम बात हो गई है और महिला एकल खिलाड़ियों की नयी जमात में आक्रामकता का अभाव है।

लीजैंड्स विजन लीगेसी टूर इंडिया के लिये शहर में आई साइना ने कहा हमें प्रदर्शन में निरंतरता लानी होगी। हमे सात्विक . चिराग, लक्ष्य या सिंधू या आने वाले खिलाड़ियों से लगातार अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। हमे नतीजे चाहिये। उन्होंने कहा उन्हें अच्छे ट्रेनर और फिजियो देखने चाहिए। अगर शरीर सौ फीसदी फिट है तो कोचिंग कठिन नहीं है। लगातार खिताब जीतने के लिये शरीर को मजबूत बनाने की कवायद में अधिक ट्रेनर और फिजियो पर फोकस करना होगा। साइना ने कहा विक्टर एक्सेलसेन ने यही किया और कैरोलिना मारिन ने भी। मानसिक तैयारी तो सभी की अच्छी होती है लेकिन शारीरिक तौर पर और बेहतर होने की जरूरत है। लक्ष्य सेन ने 2025 सत्र में पहला खिताब जीता जब उन्होंने आस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 फाइनल में जापान के युशी तनाका को हराया।

साइना ने कहा जीत तो जीत है जिससे आत्मविश्वास बढ़ता है। उसने इस टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन किया है। यह अच्छा संकेत है कि वह फॉर्म में लौट रहा है। उन्होंने कहा उसने ओलंपिक में अच्छा खेला था और यहां भी।

लक्ष्य सेन हैं सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी

खिलाड़ी के तौर पर प्रशंसा और आलोचना दोनों का सामना करना पड़ता ही है। वह शीर्ष स्तर पर है और उससे लगातार जीत की अपेक्षा रहती है। वह इस समय हमारा सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी है लिहाजा अतिरिक्त दबाव है लेकिन वह अच्छा खेल रहा है। साइना और पी वी सिंधू ने कम उम्र से ही अंतर्राष्ट्रीय खिताब जीतने शुरू कर दिये थे लेकिन महिला वर्ग में मौजूदा पीढी की खिलाड़ी उस तरह का प्रभाव नहीं छोड़ पाई है। साइना ने कहा शायद इस पीढी में आक्रामकता कम है। मैं और सिंधू अधिक आक्रामक और ताकतवर थे।